सेंसेक्स	~ 81,583.30
निफ्टी	~ 24,853.40
सोना	~ 1,00,370
चांदी	~ 1,10,000
डॉलर	~ 86.44

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

बालाघाट
बुधवार 18 जून 2025
आषाढ़ कृष्ण 07 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 263
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

खास खबर

खाई में गिरी बस,1 की मौत

मंडी। हिमाचल के मंडी जिले के सरकाघाट उपमंडल में सड़क हादसे में 1 व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 15 से 20 लोग घायल हो गए। यह हादसा मंगलवार सुबह सरकाघाट के पटड़ीघाट क्षेत्र में कलखर के समीप हुआ, जहां ठाकुर कोच की एक निजी बस अनियंत्रित होकर 200 फीट गहरी खाई में जा गिरी। बस बलद्वाड़ा से मंडी की ओर जा रही थी। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य में जुट गए। उन्होंने कई घायलों को बस से बाहर निकालकर उपचार के लिए रवाना किया।

55 महीने में मिलेगी 3 हजार पेंशन

नई दिल्ली । देश में असंगठित क्षेत्र में लाखों ऐसे श्रमिक हैं, जो दिहाड़ी मजदूरी करते हैं, लेकिन किसी ऑर्गेनाइजेशन से जुड़े न होने के कारण उन्हें भविष्य के लिए पीएफ जैसी सुविधाओं का फायदा नहीं मिलता। इन श्रमिकों या मजदूरों को आर्थिक मदद देने और आर्थिक तौर पर मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा स्कीम प्रधानमंत्री श्रम योगी मान-धन योजना चलाई जा रही है। इस स्कीम के जरिए बुढ़ापे में मासिक आय का सोर्स बन सकता है।इस स्कीम में मजदूरों को हर महीने 3000 रुपए की पेंशन का फायदा मिलता है। इसमें रेहड़ी-पटरी लगाने वाले, रिक्शा चालक, कंस्ट्रक्शन क्षेत्र और ऐसे ही असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूर शामिल होते हैं। अगर आप भी असंगठित क्षेत्र में काम करते हैं और अब तक कोई पेंशन प्लान नहीं लिया है तो प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना का प्लान ले सकते हैं।

इंदौर में कोरोना से 2 मरीजों की मौत

नइं दिल्ली। देश में कोरोना से मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, नए वैरिएंट से अब तक 109 मौतें हुई हैं। केरल में सबसे ज्यादा 35 लोगों ने जान गंवाई है। महाराष्ट्र में 29 की मौत हुई है।

इंदौर में सोमवार को इलाज के दौरान 2 कोविड मरीजों की मौत हो हुई। दोनों मरीज खरगोन और रतलाम जिले के थे। इंदौर में 71 एक्टिव केस हैं। बीते 24 घंटे में 2 नए मामले आए हैं। जून में अब तक 106 केस दर्ज हुए हैं। देशभर में एक्टिव केसों की संख्या घटकर 6836 पहुंच गई है। 6 दिन में एक्टिव केस 285 कम हुए हैं। बीते 24 घंटे में कोई नया केस नहीं मिला, जबकि 428 मरीज रिकवर हुए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1659 एक्टिव केस हैं।

प्रयागराज के मशूहर मनकामेश्वर मंदिर में भक्तों के लिए ड्रेस कोड लागू

प्रयागराज । 11 जुलाई से शुरू हो रहे श्रावण मास के दौरान प्रसिद्ध मनकामेश्वर मंदिर में भगवान शिव का रुद्राभिषेक करने के इच्छुक भक्तों को ड्रेस कोड का पालन करना होगा। मंदिर परिसर में रुद्राभिषेक करते समय महिला भक्तों को साड़ी या सूट, जबकि पुरुष भक्तों को धोती, कुर्ता और पायजामा पहनना होगा। मनकामेश्वर मंदिर प्रबंधन ने रुद्राभिषेक करने के इच्छुक भक्तों के लिए ड्रेस कोड लागू करने का फैसला किया है।

मंदिर के पुजारी श्रीधरानंद जी महाराज ने कहा कि हाल के दिनों में देखा गया है कि भक्तों की प्रार्थना अनुष्ठान का तरीका बदल रहा है। इसलिए मंदिर में ड्रेस कोड लागू किया है। इस ड्रेस कोड को सावन के दौरान सख्ती से लागू किया जाएगा और आगे भी जारी रखा जाएगा।

श्रीधरानंद महाराज ने कहा कि मंदिर परिसर में अनुचित कपड़ों पर पहले से ही प्रतिबंध है।

मीडिल ईस्ट में घमासान...ईरान-इजराइल के बीच जंग में आसमान से बरस रहीं मिसाइलें, ईरान के हमलों से दहला इजराइल

मोसाद का हेडक्वार्टर तबाह

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान के बीच पिछले कई दिनों से संघर्ष जारी है। दोनों तरफ से जमकर बमबारी हो रही है। इसमें अब तक 200 से अधिक लोगों की मौत भी हो चुकी है और सैकड़ों इमारतों को भारी नुकसान हुआ है। इस सबके बीच सोमवार तडके (स्थानीय समयानुसार) ईरान ने इजरायल पर एक और मिसाइल अटैक किया। दावा है कि इन हमलों में इजरायल की खुफिया एजेंसियों के मुख्यालयों को निशाना बनाया गया।

ईरान ने इस बार इजरायली खुफिया एजेंसियों अमान और मोसाद के मुख्यालय को निशाना बनाया। रिपोर्ट में दावा किया गया है रविवार की आधी रात के करीब शुरू हुए पहले हमले के बाद जब एक फॉल्स अलार्म ने इजरायली इलाकों में घबराहट फैलाई, तब सोमवार की सुबह ईरान ने एक दूसरी मिसाइल वेव लॉन्च की। रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला सीधे इजरायल द्वारा कब्जा किए गए क्षेत्रों पर केंद्रित था। यह हमला मौजूदा संघर्ष की शुरुआत के बाद से दसवां बड़ा अटैक था। मीडिया की रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इजरायल की कड़ी सेंसरशिप के बावजूद, ऑनलाइन सामने आए वीडियो फुटेज में हाइफा स्थित एक विशाल पावर प्लांट को आग की लपटों में घिरा देखा गया। इसके तुरंत बाद, कब्जे वाले क्षेत्रों में बिजली गुल होने की खबरें आईं।

ईरानी सेना के डिप्टी कमांडर की मौत

उधर, इजराइली हवाई हमले में ईरान के टॉप सैन्य अधिकारी मेजर जनरल अली शादमानी की मौत हो गई है। शादमानी ईरान की खतम-अल-अनबिया हेडक्वार्टर्स यानी सैन्य आपात कमान के प्रमुख थे। उन्होंने 4 दिन पहले ही यह पद संभाला था। उन्हें इजराइली हमले में मारे गए मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह यह जिम्मेदारी दी गई थी। राशिद की मौत पिछले शुक्रवार को हुई थी। इजराइली हमलों में अब 224 ईरानी मारे जा चुके है, जबकि 1,481 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं।

600 से ज्यादा विदेशी अजरबैजान के रास्ते निकाले गए

इजराइल की तरफ से ईरान पर हमला शुरू होने के बाद से 600 से ज्यादा विदेशी नागरिकों को अजरबैजान के रास्ते ईरान से निकाला गया है। निकाले गए लोगों में 17 देशों के लोग शामिल हैं। इनमें रूस, बेलारूस, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, जर्मनी, स्पेन, इटली, सर्बिया, रोमानिया, पुर्तगाल, संयुक्त राज्य अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, चीन और वियतनाम के नागरिक शामिल हैं। कैस्पियन सागर तट पर अस्तारा चेकपॉइंट के जरिए बॉर्डर पार करने वाले लोगों को बाकू एयरपोर्ट पर ले जाया जा रहा है और वहां से उनके देश भेजा जा रहा है।

अमन के लॉजिस्टिक सेंटर पर सीधा हमला

मिसाइल हमलों का मुख्य निशाना इजरायली सैन्य खुफिया एजेंसी अमान का लॉजिस्टिक सेंटर था, जो ग्लीलोट में स्थित है। यह वही क्षेत्र है जहां इजरायल की सैन्य खुफिया गतिविधियों का संचालन होता है। हमले के बाद यह लॉजिस्टिक सेंटर अब भी जल रहा था। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि मिसाइल हमलों में मोसाद का मुख्यालय और यूनिट 8200 के कुछ गुप्त बैकअप ठिकानों को भी तबाह कर दिया गया। यूनिट 8200 इजरायल की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और खुफिया इकाई है जो साइबर युद्ध और डेटा इंटेलिजेंस में विशेषज्ञ मानी जाती है। इजरायली रक्षा प्रतिष्ठान की ओर से इन हमलों को बस स्टैंड या पार्किंग क्षेत्र को हुए नुकसान के रूप में पेश किया जा रहा है। लेकिन ईरानी मीडिया ने दावा किया है कि यह जानकारी भ्रामक है और असल में हमले सीधे रणनीतिक और खुफिया ठिकानों को लक्ष्य बनाकर किए गए थे। बता दें कि ईरान और इजरायल के बीच यह संघर्ष तब शुरू हुआ जब बीते शुक्रवार को इजरायल ने तेहरान के आवासीय क्षेत्रों और न्यूक्लियर साइट्स पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए थे। इजरायल की इन कार्रवाइयों में अब तक 7 ईरानी सैन्य अधिकारियों, 9 परमाणु वैज्ञानिकों, और 220 से अधिक नागरिकों की मौत हो चुकी है।

जी-7 का इजरायल को समर्थन; हमलों के लिए ईरान को ठहराया जिम्मेदार

दुनिया की सात ताकतवर मुल्कों के समूह जी-7 ने ईरान के साथ संघर्ष में इजरायल के लिए अपना समर्थन जाहिर किया है। जी-7 देशों ने अपने बयान में साफ कहा कि वह इजरायल के साथ खड़े हैं। उन्होंने ईरान को पश्चिमी एशिया में अस्थिरता फैलाने का जिम्मेदार ठहराया।

बयान में इलाके में अमन और स्थायी हल की जरूरत पर जोर दिया गया। जी-7 से साफ कर दिया है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार नहीं रख सकता है।

जी-7 में चीन को लाने के लिए ट्रंप ने की वकालत

जी-7 समिट के दौरान ट्रंप ने ग्रुप की अहमियत को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि 2014 में रूस को जी-7 से निकालना गलत था, जिससे दुनिया अस्थिर हुई। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि चीन को जी-7 में शामिल करना चाहिए।

एयर इंडिया ड्रीमलाइनर की 6 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें की रद्द, सुप्रिया सुले ने देरी नाराजगी जताई

नई दिल्ली। सांसद सुप्रिया सुले ने भी एयर इंडिया की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी जताई है। सुप्रिया सुले ने एयर इंडिया की दिल्?ली से पुणे फ्लाइट में तीन घंटे की देरी पर सवाल उठाए और कहा कि यह एयर इंडिया के लिए आम बात हो गई है। उन्?होंने नागरिक उड्डयन मंत्री से इस मामले में हस्?तक्षेप का आग्रह किया है।

सुप्रिया सुले ने एक्?स पर लिखा, दिल्?ली से पुणे के लिए एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2971 से यात्रा कर रही हूं। फ्लाइट 3 घंटे से ज्?यादा की देरी से चल रही है - कोई स्पष्ट संचार नहीं, कोई अपडेट नहीं, कोई सहायता नहीं और बहुत खराब सेवा। इस तरह की देरी और कुप्रबंधन एयर इंडिया के लिए आम बात हो गई है। यात्री फंसे हुए और असहाय रह जाते हैं। यह उदासीनता अस्वीकार्य है। राम मोहन नायडू, नागरिक उड्डयन मंत्रालय से आग्रह है कि वे हस्तक्षेप करें और एयरलाइन को जवाबदेह ठहराएं। यात्री इससे बेहतर के हकदार हैं।

नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने इस पर प्रतिकिया देते हुए एक्?स पर लिखा, जी, मैंने एयरलाइन और एयरपोर्ट अधिकारियों से बात की है। उनसे सभी प्रभावित यात्रियों की चिंताओं का तत्काल समाधान करने को कहा गया है।

उधर, आज एयर इंडिया ने बोइंग के सभी प्रमुख विमानों की जांच के बीच छह अंतरा?ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया। इन सभी उड़ानों में 787-8 ड्रीमलाइनर का इस्तेमाल किया जा रहा था। रद्द की गई सेवाओं में एआई 915 (दिल्ली-दुबई), एआई153 (दिल्ली-वियना), एआई 143 (दिल्ली-पेरिस), एआई 159 (अहमदाबाद-लंदन), एआई 133 (बेंगलुरु-लंदन) और एआई 170 (लंदन-अमृतसर) शामिल हैं। इनके अलावा एआई 315 के रूप में दिल्ली के लिए संचालित ड्रीमलाइनर में भी तकनीकी समस्या आने के बाद पायलट को हांगकांग वापस लौटना पड़ा।

उधर एयर इंडिया के सैन फ्रांसिस्को से मुंबई आने वाले विमान में कोलकाता में निर्धारित ठहराव के दौरान तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण एयरलाइन को सभी यात्रियों को उतारना पड़ा।

कोच्चि से दिल्ली जा रही फ्लाइट की नागपुर में इमरजेंसी लैंडिंग, हड़कंप मचा

कोच्चि से दिल्ली जा रही फ्लाइट को बम की धमकी मिलने के बाद नागपुर स्थित डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंड कराया गया। फ्लाइट में बम की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया और विमान की इमरजेंसी लैंडिंग के साथ ही सुरक्षा एजेंसियों ने तत्परता दिखाई और फ्लाइट नंबर 6ई 2706 की जांच शुरु कर दी।

जानकारी अनुसार, एयरलाइन अधिकारियों को विमान में बम रखने की धमकी मिली थी। इसके बाद मानक प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विमान की आपात लैंडिंग नागपुर हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से कराई गई। इसके साथ ही यात्रियों को तत्काल बाहर निकाला गया। सभी यात्रियों और क्रू मेंबर्स को सुरक्षित निकालकर टर्मिनल पर पहुंचाया गया।

सीबीएफसी से जिस फिल्म को मंजूरी मिली, हर राज्य को रिलीज करना होगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि भीड़ को सड़कों पर कब्जा करने की इजाजत नहीं दे सकते हैं, फिल्म 'ठग लाइफ' कर्नाटक में रिलीज करें। सुप्रीम कोर्ट ने मूवी रिलीज के संबंध में कहा कि कानून कहता है कि सीबीएफसी ने जिस फिल्म को मंजूरी दे दी है, उस मूवी को प्रत्येक राज्य में रिलीज करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि कर्नाटक हाईकोर्ट को अभिनेता कमल हासन के बयान को लेकर माफी मांगने को नहीं कहना चाहिए था।

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक सरकार को फिल्म 'ठग लाइफ' की रिलीज के बारे में जानकारी देने के लिए एक दिन का समय दिया। सुप्रीम कोर्ट ने अपनी दलील में कहा कि अगर अभिनेता कमल हासन ने कुछ कहा है, तब लोगों पर उस पर बहस करने दीजिए लेकिन फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज करने से नहीं रोका जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के निर्माता द्वारा दायर याचिका को कर्नाटक हाईकोर्ट से अपने पास स्थानांतरित कर दिया और कर्नाटक सरकार से जवाब दाखिल करने को कह दिया।

अदालत ने कहा कि लोग मूवी न देखने का विकल्प चुन सकते हैं। लेकिन हम यह तय करने के लिए धमकियों और धमकाने की अनुमति नहीं दे सकते कि कोई फिल्म रिलीज होगी या नहीं। अदालत ने इस तर्क का समर्थन करने के लिए पिछले निर्णयों का हवाला दिया, जिसमें एमआई नाथूराम बोलतोय नाटक मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला और इमरान प्रतापगढ़ी का फैसला शामिल है कि लोकतंत्र में अलग-अलग विचारों की अनुमति होनी चाहिए।

3 साल बाद डॉक्टरों पर हुई एफआईआर, महिला की बिना इजाजत कर दी थी नसबंदी

लखनऊ। देशभर में मशहूर किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी पर फिर सवाल खड़े हो गए हैं। क्वीन मैरी अस्पताल में इलाज के दौरान एक महिला की बिना इजाजत नसबंदी कर दी गई और उसके नवजात बच्चे की मौत हो गई। अब इस मामले में चार डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह घटना हरदोई जिले के रहने वाले हेमवती नंदन और उनकी पत्नी उमा मिश्रा से जुड़ी है।

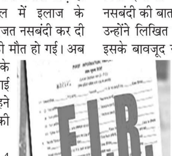

जानकारी के मुताबिक 4 अक्टूबर 2022 को हेमवती नंदन ने अपनी पत्नी को डिलीवरी के लिए क्वीन मैरी अस्पताल, लखनऊ में भर्ती कराया था। 5 अक्टूबर को ऑपरेशन के जरिए बेटे का जन्म हुआ, लेकिन कुछ ही घंटों में उसकी तबीयत बिगड़ गई और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया लेकिन बच्चे की मौत हो गई।

हेमवती नंदन का आरोप है कि उनकी पत्नी की बिना इजाजत नसबंदी कर दी गई। डॉक्टरों ने नसबंदी की बात ऑपरेशन से पहले पूछी थी, लेकिन उन्होंने लिखित में इसके लिए मना कर दिया था। इसके बावजूद नसबंदी कर दी गई। जब पीड़ित ने इस पर सवाल उठाया तो डॉक्टरों ने कोई जवाब नहीं दिया और धमकी दी कि अगर शिकायत की तो भविष्य में इलाज नहीं किया जाएगा। एफआईआर में जिन डॉक्टरों पर आरोप लगे हैं, उनमें डॉ. अमिता पांडे, डॉ. मोनिका अग्रवाल, डॉ. निदा खान, डॉ. शिवानी।

पीड़ित का दावा है कि उनके दस्तखत भी फर्जी तरीके से बनाए गए हैं और उनके पास इसके सबूत मौजूद हैं। हेमवती नंदन ने कई जगह शिकायत की लेकिन कहीं से कोई मदद नहीं मिली। थक-हार कर उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अब कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने डॉक्टरों और केजीएमयू प्रशासन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। इस घटना के सामने आने के बाद से स्वास्थ्य विभाग और मेडिकल यूनिवर्सिटी में हड़कंप मच गया है। लोगों के मन में केजीएमयू की विश्वसनीयता पर गहरे सवाल उठने लगे हैं।

वहीं केजीएमयू के प्रवक्ता प्रो. केके सिंह ने बताया कि रविवार को एफआईआर की कॉपी मिली। इसमें सभी तथ्य नहीं हैं। केजीएमयू प्रशासन न्यायालय का आदेश निकलवा रहा है। डॉक्टरों पर मुकदमा दर्ज करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने गाइडलाइन तय कर दी हैं। उनके हिसाब से ही एफआईआर दर्ज हो सकती है। इस मामले में देखा जाएगा कि उन गाइडलाइन का पालन हुआ है या नहीं। केजीएमयू प्रशासन अपने डॉक्टरों के साथ है। जरूरत पड़ी तो कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी।

जस्टिस वर्मा के समर्थन में सिब्बल बोले- शेखर यादव के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की?

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने जज यशवंत वर्मा के खिलाफ प्रस्तावित महाभियोग प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्मा के खिलाफ आरोप इतने स्पष्ट नहीं हैं कि उनके आधार पर महाभियोग चलाया जाए। सिब्बल ने कहा, इस मामले में जांच के बिना किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। महज कुछ वीडियो क्लिप और जले हुए नोटों की बातें, जो मीडिया में आई हैं, उन्हें बिना जांच के आधार नहीं बनाया जा सकता। ये भी तो बताएं कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज शेखर यादव के खिलाफ कार्रवाई रुकी क्यों? एक इंटरव्यू में कपिल सिब्बल ने आरोप लगाया कि सरकार पक्षपात कर रही है। सिब्बल ने सरकार और राज्यसभा के सभापति पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ 55 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित महाभियोग प्रस्ताव पर छह महीने से कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाया।

खाते में अचानक आए लाखों रुपये, पुलिस को नहीं बताया...अब पड़ गए परेशानी में

-सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी से बचाने किया इंकार

नई दिल्ली। आपके खाते में अचानक पैसा आ जाए, तब तुरंत पुलिस को बताना जरूरी है। ऐसा न करने पर आपको दिक्कत हो सकती हैं। इस तरह के एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक आदमी को गिरफ्तारी से बचाने से इंकार किया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि शख्स अपने खाते में 20 लाख रुपये आने के बाद पुलिस को बताने में चार महीने लगा दिए। यह पैसा साइबर क्राइम से आया था। बिहार के नवादा के शिवनगर गांव निवासी एक व्यक्ति ने सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मांगी थी।

दिल्ली पुलिस ने शख्स को साइबर धोखाधड़ी के मामले में बुलाया था। शख्स ने कहा कि उसके खाते का इस्तेमाल उसके किरायेदार ने किया। किरायेदार ने लोन लेने के बहाने उसके खाते की जानकारी लेकर खाते को हैक कर लिया।

रिपोर्ट के मुताबिक याचिकाकर्ता का कहना हैं कि उसके खाते का गलत

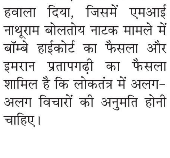

इस्तेमाल हुआ। वकील राकेश सिंह ने बताया कि उनके क्लाइंट दिल्ली पुलिस के सामने पेश हुए और जांच में सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने सारी जानकारी भी दी है। उन्होंने सवाल किया कि उनके क्लाइंट को पैसा कब मिला और उन्होंने पुलिस को कब बताया। इस पर कोर्ट को बताया गया कि याचिकाकर्ता ने पुलिस को करीब चार महीने बाद बताया। पैसा पिछले साल सितंबर में उसके खाते में आया था और शख्स ने जनवरी में पुलिस से संपर्क किया। बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता को राहत नहीं दी जा सकती और उसकी याचिका खारिज कर दी।

मामले में, एक ही दिन में अलग-अलग जगहों से उसके खाते में कई बार पैसे ट्रांसफर हुए। यह राशि 5 करोड़ रुपये से अधिक थी। अलग-अलग लेनदेन के लिए 13 मामले दर्ज हुए। इसमें से एक दिल्ली से 20 लाख रुपये की साइबर धोखाधड़ी का मामला था। उसके खाते में जमा किए गए 20 लाख रुपये कुछ ही घंटों में तीन अन्य खातों में ट्रांसफर कर दिए गए।

अभियोजन पक्ष का कहना है कि शिकायतकर्ता को एक व्यक्ति ने 20 लाख रुपये ट्रांसफर करने के लिए लुभाया था। जांच के दौरान पता चला कि यह राशि बिहार में याचिकाकर्ता के बैंक खाते में ट्रांसफर की गई थी।

स्व.कमला देवी भंसाली स्व.सेठ गोकुलचंद भंसाली स्व.मो.इकबाल खान स्व.मो. अकील (अक्की) खान

श्रीमती अनुभा मुंजारे
विधायक बालाघाट

ठण्डे पानी की मशीन (03), आर.ओ. का शुभारंभ

दिनांक - 18.06.2025
समय - दोपहर 3 बजे स्थान - लालबर्रा

अनीस खान
सरपंच पांढरवानी-लालबर्रा

01. लालबर्रा बस स्टैण्ड में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा विधायक निधि से प्रदत्त
02. मो. इंकबाल सॉ मिल के सामने स्व. मो. इकबाल खान व स्व. मो. अकील खान की स्मृति में श्री अनीस खान सरपंच द्वारा प्रदत्त
03. चांदनी चौक बाजार में स्व. कमला देवी व स्व. सेठ गोकुलचंद भंसाली की स्मृति में श्री शांतिलाल भंसाली जी (लोकतंत्र सेनानी) द्वारा प्रदत्त

विनीत
कृष्णा पंचेश्वर, रोजगार सहायक
रनविजय सिंह बघेल, सचिव
अनीस खान, सरपंच
ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

ग्राम पंचायत डाबरी के ग्रामीणों ने वन भूमि के पट्टे दिए जाने की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

35 वर्षों से वन भूमि पर कर रहे खेती, वन विभाग ने इस वर्ष खेती करने से किया मना, किसान के पास नहीं है दूसरा रोजगार का साधन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत डाबरी के लगभग आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे , जहां उन्होंने जनसुनवाई में आवेदन देते हुए बताया कि वह बीते 30 से 35 सालों से वन भूमि पर खेती किसानी का कार्य कर रहे हैं ,किंतु इस वर्ष वन विभाग के द्वारा उन्हें खेती किए जाने को लेकर मना किया जा रहा है । वन विभाग के कर्मचारी का कहना हैं की यदि किसान वन भूमि पर खेती करते हैं तो उन्हें 7 वर्ष की सजा का प्रावधान है । जिसको लेकर ग्रामीण किसान डरे हुए हैं और वह चाहते हैं कि प्रशासन उन्हें खेती करने के लिए भूमि का पट्टा दिया जाए। जिससे कि उन्हें खेती करने में परेशानी ना हो , जबकि किसानों के पास अतिरिक्त कोई व्यवसाय और रोजगार नहीं है । ग्रामीण किसान वर्षों से खेती पर ही अपना जीवन यापन कर रहे हैं, अब वह मांग कर रहे हैं कि उन्हें खेती करने के लिए भूमि दी जाए और उसका पट्टा भी दिया जाए।

बता दे कि ग्राम पंचायत डाबरी के लगभग आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण और किसान मंगलवार को जनसुनवाई में कलेक्टर कार्यालय पहुंचे । जहां उन्होंने कलेक्टर को एक आवेदन दिया और बताया कि वह बीते 30 से 35 वर्षों से ग्राम पंचायत डाबरी की वन भूमि पर खेती किसानी का कार्य कर रहे हैं। क्योंकि उनके पास खेती करने के सिवाय दूसरा कोई रोजगार नहीं है और उनका पूरा जीवन खेती किसानी से आने वाली फसल से ही चलता है। किंतु बीते कुछ वर्षों से वन विभाग के द्वारा उन्हें वन भूमि पर खेती किये जाने से मना किया जा रहा था और इस बार वन विभाग के अधिकारियों द्वारा ग्राम पंचायत डाबरी के लगभग 30 से 40 किसानों को वन भूमि पर खेती किसानी करने से मना कर दिया गया है। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यदि किसानों द्वारा वन भूमि पर यदि खेती की जाती है तो उन्हें 7 वर्ष की जेल की सजा काटनी होगी। इस कारण से डाबरी ग्राम पंचायत के किसान इस वर्ष खेती नहीं कर रहे हैं , जबकि किसान बता रहे हैं कि उनके पास अब खेती करने के अलावा दूसरा कोई जीविका चलाने का साधन नहीं है । डाबरी ग्राम पंचायत में लगभग 100 से 150 एकड़ की भूमि पर ग्रामीणों द्वारा खेती की जाती है और इसके लिए उन्होंने बीते कुछ वर्षों पहले ही प्रशासन को पट्टा जारी करने के लिए आवेदन भी कर रखा है किंतु विभाग द्वारा उन्हें आश्वासन देकर अभी तक पट्टा जारी नहीं किया गया । अब अचानक से खेती करने से वन विभाग मना कर रहा है इसी समस्या को लेकर वन विभाग के खिलाफ लामबंद होकर ग्राम पंचायत डाबरी के किसानों ने जिला कलेक्टर को आवेदन दिया है और वन भूमि के पट्टे जारी करने की मांग की है । कुछ किसानों ने तो यह भी कहा कि उनके परिवार को जीवित रखने के लिए उनके पास दूसरा कोई रोजगार नहीं है यदि वन विभाग उन्हें जेल भी भेजता है तो वह वन भूमि पर खेती करेंगे।

परिवार का पोषण करने के लिए कोई माध्यम नहीं है - हीरालाल टेकाम

डाबरी से पहुंचे हीरालाल टेकाम बताते हैं कि उनके पास भूमि नहीं थी तो वह बीते कुछ वर्षों से वन भूमि पर खेती ,किसानी का काम कर अपना परिवार चला रहे हैं ,किंतु इस बार वन विभाग द्वारा खेती किसानी के कार्य किए जाने को लेकर मना किया जा रहा है । इसी की समस्या लेकर आज वह जिला मुख्यालय पहुंचे हैं, उन्होंने बताया कि उनके परिवार का भरण पोषण करने के लिए दूसरा कोई माध्यम नहीं है। उनके द्वारा भूमि का पट्टे जारी करने को लेकर भी पूर्व में आवेदन किया गया था उस पर भी विभाग ने कोई ध्यान नहीं दिया और उन्हें अभी तक पट्टा जारी नहीं किया है।

खेती करोगे तो 7 वर्षों की जेल की सजा होगी - बीजूसिह मरकाम

बीजूसिह मरकाम बताते हैं कि आज वह खेती किसानी करने के लिए वन भूमि के पट्टे की मांग को लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे हैं। वह बीते कई वर्षों से वन भूमि पर खेती किसानी का काम कर रहे हैं, किंतु वन विभाग के द्वारा वन भूमि पर खेती करने से रोक रहे हैं और कह रहे हैं कि यदि वन भूमि पर खेती करोगे तो 7 वर्षों की उन्हें जेल की सजा होगी इसलिए आज वह जिला मुख्यालय पहुंचे हैं उन्होंने यह भी बताया कि उनकी ग्राम पंचायत में पेसा एक्ट तो लागू किया गया है किंतु पेसा एक्ट का नियम अनुसार पालन नहीं हो रहा है और पेसा एक्ट का उन्हें किसी प्रकार से कोई फायदा नहीं मिल रहा है।

अपनी जमीन को नहीं छोड़ेंगे - झामसिंह टेकाम

झामसिंह टेकाम बताते हैं कि वन भूमि पर उनकी चार एकड़ की जमीन है जिस पर वह बीते कुछ वर्षों से खेती किसानी का काम करते हुए अपने परिवार की जीविका चला रहे हैं, जबकि उनके परिवार में सात सदस्य हैं जिनका पूरा जीवन खेती पर ही निर्भर है और वन विभाग में खेती करने से मना किया है किंतु वह अपनी जमीन को नहीं छोड़ेंगे और खेती का काम करेंगे।

वन भूमि का किसानों को पट्टा जारी किया जाए- धर्मसिंह सैंयाम

धर्मसिंह सैंयाम बताते हैं कि वर्ष 2008 में कुछ किसानों को भूमि का पट्टा भी जारी किया गया है किंतु कुछ किसान ऐसे भी हैं जिन्हें भूमिका पट्टा जारी नहीं किया गया और उन्हें पट्टा जारी किए जाने की बात कही जा रही थी , जबकि इस वर्ष वन विभाग द्वारा सभी को खेती करने से मना कर दिया गया है उनके क्षेत्र में लगभग 100 से 150 एकड़ की जमीन पर ग्रामीण खेती किसानी का काम करते हैं और इसी से लगभग ग्राम के 40 किसान अपना परिवार को पालते हैं, किंतु इस वर्ष खेती करने से मना किया जा रहा है जो सबसे बड़ी समस्या बन गई है वह चाहते हैं कि वन भूमि का किसानों को पट्टा जारी किया जाए।

मलेरिया के रोकथाम के लिए प्रचार वाहन से किया ग्रामीणों को जागरूक

किरनापुर(पद्मेश न्यूज) । राज्य कार्यालय भोपाल के आदेशानुसार डॉ परेश उपल्प (सी एम एच ओ) डॉ.मनीषा जुनेजा से प्राप्त निर्देशानुसार 17 जून 2025 को विकासखण्ड किरनापुर के मलेरिया प्रभावित गोदरी,भगतपुर, सुसवा, किन्ही ककोडी, मोरवाही उपस्वास्थ केन्द्र के अधीनस्थ ग्रामों में मलेरिया रथ द्वारा ध्वनि विस्तारक यंत्र एवं पाम्पलेट बाटकर प्रचार-प्रसार किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर से डॉं वर्ष चौबे खण्ड

चिकित्सा अधिकारी के निर्देशानुमार मलेरिया टेक्नीकल सुपरवाइजर वन्दना ठाकुर द्वारा ग्रामीणो के मच्छर जनित बीमारी से बचाव की जानकारी दी गई। तथा मच्छरदानी के उपयोग ,मलेरिया लार्वा को बढने के बचाने के उपाय बताए गए। वही यदि किसी को बुखार आया है तो सी एच ओ, ए एन एम,आशा कार्यकर्ता था अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी से मलेरिया टेस्ट करवाना चाहिए। सभी शासकीय अस्पतालो में मलेरिया की दवा पूर्णत: नि:शुल्क उपलब्ध है। मलेरिया रथ भ्रमण के दौरान सभी स्थानो पर ए एन एम, सी एच ओ, आशा, आशा सुपरवाइजर, स्कूली छात्र-छात्रा एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

दिल में छेद लेकर जी रहा था आरव, सफल ऑपरेशन के बाद लल्ला की तरह चहलकदमी करने लगा

18 दिन भर्ती रहने के बाद अब आरव फिर चहकने लगा, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत मुम्बई में हुए उपचार से मिला नवजीवन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । दिल में छेद के साथ बड़ी मुश्किलों में 2 साल के आरव का जीना दूभर हो रहा था। लेकिन अब आरव अपने घर में लल्ला की तरह खेलने-कुदने के साथ अपनी नटखट कलाओं के साथ खुशी के साथ भरपेट भोजन कर चहलकदमी करने लगा है। ये सब राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत मुंबई के नारायणा हॉस्पिटल में उपचार के बाद हो पा रहा है। इस मामलें में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने बताया कि कटंगी विकासखण्ड अंतर्गत हरदोली निवासी पायल और नरेन्द्र का पुत्र आरव जन्म के बाद से ही काफी परेशान था। दूध पीने से लेकर शारीरिक हलचल सामान्य बच्चों से बेहद कम थी जिसे लेकर परिजन चिंतित थे। प्रायवेट चिकित्सकों के पास काफी उपचार कराया गया लेकिन ना ही बीमारी पकड़ में आ रही थी और ना ही सेहत में कोई सुधार था। बच्चा रोता रहता था और पूरा शरीर ढीला पड़ जाता था। सीएमएचओ डॉ. उपलप ने बताया कि उसके दिल में छेद होने से उसकी शारीरिक क्षमता प्रभावित हो रही थी। इसके बाद आरबीएसके अंतर्गत सफल ऑपरेशन मुम्बई के नारायणा शासकीय खर्च पर उपचार कराया गया।

ऐसे पहुँचा आरव शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र तक,फिर योजना में हुआ शामिल

बालाघाट जिला चिकित्सालय परिसर स्थित जिला शीघ्र हस्तक्षेप केन्द्र में 0 से 18 वर्ष आयु तक बच्चों एवं किशोर-किशोरियों की सामान्य एवं गंभीर बीमारियों का शासकीय खर्च पर उपचार एवं जांच होती है। आरव के परिजन को इसकी जानकारी लगते ही वे एक वर्ष पूर्व बेटे आरव को डीईआईसी लेकर पहुँचे। यहाँ सारी जांचों सहित ईको कराने के उपरांत चला कि उसके दिल में छेद है और समय रहते उसका ऑपरेशन आवश्यक है। आरव को मुम्बई के नारायणा अस्पताल में ऑपरेशन के लिए 10 सितंबर 2024 को भर्ती किया गया जहां उसके हॉर्ट का सफल ऑपरेशन हुआ। मुम्बई में 18 दिन भर्ती रखा गया। उपचार पर करीब 1 लाख 50 हजार रूपए खर्च हुआ जो राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय खर्च पर संभव हो सका।

भविष्य के खिलाड़ियों के अभिभावकों से किया गया संवाद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । मप्र शासन खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित खेलो और बड़ो अभियान के तहत भविष्य के खिलाड़ियों के अभिभावकों से मंगलवार को संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में खिलाड़ियों के अभिभावकों और खेल परिसर में आने वाले अभिभावकों को विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों से जोड़ने और भविष्य में खेल प्रशिक्षण के माध्यम से मप्र खेल अकादमी में प्रवेश के लिए चयन स्पर्धा

की तैयारी के बारे में जानकारी दी गयी। जिला खेल कराते प्रशिक्षक श्री सजिंद्र कृष्णन और खेलों इंडिया प्रशिक्षक आशु चौधरी मैडम ने खिलाड़ियों के अभिभावकों को विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण के अवसरों और मध्य प्रदेश खेल अकादमी में प्रवेश के लिए चयन स्पर्धा की तैयारी के बारे में जानकारी दी। उन्होंने खेल शिक्षा और शासकीय खेल संबंधित शासकीय सेवाओं की तैयारी के बारे में भी जानकारी दी और बताया कि भविष्य में किस प्रकार तैयारी की जा सकती है। जिला योग आयोग के अध्यक्ष तपेश असाटी ने आगामी 21 जून को विश्व योग दिवस के अवसर पर अधिक से अधिक नागरिकों को शामिल होने के लिए आह्वान किया और स्वास्थ्य, फिटनेस, ध्यान और योग के महत्व के बारे में बताया। इस अवसर में शैलेन्द्र यादव, अजय ठाकुर व अन्य उपस्थित रहे।

कार्यालय तहसीलदार तहसील किरनापुर
जिला बालाघाट

रा.प्र.क्र.0021/ड-154/वर्ष 2025-26
साकिन सिवनीकला प.ह.न.10
रा.नि.म. किरनापुर तहसील किरनापुर

इस्तेहार समाचार प्रकाशन

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक दिलीप कुमार पिता प्रेमलाल जाति लोधी निवासी ग्राम सिवनीकला तहसील किरनापुर जिला बालाघाट म.प्र. के द्वारा अपने माँ भगवती पति प्रेमलाल की मृत्यु दिनांक 03/09/2012 को हुई,किन्तु जन्म/मृत्यु पंजीयन कार्यालय सिवनीकला मे जानकारी के अभाव में दर्ज नही कराये जाने के कारण जन्म/मृत्यु के 01 वर्ष के पश्चात् पजीयन के लिए अनुमति मिलने हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।

अत: उत्त के संबंध में हित रखने वाले सभी व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि वे निश्चित दिनांक 20/06/2025 को स्वयं अथवा अपने किसी प्रतिनिधी द्वारा उपस्थित होकर कोई आपत्ति हो तो प्रस्तुत करे। नियत दिनांक के उपरान्त प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जावेंगा।

तहसीलदार
तहसील किरनापुर
जिला बालाघाट(म.प्र.)

पौधें लगाना और बचाना दोनों आवश्यक, प्रोटेक्शन के साथ करेंगे पौधारोपण

योग दिवस पर योग और बारिश में पौधारोपण के लिए कलेक्टर श्री मीना ने नगर के गणमान्य नागरिकों व सामाजिक संस्थाओं के साथ कि बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। इस वर्ष आयुष विभाग द्वारा योग दिवस की थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य रखी गई है। इस थीम पर योग दिवस सांदीपनि विद्यालय में आयोजित होगा।

योग दिवस मनाने को लेकर आयोजित हुई बैठक में नगर के गणमान्य नागरिकों तथा सामाजिक संस्थाओं व अन्य संघो एवं संगठनों से कहा कि योग दिवस पर योग तथा बारिश में पौधरोपण में सहभागिता के लिए सभी का सहयोग आवश्यक है। इस वर्ष पौधें लगाने के साथ ही उन्हें बचाने पर ज्यादा जोर दिया जाएगा। इसलिए प्रशासन द्वारा ऐसे स्थान व प्रोटेक्शन के लिए ट्री-गार्ड की व्यवस्था की जा रहीं है। प्रशासन द्वारा करीब 3 लाख 50 हजार पौधें लगाए जाने की कार्ययोजना है। जो सामाजिक संस्थाएं और संगठन इसमें सहयोगी हो सकते है। उनसे प्रशासन द्वारा सुझाव भी मांगे गए। योग दिवस सुबह 6 बजे से प्रारम्भ होगा। बैठक के दौरान एसडीएम गोपाल सोनी ने योग दिवस की तैयारियों के सम्बंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने बारिश के मद्देनजर दो प्लान किये है। यदि बारिश नही होती है तो स्थानीय मुलाना स्टेडियम पर और यदि बारिश ज्यादा होती है तो सांदीपनि विद्यालय में योग दिवस का आयोजन होगा। उन्होंने यह भी कहा कि कोई विशेष सामाजिक संस्था या संगठन ड्रेस कोड में आकर योग करने आते है तो उनके लिए एक अलग स्लॉट में स्पेस दिया जाएगा।

सड़को के किनारे और औद्योगिक क्षेत्र में भी होगा पौधारोपण

कलेक्टर श्री मीना ने पौधारोपण की तैयारियों के सम्बंध में कहा कि प्रशासन द्वारा 3 लाख 50 हजार पौधें लगाने की तैयारी की गई है। जो बाउंड्रीवाल यूक्त स्कूलों, छात्रवासों के अलावा सड़क निर्माण से जुड़े विभागों द्वारा सड़को के किनारे ट्री-गार्ड यूक्त पौधारोपण होगा। इसके अलावा औद्योगिक क्षेत्र में भी प्रोटेक्शन के साथ पौधारोपण किया जाएगा। प्रशासन द्वारा गड्ढे खुदाई का कार्य भी प्रारम्भ हो गया है। बैठक में विभिन्न संस्थाओं व गणमान्य नागरिकों द्वारा पौधें बचाने पर ज्यादा जोर देते हुए सुझाव दिए है कि पौधें कम लगाए लेकिन बचाना ज्यादा है। इसलिए पौधें लगाने से पहले उन्हें बचाने व उनकी सुरक्षा के प्रयास करें। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, सीएसपी सुश्री वैशाली सिंह, नपा अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर,पूर्व नपा अध्यक्ष रमेश रँगलानी, अभय सेठिया, मौसम बिसेन, तपेश असाटी, आशीष मिश्रा सहित नगर के अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बाल आशीर्वाद योजना के लाभार्थियों से की मुलाकात

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मंगलवार को महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया ने बाल आशीर्वाद योजना से लाभान्वित बच्चों से उनके घर जाकर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने बालक आर्यन बम्बूरे और ट्विंकल चंदेल से मिलकर उनके स्वास्थ्य और

शिक्षा के संबंध में जानकारी ली। दोनों बच्चे अपने संरक्षक के साथ निवासरत हैं। महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बच्चों से किसी समस्या आने पर उनसे बात करने के लिए अपना दूरभाष नंबर भी दिया। इस अवसर पर सेक्टर पर्यवेक्षक श्रीमती सरला भोर उपस्थित रहीं। बाल आशीर्वाद योजना का उद्देश्य 0 से 18 वर्ष के ऐसे बच्चों को ऑफ्टर केयर और स्पॉन्सरशिप के तहत लाभान्वित करना है जिनके माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई है। योजना के तहत बच्चों को आर्थिक सशक्त बनाने के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और शिक्षा में सहयोग किया जाता है। साथ ही 4000 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता और आयुष्मान कार्ड के माध्यम से चिकित्सा सहायता प्रदान की जाती है।

आवश्यकता है
हैदराबाद में रहने वाले लांजी के परिवार को पूर्णकालिक घरेलू काम और बच्चों की देखभाल के लिए एक महिला की आवश्यकता है।
अवधि - 06 महीने
नि:शुल्क आवास/भोजन
आकर्षक वेतन
संपर्क - 8087277467

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

अवैध रूप से निर्माण कार्य करने वालो पर सख्ती से होगी कार्यवाही

नक्शा सुधार के मामले की तहसीलदार बारीकी से जाँच कर उचित कार्यवाही सुनिश्चित करेंगे, लांजी कालीमाटी मार्ग पर फेंके जा रहे कचरे का निराकरण सीएमओ यथाशीघ्र करें, आँखों के इलाज के लिए दिव्यांग ने लगाई गुहार, 140 आवेदनों पर हुई जनसुनवाई

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के विभिन्न स्थानों से मंगलवार को विभिन्न आवेदक अपनी समस्या लेकर कार्यालय कलेक्ट्रेड पहुँचे। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में सीईओ जिपं श्री अभिषेक सराफ एवं एडीएम जीएस धुर्वे की उपस्थिति में संयुक्त रूप से जनसुनवाई हुई। इस दौरान शहर के प्रेमनगर स्थित वार्ड क्रमांक 26 से आये आवेदक अनुराग कुमार गोधे ने बताया कि वार्ड नं 26 के ही नागरिक द्वारा नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत बहने वाले नाले के ऊपर अवैध रूप से पक्का निर्माण कर अतिक्रमण किया गया है। साथ ही नाले के ऊपर पक्की फ्लोरिंग कर एक मंजिला भवन का निर्माण कर लिया है। कलेक्टर श्री मीना ने सीएमओ श्री बीडी कतरोलिया को मामले की जाँच कर उचित कार्यवाही निर्धारित करने के निर्देश दिए है। इसी तरह किरनापुर की सकून बाई नागेश्वर ने बताया कि किरनापुर अंतर्गत ग्राम माटे में 522/2 रकबा में 1.33 डिसमिल जमीन है, वर्तमान में कब्जे में केवल 70 डिसमिल जमीन है। सकून बाई ने बताया कि 522/1 की 47 डिसमिल जमीन के लिए सीमांकन किया गया है, किंतु अब तक कोई कार्यवाही निर्धारित नही की गई है। कलेक्टर श्री मीना ने एसडीएम किरनापुर को स्थल निरीक्षण कर व्यवस्थित जांच करे और दोषी पर कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। जनसुनवाई में 140 आवेदन प्राप्त हुए।

तहसीलदार नक्शा सुधार के मामलें की तत्परता से जाँच करें

जनसुनवाई में खैरलांजी अंतर्गत ग्राम डोंगरिया से आये आवेदक दीपक राहंगडाले ने बताया कि पिता की मृत्यु के बाद जमीन फौती नामांतरण से दीपक के नाम कर दी गई है। किंतु पड़ोसी कृषक द्वारा आपत्ति लगाने के बाद जांच दल गठित कर मामले की जाँच के निर्देश दिए गए थे, किंतु अब तक उस पर कोई कार्यवाही नही की गई है। कलेक्टर श्री मीना ने एसडीएम वारासिवनी श्री आरआर पांडे को मामले की उचित जाँच कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए है।

कालीमाटी मार्ग में फेंके जा रहे कचरे का उचित निराकरण करेंगे सीएमओ लांजी

जनसुनवाई में तहसील लांजी अंतर्गत ग्राम कालीमाटी द्वारा समस्त ग्रामीणजनों की ओर से शिकायत प्रस्तुत की गई कि नगर परिषद द्वारा लांजी से रिसेवाड़ा मुख्य मार्ग कालीमाटी एवं नीमटोला के बीच जो कूड़ा कचरा फेंका जाता है। उसका शीघ्रता से निराकरण कराया जाए। कलेक्टर श्री मीना ने सीएमओ लांजी को विशेष रूप से इस पर ध्यानाकर्षण कर कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए कहा है। चूँकि यह रोड़ लांजी से छत्तीसगढ़ को जोड़ती है। वहीं इसके अलावा ग्रामीणों को इससे हो रही परेशानियां आज तक ही नही बल्कि अलग-अलग तरह की बीमारियों का भी शिकार बना सकती है। इसलिए इसका शीघ्रता से निराकरण करना सुनिश्चित करना होगा।

दिव्यांग की आँखों के इलाज के लिए एसडीएम व सीएमएचओ लेंगे उचित निर्णय

जनसुनवाई में नगर के वार्ड नं 3 से आये दिव्यांग ने अपनी आंखों के ईलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाई। दिव्यांग जहर अहमद ने बताया कि वह पहले ऑटो चलाता था किंतु उसे पिछले 4-5 वर्षों से दोनों ही आंखों से दिखाई नही दे रहा है। उपचार के कारण परिवार की आर्थिक स्थिति दिनों दिन खराब होती जा रही है। कलेक्टर श्री मीना ने एसडीएम और सीएमएचओ को इस पर उचित निर्णय लेकर कार्यवाही निर्धारित करने के लिए कहा है।

कक्षा 10वीं कक्षा 12वीं की पुनः परीक्षा शुरू

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल द्वारा मंगलवार 17 जून से बोर्ड परीक्षा का द्वितीय चरण शुरू किया गया।जहां आयोजित इस परीक्षा में कक्षा दसवीं और कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों में उपस्थित होकर हिंदी विषय का पर्चा हल किया। जिले में इस परीक्षा को संपन्न करने के लिए 21 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे।जिसमें कक्षा दसवीं में दर्ज 980 विद्यार्थियों में से 513 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।जबकि पहले दिन विभिन्न परीक्षा केंद्रों से 467 अनुपस्थित रहे।इसी तरह कक्षा 12वीं में कुल दर्ज 1054 विद्यार्थियों में से 829 विद्यार्थियों ने हिंदी विषय का प्रश्न पत्र हल किया जबकि विभिन्न परीक्षा केंद्रों से 225 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे।इस तरह कक्षा 10 वी कक्षा 12 वी के कुल दर्ज 2034 विद्यार्थियों में से 1342 विद्यार्थियों ने परीक्षा दी।तो वही 692 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। वही किसी भी परीक्षा केंद्रों में नकल प्रकरण नहीं बना।

10 वी 26 जून ,तो 12वी की 5 जुलाई तक चलेगी परीक्षा

आपको बताए कि इस वर्ष बोर्ड परीक्षा साल में दो बार हो रही है। जिसके द्वितीय चरण में कक्षा 10वीं की परीक्षा 17 जून से 26 जून तक चलेगी तो वही कक्षा 12वीं की 17 जून से 5 जुलाई तक परीक्षा आयोजित की जाएगी।जहा बोर्ड की द्वितीय परीक्षा के लिए बनाए गए शा. आदर्श बहु. उ.मा. विद्यालय बालाघाट, शा.एम.एल.बी, कन्या हा.से. स्कूल बालाघाट, शा. टिहलीबाई हा.से. स्कूल वारासिवनी, शा.के.एन. कन्या हा.से. स्कूल वारासिवनी, शा. बालक हा.से. स्कूल कटंगी, शा. बालक हा.से. स्कूल बैहर, शा. माडल बालक हा.से. स्कूल लांजी, शा. कन्या हा.से. स्कूल लांजी, शा. बालक हा.से. स्कूल लालबर्रा, शा. बालक हा.से. स्कूल किरनापुर, शा. कन्या हा.से. स्कूल किरनापुर, शा. हा.से. स्कूल परसवाड़ा, शा.हा.से. बिरसा, शा. बालक हा.से. खैरलांजी, शा. कन्या हा.से. स्कूल खैरलांजी, शा. कन्या हा.से. स्कूल अमोली, शा. वीरांगना रानी दुर्गावती उ.मा.वि. बालाघाट, विवेक ज्योति हा.से. स्कूल बालाघाट, दादाबाड़ी जैन हा.से. स्कूल बालाघाट और सरस्वती उ.मा. वि. लांजी ऐसे 21 केन्द्रो में 17 जून मंगलवार को परीक्षा का आयोजन किया गया था।

ऑनलाइन रिकार्ड में बना दिया आदिवासियों का पीएम आवास

पीएम आवास की आई राशि को स्वयं के खाते में डालकर की गई हेरा फेरी, ग्रामीण आदिवासियों ने रोजगार सहायक पर कार्यवाही की करी मांग , कलेक्ट्रेट में सौपा ज्ञापन, पीएम आवास का मकान दिए जाने की लगाई गुहार

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़)। जिले में ऐसे कई हितग्राही है जो प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलने की राह देख रहे हैं। लेकिन लाख जतन के बावजूद भी उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है।तो वहीं अब हितग्राहियों की आईडी व बैंक खाते में छेड़छाड़ कर हितग्राहियों को इस योजना के लाभ से वंचित करने का एक मामला सामने आया है। ताजा मामला जनपद पंचायत बिरसा के अंतर्गत आने वाले ग्राम गोवारी का है।जहां के आदिवासी ग्रामीणों ने आईडी व बैंक खाते से छेड़छाड़ कर हितग्राहियों के नाम का पीएम आवास किसी अन्य व्यक्तियों को दिए जाने और बैंक खाते में छेड़छाड़ कर स्वयं व उनके रिश्तेदार के खाते में पीएम आवास की राशि भेजने का रोजगार सहायक पर आरोप लगाया है ।उक्त मामले को लेकर आदिवासी ग्रामीणों मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजीत जनसुनवाई में एक ज्ञापन भी सौपा है।जिसमें उन्होंने सर्वे में नाम, मकान की स्वीकृति, आईडी नंबर जनरेट होने के रिकॉर्ड व बैंक खाते में छेड़छाड़ कर गांव के 2 आदिवासी सहित अन्य व्यक्तियों को ऑनलाइन कागज पर पीएम आवास योजना के मकान बनाकर देने का आरोप लगाते हुए उक्त मामले की जांच कर सम्बधितों पर वैधानिक कार्यवाही किए जाने की मांग की है।

हमारा मकान बना भी नही, और ऑनलाइन दिखा रहा पक्का मकान

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ग्राम पंचायत गोवारी के आदिवासी ग्रामीण अनतराम मेंरावी और हरिराम धुर्वे सहित अन्य ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2011 के सर्वे में उनका नाम प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का मकान बनाने के लिए आया था। कुछ वर्ष पूर्व हमारे नाम से मकान बनाने के लिए आईडी भी जनरेट की गई थी।लेकिन आज तक हमारा पीएम आवास योजना के तहत मकान नहीं बना है। जब इसकी जांच जनपद पंचायत जाकर की गई तो सरकारी रिकॉर्ड में ऑनलाइन हमारा पक्का मकान दिख रहा है जबकि यथार्थ में हमारा पक्का मकान बना ही नहीं है। जब हमने पता किया तो जानकारी मिली कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हमारे नाम से आई हुई राशि किसी और के बैंक खाते में गई है जब उसका पता लगाया गया तो जानकारी मिली कि रोजगार सहायक के बैंक खाते में और रोजगार सहायक के बड़े पिताजी के बैंक खाते में पीएम आवास योजना की राशि ट्रांसफर की गई है।वही ऑनलाइन रिकॉर्ड में हमारा पक्का मकान बनाकर तैयार होना दर्शाया गया है।जबकि आज तक हमारा मकान नहीं बना है ।रोजगार सहायक द्वारा हमारी आईडी व बैंक खाते में छेड़छाड़ की गई है जिसके चलते हमें योजना से वंचित कर दिया गया है। केवल हम ही नहीं बल्कि गांव के अन्य लोग भी हैं जिनके साथ ऐसा ही हुआ है।इसीलिए आज हम कलेक्टर कार्यालय आए हैं।हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हमें पक्का मकान बनाकर दिया जाए ,इसके अलावा हमारी आईडी और बैंक खातों के साथ छेड़छाड़ कर धोखाधड़ी करने वाले इस मामले की जांच कर संबंधितों पर वैधानिक कार्यवाही की जाए।

5 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में आरोपी फागु को आजीवन कारावास-50 हजार रुपये अर्थदंड

अपर एवं जिला सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह गुर्जर की अदालत का फैसला, मासूम बच्ची का आरोपी रिश्ते में लगता है मामा

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । विद्वान अपर एवं जिला सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह गुर्जर की बैहर की अदालत ने एक 5 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म करने के आरोप में एक आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह आरोपी फागु उर्फ फागेश्वर पिता तेजलाल उर्फ तेजिया राउत 26 वर्ष ग्राम करमसरा थाना मलाजखंड निवासी है। विद्वान अदालत ने इस आरोपी को आजीवन कारावास के अलावा 50 हजार रुपये अर्थदंड से भी दंडित किए हैं। यह आरोपी इस 5 वर्षीय मासूम बच्ची का रिश्ते में मामा लगता है । जो गिरफ्तारी के बाद अभी तक जेल में है।इस मामले में अभियोजन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक सहायक जिला अभियोजन अधिकारी विमल सिंह द्वारा की गई थी। अभियोजन के अनुसार यह घटना 2 फरवरी 2020 की शाम 6:00 की है। घटना के दौरान इस मासूम बच्ची की मां खेत से काम करके घर वापस आई थी। तब बच्ची ने उसे भूख लगने के सम्बंध में बोली। तब इस बच्ची को उसकी मां ने 5 रुपये देकर बिस्किट खरीदने के लिए दुकान भेजी थी। इसी समय इस महिला का रिश्ते का भाई फागु राउत उसके घर आया था ।जिसे महिला ने बैठने के लिए बोली और वह चूल्हे की राख निकालने के लिए टोकना लेने कोठे तरफ गई थी। तभी इस महिला ने कोठे में देखी कि उसके रिश्ते का भाई फागु राउत उसकी बच्ची के साथ दुष्कर्म कर रहा था। देखे जाने के बाद फागु राउत वहा से भागने की कोशिश करने लगा। जिसे इस महिला ने पकड़ कर चांटा मारी। जिसके बाद फागु राउत वहा से भाग गया। इस महिला के चिल्लाने पर उसका पति भाई और गांव के अन्य लोग भी आ गए थे। तब इस मासूम बच्ची ने रोते हुए बताई की बिस्किट लेने जाते समय फागु उसे मुंह को दबाकर कोठे में लेकर गया था। जिसके बाद इस मासूम बच्ची को लेकर उसकी मां रिपोर्ट करने मलाजखंड पुलिस थाना पहुँची । मलाजखंड थाने में इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर फागु उर्फ फागेश्वर राऊत पिता तेजलाल उर्फ तेजिया राऊत 26 वर्ष ग्राम करमसरा निवासी के विरुद्ध धारा 376 ए बी, धारा 5एम/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत अपराध दर्ज कर इस अपराध में आरोपी फागु उर्फ फागेश्वर राउत को गिरफ्तार किया गया और विवेचना उपरांत विद्वान अदालत में अभियोग पत्र पेश किया गया था। हाल ही में यह मामला अपर एवं जिला सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र सिंह गुर्जर की अदालत में चला। विद्वान अदालत ने विचारण के दौरान अभियोजन की ओर से पेश किए गए साक्ष्य, डीएनए रिपोर्ट, और तर्कों से सहमत होते हुए अपने विवेचन निष्कर्ष और उपलब्ध साक्ष्य के आधार पर तथा मामले की समस्त परिस्थितियों को देखते हुए आरोपी फागु उर्फ फागेश्वर राउत को धारा 376ए बी भादवि और धारा 5एल/6 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध में दोषी पाते हुए उसे आजीवन कारावास और 50हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये।

कृषि विभाग का एक्शन

असली के नाम पर नकली धान बीज बेचने वालों पर शुरू हुई कार्यवाही

कृषि विभाग टीम ने कटंगी के परिहार कृषि केंद्र में मारा छापा, 54 किलो मिस ब्रांडिंग धान जप्त कर बनाया पंचनामा , विक्रेता के बयान दर्ज कर मामले की शुरू की जांच

बालाघाट (पद्मेश न्यूज़) ।खरीफ सीजन में असली के नाम पर नकली धान बीज मिलने की शिकायत पर तत्काल एक्शन लेते हुए कृषि विभाग की टीम ने कटंगी में सोमवार की रात बड़ी कार्यवाही की है। जहां जिला मुख्यालय से कटंगी पहुंची इस टीम ने कटंगी के परिहार कृषि केंद्र में छापामार कार्यवाही करते हुए वहां कावेरी सीड्स 468 नामक कंपनी के नाम से मिस ब्रांडिंग कर बेचे जा रहे नकली धान बीज के 54 पैकेट जप्त किए हैं। बताया जा रहा है कि प्रत्येक पैकेट में 1 किलो धान बीज के हिसाब से कुल 54 पैकेट में 54 किलो मिस ब्रांडिंग धान बीज जप्त किया गया है।वही इस टीम में शामिल अधिकारियों ने परिहार कृषि केंद्र कटंगी से नकली बीज पैकेट को जप्त कर सील करने की कार्यवाही की। तो वही पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की है।इसके अलावा विक्रेता और कंपनी पदाधिकारी के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार्यवाही के लिए जिला मुख्यालय से भेजी गई थी टीम

आपको बताएं कि कावेरी कंपनी सेल्स फील्ड ऑफिसर को पिछले 2-3 दिनों से शिकायत मिल रही थी कि कटंगी मार्केट में कावेरी सीड्स 468 वैरायटी के नाम से डुप्लीकेट बीज का धान बिक रहा है। जिस पर सोमवार को सेल्स फील्ड ऑफिसर शिवायु पटेल ने 4ब्लॉक क्षेत्र के एमडीओ को साथ लेकर कटंगी में मामले की छानबीन की थी। जहां पर बस स्टैंड के पास एक किसान कावेरी सीड्स 468 बीज की धान खरीद कर ले जाता हुआ दिखाई दिया। जिसे रोककर पूछताछ करने पर उसने कटंगी मार्केट से उक्त धान बीज खरीदना बताया। जब धान के पैकेट को देखा गया तो वहां डुप्लीकेट माल था।जिसे कंपनी पदाधिकारियो ने अपने साथ रख लिया और ओरिजिनल माल को लेकर सीधे जिला कृषि कार्यालय बालाघाट पहुंचे और इस पूरे मामले की शिकायत कर दी। जहां कंपनी पदाधिकारी से मिली शिकायत पर जिला कृषि विभाग अधिकारियों ने त्वरित एक्शन लेते हुए बालाघाट मुख्यालय से मामले में कार्यवाही के लिए एक टीम कटंगी रवाना की थी। जहां इस टीम ने कटंगी के परिहार कृषि केंद्र पर छापामार कार्रवाई करते हुए कंपनी के नाम से मिस ब्रांडिंग कर बेचे जा रहे 54 धान बीज के पैकेट को जप्त कर पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की है। वही इस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

पचामा दादर पुलिस नक्सली मुठभेड़

नक्सली संगठन जी बी आर डिवीजन के एक दर्जन से अधिक महिला पुरूष नक्सलियों के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । जिले के रूपझर थाना क्षेत्र में आने वाले पचामादादर के कटेझिरिया पहाड़ी जंगल में पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ के मामले में रूपझर पुलिस थाना में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के जी आर बी डिवीजन के एक दर्जन से अधिक सक्रिय नक्सलियों के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया है। यह मुठभेड़ 14 जून को दिन में कटेझिरिया पहाड़ी के जंगल में हुई थी।पुलिस और नक्सलियों के बीच हुई इस मुठभेड़ में मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र राज्य में सक्रिय जी बी आर डिवीजन के56 लाख रुपये के इनामी तीन महिला सहित चार हाईकोर नक्सली मारे गये थे। इन नक्सलियों के विरुद्ध एक राय होकर जंगल में कैंप बनाकर रहकर तथा सर्चिंग के दौरान पुलिस बल को मारने के उद्देश्य से लगातार फायरिंग कर नुकसान भी पहुंचाने का आरोप है। इस मामले में रूपझर पुलिस थाने में सहायक उप निरीक्षक मुनेंद्र सिंह भदोरिया हाकफोर्स कैम्प बैहर की ओर से की गई रिपोर्ट पर प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के गरीबी डिवीजन के सक्रिय नक्सली डी व्ही सी एम विकास उर्फ अनिल नगपुरे, कमांडर प्रेम उर्फ प्रवीण,डी व्ही सी एम दीपक, डी व्ही सी एम देवचंद उर्फ नरेश उर्फ चंदू,रवि, रोहित उर्फ मंगलू, तुलसी उर्फ विमल उर्फ ईमला, सुमन, रीता उर्फ तुब्बी, संतु उर्फ तीजुराम, राम सिंह उर्फ संपत सहित अन्य सक्रिय माओवादी के विरुद्ध धारा 191(2),191(3),190,109 भारतीय न्याय संहिता 2023 धारा 25,27 आर्म्स एक्ट 1959, धारा 13(1)क,13(1)ख,10,16,18,20,23 विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1967 एवं धारा 3,4 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1908 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

किडनी की बीमारी से परेशान व्यक्ति ने खाया कीटनाशक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम किन्ही के चतुर टोला में इसी ग्राम के व्यक्ति नंदलाल पिता चमन लाल उइके 55 वर्ष ने किडनी की बीमारी से परेशान होकर कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया ।इस व्यक्ति को उपचार हेतु जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नन्दलाल उइके तीन भाई है और तीनों भाई अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहते हैं और खेती किसानी करते हैं। नंदलाल उइके किडनी की बीमारी से परेशान रहता था।15 दिन से उसकी तबीयत खराब चल रही थी। 16 जून को नंदलाल उइके को उसके परिवार वालों ने गोंदिया से इलाज करवा कर घर लाए थे। रात्रि में 8= बजे नंदलाल ने परिवार के साथ खाना खाया और सो गए थे। तभी नंदलाल ने घर में रखी कीटनाशक 505 का सेवन कर लिया और घर वालों को बताया। इसके बाद नंदलाल को उसके भाई छोटे भाई गेंदलाल उइके ने प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किये।

कक्षा 10 वीं और 12 वीं की द्वितीय चरण की परीक्षा हुई शुरू

दो परीक्षा केन्द्रों में कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं के 95 विद्यार्थियों ने हिन्दी विषय का किया पर्चा हल, 76 विद्यार्थी रहे अनुपस्थित

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)।माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के निर्देशानुसार 17 जून से कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की द्वितीय चरण (पूरक) परीक्षा हिन्दी विषय के प्रश्नपत्र के साथ प्रारंभ हो गई है। लालबर्रा विकासखण्ड में कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की द्वितीय चरण की परीक्षा के लिए नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी उमावि. लालबर्रा एवं शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अमोली को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।इन दोनों परीक्षा केन्द्रों में प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक कक्षा 10 वीं में 45 एवं कक्षा 12 वीं में 50 विद्यार्थियों ने हिन्दी विषय का पर्चा शांतिपूर्ण तरीके से हल किये एवं 76 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे और किसी प्रकार का नकल प्रकरण नही बना है। इस तरह से नगर मुख्यालय स्थित सांदीपनी उमावि. लालबर्रा में कक्षा 10 वीं में कुल 65 में से 35 विद्यार्थी उपस्थित रहे, 30 अनुपस्थित रहे। वहीं कक्षा 12 वीं में कुल 38 विद्यार्थी में से 29 उपस्थित, 9 अनुपस्थित रहे। साथ ही नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली स्थित शासकीय कन्या उमावि. अमोली परीक्षा केन्द्र में कक्षा 10 वीं में 10 विद्यार्थी उपस्थित, 29 अनुपस्थित रहे। कक्षा 12 वीं में 21 विद्यार्थी उपस्थित, 8 अनुपस्थित रहे और दोनों कक्षाओं के विद्यार्थियों ने हिन्दी विषय का प्रश्नपत्र शांतिपूर्वक तरीके से हल किये। वहीं सांदीपनी उमावि. लालबर्रा परीक्षा केन्द्र का तहसीलदार कन्हैयालाल टेकाम के द्वारा निरीक्षण किया गया। जिनके द्वारा पर्यवेक्षकों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए बोर्ड के नियमानुसार परीक्षा संपन्न करवाने की बात कही। इस तरह से 17 जून से कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं द्वितीय चरण की परीक्षा शुरू हो चुकी है और यह परीक्षा आगामी 5 जुलाई को संपन्न होगी। वहीं परीक्षा संपन्न होने के बाद उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर परीक्षा परिणाम घोषित किया जायेगा।

अंग्रेजी विषय का पेपर 19 को, 5 जुलाई को संपन्न होगी परीक्षा

आपकों बता दें कि फरवरी-मार्च 2025 में कक्षा 10 वीं, 12 वीं की बोर्ड परीक्षा आयोजित की गई थी, जिसके बाद वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया था। जिसमें कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं में एक या दो विषय में अनुत्तीर्ण हुए छात्र-छात्राओं को पूरक आई थी। जिन्हे उत्तीर्ण होने के लिए शिक्षा विभाग के द्वारा एक अवसर प्रदान किया गया है जिनके लिए द्वितीय चरण (पुरक) परीक्षा आयोजित की जा रही है जो प्रारंभ हो चुकी है। 17 जून को कक्षा 10 वीं, 12 वीं की हिन्दी विषय के प्रश्नपत्र के साथ द्वितीय चरण परीक्षा शुरू हो चुकी है, जो आगामी 5 जुलाई तक चलेगी। नगर मुख्यालय के सांदीपनी उमावि. लालबर्रा में 17 जून को कक्षा 10 वीं के 35 एवं कक्षा 12 वीं के 29 विद्यार्थियों ने हिन्दी विषय का प्रथम प्रश्नपत्र का पर्चा हल किये है और 39 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे एवं 19 जून को कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं का अंग्रेजी विषय का पेपर है। चर्चा में सांदीपनी शास. उमावि. लालबर्रा के केन्द्राध्यक्ष प्रवीणकुमार मालाधारे ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल के निर्देशानुसार 17 जून से कक्षा 10 वीं, 12 वीं की द्वितीय चरण (पूरक) परीक्षा प्रारंभ हो चुकी है। जिसमें प्रथम दिन कक्षा 10 वीं के 35 विद्यार्थी, कक्षा 12 वीं के 29 विद्यार्थियों ने हिन्दी विषय का प्रथम प्रश्नपत्र हल किये एवं 39 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। किसी प्रकार का नकल प्रकरण नही बना है और शांतिपूर्वक परीक्षा प्रात: 9 बजे से 12 बजे तक ली जा रही है। साथ ही यह भी बताया कि कक्षा 10 वीं का 19 जून को अंग्रेजी, 21 जून को गणित, 23 जून को विज्ञान, 25 जून को संस्कृत, 26 जून को सामाजिक विज्ञान, कक्षा 12 वीं का 19 जून को अंग्रेजी, 21 को गणित, 23 जून को भौतिक शास्त्र, अर्थशास्त्र, एनिम हस्बैण्डरी मिल्क ट्रेड पोल्ट्रीफार्मिंग एंड फिशरीज, 25 जून को रसायन शास्त्र, इतिहास, व्यवसाय अध्ययन, 26 जून को राजनीति शास्त्र, 27 जून को बायलॉजी, 28 जून को कृषि, होम साइंस, 1 जुलाई को समाज शास्त्र, 2 जुलाई को भूगोल, 5 जुलाई को संस्कृत विषय के पेपर साथ बोर्ड कक्षाओं की द्वितीय चरण परीक्षा संपन्न हो जायेगी। जिसके बाद उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर परीक्षा परिणाम घोषित किया जायेगा।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन के पदाधिकारियों ने थाना प्रभारी से की मुलाकात

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। भीम आर्मी भारत एकता मिशन लालबर्रा के पदाधिकारी मंगलवार को थाना पहुंचकर थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी से मुलाकात कर उन्हे गुलदस्ते देकर सम्मान किया। साथ ही भीम आर्मी भारत एकता मिशन के द्वारा किस तरह से हर वर्ग के हित में काम किया जाता है उसके बारे में जानकारी देकर सहयोग करने की अपील की। चर्चा में भीम आर्मी भारत एकता मिशन के उपाध्यक्ष सत्यशील मेश्राम ने बताया कि आज तहसील भीम आर्मी भारत एकता मिशन लालबर्रा के सभी पदाधिकारी व सदस्यों ने थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी से मुलाकात कर उन्हे गुलदस्ते एवं मिठाई खिलाकर उनका स्वागत व सम्मान किया है। इस दौरान भीम आर्मी भारत एकता मिशन के तहसील अध्यक्ष संजीव राव ने थाना प्रभारी से कहा कि तहसील के किसी भी शहर, गांव में, किसी भी धर्म, जाति, संप्रदाय से जुड़े व्यक्ति से किसी भी प्रकार का अन्याय, अपराध होता है तो उसे बर्दास्त नहीं किया जायेगा और शासन, प्रशासन निष्पक्ष जांच कर कानूनन कार्यवाही करे ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे। भीम आर्मी भारत एकता मिशन तहसील अध्यक्ष संजीव राव ने बताया कि भीम आर्मी भारत एकता मिशन संगठन का गत दिवस नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया है। जिसके बाद आज सभी पदाधिकारी थाना पहुंचकर थाना प्रभारी से मुलाकात कर संगठन के बारे में उन्हे बताया गया है। साथ ही यह भी बताया कि पुलिस प्रशासन से मांग है कि ऐसे लोग जिनके साथ अन्याय होता है, दुर्व्यवहार होता है अत्याचार किया जाता है। उनकी फरियाद को प्राथमिकता से सुनकर दोषियों के विरूध्द दण्डात्मक कार्यवाही करें। इस दौरान हमारी आवश्यकता पड़ती है तो हमें सूचित करें, हम पुलिस प्रशासन के सहयोग करने के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे जिससे पीड़ितों को न्याय मिल सके। इस अवसर पर भीम आर्मी भारत एकता मिशन के कार्यकारी अध्यक्ष विजय कांगड़े, महासचिव ईमरान खान, उपाध्यक्ष अशरफ़ खान, सत्यशील मेश्राम, सचिव आई.आर. खान, कोषाध्यक्ष सोहेब कुरैशी, नंदनी गजभिये, मो. शफीक खान, जितेन्द्र हुमनेकर, मोहसिन खान, विशाल वैद्य, शाहिल मेश्राम, जीवक चौरे, सरफराज कुरैशी, दानिश खान, अहतेशाम, अमन अंसारी, राजेन्द्र मेश्राम, अभय मेश्राम, कलीम खान, जुबेर खान सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।

सत्यनारायण श्रीवास के जिला अध्यक्ष बनने से समाज को मिलेगी नई ऊर्जा - भेजन

सेन (नाई) समाज जिला संगठन की बैठक संपन्न, सेन समाज के जिलाध्यक्ष बने सत्यनारायण श्रीवास, हर्ष व्याप्त

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जिला मुख्यालय में गत दिवस सेन (नाई) समाज की जिला स्तरीय बैठक संपन्न हुई। जिसमें सामाजिक गतिविधियों को आगे बढाने के लिए संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर सर्वसम्मति से जाम निवासी पूर्व ब्लाक अध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास को सेन (नाई) समाज का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। चर्चा में सेन (नाई) समाज लालबर्रा अध्यक्ष भेजनलाल सर्राठे ने बताया कि गत दिवस जिला मुख्यालय में सेन (नई) समाज की जिला स्तरीय बैठक शिल्पी बोर्ड अध्यक्ष नंदकिशोर वर्मा की प्रमुख उपस्थिति में संपन्न हुई है। जिसमें संगठन की नई कार्यकारिणी का गठन करने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई। जिसमें लालबर्रा सेन (नाई) समाज के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास को सर्वसम्मति से सेन (नई) समाज का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जिससे क्षेत्र में हर्ष की लहर व्याप्त है। साथ ही यह भी बताया कि सत्यनारायण श्रीवास के सेन (नाई) समाज के जिला अध्यक्ष बनने से समाज को नई ऊर्जा, नई दिशा मिलेगी और क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेगें। जिनके मार्गदर्शन में हमारा समाज नई दिशा की ओर अग्रसर होगा एवं हमें उनका मार्गदर्शन मिलते रहेगा।

अमोली में विधिक जागरूकता शिविर का हुआ आयोजन

पंचायत परिसर में पौधारोपण कर उसकी सुरक्षा करने का लिया संकल्प

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली में तहसील विधिक सेवा समिति वारासिवनी के तत्वाधान में 17 जून को विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर कार्यक्रम न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी वारासिवनी सुश्री नेहा बाथरी की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणजनों को विधिक जागरूकता शिविर का अर्थ, कानून व उनके अधिकार एवं कानूनी जागरूकता शिविर आयोजन करने के उद्देश्य के बारे में बताया गया। साथ ही कानूनी जानकारियां भी दी गई। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी वारासिवनी सुश्री नेहा बाथरी ने बताया कि मंगलवार को अमोली पंचायत में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया और ग्रामीणजनों को विधिक जागरूकता शिविर के उद्देश्य सहित अन्य कानून एवं उनके अधिकारियों के बारे में बताया गया है। साथ ही यह भी बताया कि इस शिविर के माध्यम से लोगों को कानूनी अधिकारों के बारे में शिक्षित करना है और लोगों को कानून से संबंधित सामान्य बातों से परिचय करवाकर उनका सशक्तिकरण बढ़ाना है। आयोजित शिविर में उपस्थितजनों को नालसा हेल्पलाईन 15100, नि:शुल्क कानूनी सहायता, बाल श्रम रोकथाम संबंधी कानून, महिलाओं से संबंधित कानून, घरेलु हिंसा अधिनियम आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई है ताकि वे अपने हक व अधिकारों की लड़ाई लड़ सके। वहीं विधिक जागरूकता शिविर संपन्न होने के बाद पंचायत परिसर में आम के पौधों का रोपण भी किया गया। इस अवसर पर अमोली सरपंच श्रीमती सुखवन समनपुरे, उपसरपंच अफसर कुरैशी, सचिव राजेश मेश्राम सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

आलोक संघ ब्लॉक लालबर्रा की बैठक संपन्न

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा निवासी आलोक संघ के पूर्व ब्लाक अध्यक्ष प्रकाश नगपुरे के निवास में गत दिवस अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध अधिकारी कर्मचारी संघ (आलोक) ब्लॉक लालबर्रा की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। आयोजित बैठक में सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया, साथ ही नवनियुक्त अधिकारी-कर्मचारी एवं जो अधिकारी-कर्मचारी आज दिनांक तक आलोक संघ के सदस्य नहीं बने हैं। ऐसे कर्मचारी से 100 रूपये जमा कर आलोक संघ की सदस्यता ले सकते हैं सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा कर आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। चर्चा में अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध अधिकारी कर्मचारी संघ (आलोक) जिला संयोजक दिलीपकुमार लिल्हारे ने बताया कि अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध अधिकारी कर्मचारी संघ (आलोक) लालबर्रा की बैठक गत दिवस संपन्न हुई। जिसमें विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर नवनियुक्त अधिकारी-कर्मचारी सदस्यता नही लिये है उन्हे सदस्यता दिलवाने पदाधिकारियों से कहा गया है। साथ ही यह भी बताया कि ब्लॉक लालबर्रा के 4 सेक्टर बनाये गये हैं जिसमें पहला लालबर्रा सेक्टर, दूसरा जाम सेक्टर, तीसरा मोहगांव सेक्टर एवं चौथा कनकी सेक्टर। इस तरह से 4 सेक्टर में विभाजित किया गया है ताकि आलोक संघ के पदाधिकारी अपने-अपने सेक्टर में नव नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी को चिन्हित कर आलोक संघ की सदस्यता दिलवाकर अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध अधिकारी कर्मचारी संघ से अधिक से अधिक जुड सके। श्री लिल्हारे ने बताया कि आठवां प्रतिभा सम्मान समारोह कार्यक्रम 22 जून को भोपाल में उपस्थित होने पर भी चर्चा की गई एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को संपन्न करवाने के लिए सहयोग राशि प्रदान करने पर भी विचार विमर्श किया गया। साथ ही सदस्यता नवीनीकरण करने के प्रस्ताव पर भी निर्णय लिया गया। इस अवसर पर हितेंद्र दमाहे अखिल भारतीय लोधी लोधा लोध अधिकारी कर्मचारी संघ (आलोक) लालबर्रा अध्यक्ष, दिलीप कुमार लिल्हारे संयोजक जिला बालाघाट, नंदकिशोर दशरिये उपाध्यक्ष, कीर्ति नगपुरे उपाध्यक्ष, शंकरलाल बनोटे कोषाध्यक्ष, प्रकाश नगपूरे पूर्व अध्यक्ष, हिसबलाल दशरिये, संतोष लिल्हारे, उषा बनोटे अध्यक्ष महिला फाऊंडेशन, बीबन बघेले कार्यकारिणी सदस्य, द्रौपदी नगपुरे, मत्तम नगपुरे, सुरेश दशरिये सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण उपस्थित रहे।

ठंडे पानी की तीन मशीनों का शुभारंभ आज

तीन स्थानों पर लगाई गई है सार्वजनिक ठंडे पानी की मशीन

लालबर्रा(पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी पंचायत क्षेत्र के तीन स्थानों पर 18 जून को दोपहर 3 बजे ठंडे पानी की तीन मशीनों का शुभारंभ विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य में किया जायेगा। पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि नगर मुख्यालय के लालबर्रा बस स्टैण्ड में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे द्वारा विधायक निधि से, मो. इंकबाल सॉ मिल के सामने स्व. मो. इकबाल खान व स्व. मो. अकील खान की स्मृति में अनीस खान सरपंच पांढरवानी के सौजन्य एवं चांदनी चौक बाजार में स्व. कमला देवी व स्व. सेठ गोकुलचंद भंसाली की स्मृति में श्री शांतिलाल भंसाली जी (लोकतंत्र सेनानी) के सौजन्य से ठंडे पानी की मशीन प्रदान की गई है, जिसका 18 जून को दोपहर 3 बजे शुभारंभ किया जायेगा। यह कार्यक्रम बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के मुख्य आतिथ्य, शांतिलाल भंसाली (समाजसेवी, लोकतंत्र सेनानी) की अध्यक्षता, श्रीमती मुनिजा इंकबाल खान (लालबर्रा) के प्रमुख आतिथ्य एवं सोहन वैद्य समाजसेवी बालाघाट, अभय सेठिया समाजसेवी बालाघाट, अजय लूनिया समाजसेवी बालाघाट, निर्मल कल्लू सोनी(विधायक प्रतिनिधि), अनिल बब्बी शर्मा समाजसेवी, शैलेष केकती (विधायक प्रतिनिधि), मंजय भंसाली, समाजसेवी, नितिन साखला के विशिष्ट आतिथ्य में प्रारंभ होगा। श्री खान ने बताया कि विगत दिनों से ठंड़े पानी की मशीन नही होने के कारण लोगों को ठंडा पानी नही मिलने से पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा था। जिसे ध्यान में रखते हुए विधायक महोदया एवं समाजसेवियों के द्वारा जनहित में लालबर्रा मुख्यालय में तीन स्थानों पर तीन ठंडे पानी की मशीन प्रदान की गई है, जिसका शुभारंभ 18 जून को दोपहर 3 बजे किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि तीन ठंडे पानी की मशीन का शुभारंभ हो जाने से अब लोगों को आसानी से ठंडा पानी पीने के लिए मिल जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सरपंच अनीस खान ने की है।

पांढरवानी पंचायत में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना शिविर आज

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा में 18 जून को प्रात: 11 बजे से प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत शिविर का आयोजन किया गया है। चर्चा में ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा सरपंच अनीस खान ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन व विद्युत विभाग के पत्रानुसार ग्राम पंचायत कार्यालय पांढरवानी-लालबर्रा में मुफ्त पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का शिविर 18 जून को प्रात: 11 बजे से आयोजित किया गया है। जिसमें विद्युत विभाग के अधिकारियों के द्वारा इस योजना की सम्पूर्ण जानकारी दी जायेगी। साथ ही सोलर लाईट व अन्य विद्युत संबंधी कार्य भी शिविर में होगें और यह शिविर कार्यक्रम क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे सहित क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारी, कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रारंभ होगी। इस अवसर पर आम जनता से शिविर में पहुंचकर पी एम सूर्य मुफ्त बिजली योजना का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील सरपंच अनीस खान ने की है।

कोस्ते से आमाटोला मार्ग अधूरा राहगीर परेशान

मार्ग की जर्जर अवस्था बन रही दुर्घटनाओं का कारण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कोस्ते से आमाटोला मार्ग अधूरा निर्माण पड़ा हुआ है। मार्ग पर से आवागमन कर रहे लोगों को मार्ग की जर्जर अवस्था के कारण कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है तो वहीं दुर्घटना होने की संभावना भी बनी हुई है। जहां पर कोस्ते की तरफ जंगल तक डामर मार्ग का निर्माण किया गया है जिसके बाद आमाटोला तक पूरा कच्चा मार्ग होने से मार्ग पर चलना मुश्किल हो गया है। जहां बरसात में विकराल समस्या उत्पन्न हो जाती है ऐसे में मार्ग का संपूर्ण निर्माण करने की बात राहगीरों के द्वारा कही जा रही है ताकि सुरक्षित आवागमन किया जा सके।

मार्ग पर बड़े बड़े गड्ढे बन गए हैं पत्थर भी बाहर निकल चुके है

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कोस्ते से एक मार्ग कासपुर के लिए निकलता है जहां जंगल तक डामर सड़क का निर्माण किया गया है। उसके बाद आमा टोला तक कच्चा मार्ग बना हुआ है जहां से प्रतिदिन डोंगरमाली मार्ग के ग्रामीणों के द्वारा बालाघाट और कायदी के लिए आवागमन किया जाता है। तो वहीं कासपुर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों के लोग डोंगरमाली ,महाराजपुर के लिए इस मार्ग का उपयोग करते हैं। तो वहीं मार्ग पर बड़ी संख्या में खेती स्थित है जहां पर किसान भी आना जाना करते हैं । ऐसे में कच्चे मार्ग पर छोटे बड़े गड्ढे बन गए हैं तो वहीं छोटे.बड़े पत्थर भी बाहर पूरे मार्ग में निकल चुके हैं। जहां बैलगाड़ी से चलना मुश्किल हो रहा है तो वहीं मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो रही है हालांकि सुखा दिन होने से लोग बहुत ज्यादा सुरक्षित आना जाना कर पा रहे हैं। जहां सबसे ज्यादा समस्या बरसात के समय हो जाती है पूरा मार्ग कीचड़ से सराबोर हो जाता है जहां मोटरसाइकिल और साइकिल चलाना दूर्भर हो जाता है।ऐसे में ग्रामीणों को फेरे काटकर वारासिवनी होते हुए आना जाना करना पड़ता है तो वहीं किसानों को पैदल ही मार्ग में सफर करना पड़ता है। इस प्रकार की समस्या को देखते हुए ग्रामीणों के द्वारा मार्ग के अधूरे पड़े निर्माण को पूर्ण करने या वर्तमान में मुरूमीकरण किये जाने की मांग की जा रही है ताकि लोग सुरक्षित आवागमन कर सके।

निर्माण कार्य अधूरा होने से सभी को परेशानी हो रही है- राजनलाल दखनवार

किसान राजनलाल दखनवार ने बताया कि यह कोस्ते से आमाटोला मार्ग है हमें इस मार्ग का उपयोग बरसात के समय अधिक करना पड़ता है। क्योंकि खेती में पेट्रोल डीजल जो भी लगता है वह महाराजपुर से लाते हैं जो यहां से समीप में पड़ता है। अभी यहां पर गड्ढे हो गए हैं जहां आवागमन हो रहा है बाकी बरसात में हर कोई परेशान हो जाता है। विक्रम टोली तक पक्की सड़क है किंतु उसके बाद हमारे आमाटोला तक कच्चा मार्ग है जिस पर कीचड़ भयंकर हो जाता है । उस समय लोगों को वारासिवनी होते हुए घूम कर जाना पड़ता है। जिसमें परेशानी तो होती ही है यह मार्ग यदि बन जाए तो अच्छा होगा।

रोड़ की स्थिति बहुत ज्यादा खराब है-राजकुमार भगत

किसान राजकुमार भगत ने बताया कि रोड़ की स्थिति बहुत ज्यादा खराब है गिट्टी के पत्थर पूरी जगह बाहर निकल गए हैं हम लोगों को खेती किसानी के लिए आने जाने में बहुत दिक्कत है। यह मार्ग सीधे कोस्ते निकलता है परंतु इस मार्ग पर सभी किसान आते जाते हैं बैलगाड़ी से चलना एक चुनौती है गिट्टी के कारण हालत खराब हो जाती है। ठीक से मवेशी चल नहीं पाते हैं इस मार्ग को अच्छे से निर्माण करना चाहिए। यदि वह भी नहीं कर पा रहे हैं तो मुरूमीकरण कर दे ताकि मवेशी और इंसान आना जाना तो कर सके।

मार्ग खराब होने से हो रही आये दिन दुर्घटनायें- सुखलाल भगत

किसान सुखलाल भगत ने बताया कि मार्ग में अभी इतने पत्थर बाहर आ गए हैं कि इंसान क्या जानवर को भी समस्या होने लगी है। मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने लगती है कई लोग चोटिल हो जाते हैं छोटे.बड़े जो गड्ढे हैं उनमें पानी भरा रहता है। इस मार्ग पर कासपुर ,कायदी ,डोंगरमाली, भेंडारा के लोग आना जाना करते हैं जंगल तक पक्का रोड़ बना है उसके बाद कच्चा है। पीडब्ल्यूडी में मार्ग कहते हैं पर आगे जानकारी हमें है नहीं इस मार्ग पर करीब २५० एकड़ से अधिक के किसान आना जाना करते हैं जिन्हें बरसात में पैदल ही चलना पड़ता है।

नाले में डूबने से दो वर्षीय बालक की मौत

मामला कटंगझरी के महादेव नाले का पुलिस जुटी जांच में

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कटंगझरी में दो वर्षीय बालक की नाले में बने गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। यह घटना महादेव नाले में बनाए गए गड्ढे की बताई जा रही है जिसमें नेवील आचारे अपने खेत जा रहे दादा का पीछा करते हुए निकल गया था।इसके बाद वह नाले में मृत पाया गया जो बहुत दर्दनाक घटना रही। मामले में पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है वहीं मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है।

मृतक पिता और दादा को देखकर वह भी उनके पीछे चला गया होगा

प्राप्त जानकारी के अनुसार चन्द्रशेखर आंचरे ग्राम कटंगझरी वार्ड नंबर १८ का निवासी है जो खेती किसानी का काम करता है। वह मकान में पूरे परिवार के साथ रहते हैं जिनके दो बेटे हैं। अभी खरीफ का मौसम प्रारंभ हो गया है जिसके लिए वह अपना खेत तैयार कर रहे हैं जहां पर खाद डालने के लिए घर से खाद लेकर खेत की ओर जा रहे थे। तभी दो वर्षीय नेविल आंचरे के द्वारा देखा गया कि उसके पिता और दादा दोनों खेत जा रहे हैं यह देख वह भी उनके पीछे चलने लगा। उसके आने की जानकारी उसके पिता और दादा को नहीं थी परिवार के लोगों को भी खेत जाने की जानकारी नहीं थी। इसी बीच घर के पास के नाले में नेविल आंचरे उतर गया जहां पर किसानों के द्वारा मोटर से पानी लेने के लिए गड्ढा किया गया था उसमें डूबने से उसकी दर्दनाक मौत हो गयी। इस दौरान खेत से जब पिता और दादा लौटे तो परिवार के लोगों ने बच्चों के बारे में पूछा तब सभी को पता चला कि यह लापता है । जिसके बाद परिवार के लोगों ने विभिन्न स्थानों पर तलाश प्रारंभ कर दी। जिसका शव नाले के गड्ढे में पानी के ऊपर तैरता मिला इसके बाद मौके पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। जिन्होंने पुलिस को सूचना दी सूचना पर सहायक उप निरीक्षक धनेंद्र वल्के के द्वारा मौका निरीक्षण कर आवश्यक पंचनामा कार्यवाही कर शव को सिविल अस्पताल स्थित शव विच्छेदन गृह में पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। वहीं मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

नेविल आंचरे शौच करने के लिये घर के सामने गया था उसके बाद पता नही चला-पंचमलाल आंचरे

पंचमलाल आंचरे ने पद्मेश से चर्चा में बताया की मैं ग्राम कटंगझरी रहता हूँ मजदुरी का काम करता हूँ। नेविल आंचरे उम्र २ वर्ष मेरे भतीजे का लड़का है मेरा नाती लगता है। आज नेविल आंचरे के पिता चन्द्रशेखर आंचरे ट्रेक्टर में खाद भरकर खेत लेकर चले गये थे और नेविल आंचरे के दादा खाद को खेत में फैलाने के लिये पैदल खेत चले गये थे। नेविल आंचरे उसके दादा मदनलाल आंचरे के साथ खेलता रहता था। नेविल आंचरे शौच करने के लिये घर के सामने गया था जो अपने दादा एवं पापा के पीछे पीछे खेत के नाले के तरफ चला गया होगा। तब नेविल आचरे की माँ एवं दादी ने बताई कि मेरा लड़का घर पर नही है तब मोहल्ले के लोगो ने नेविल आंचरे की तलाश पतासाजी खेत एवं गांव तरफ किये जो नेविल आचरे खेत के पास के नाले में डूबा हुआ दिखाई दिया। जिसकी मौत हो चुकी थी नेविल आंचरे की मौत नाले के पानी में डूबने से हुई होगी।

इनका कहना हैं

चर्चा में बताया कि नेविल आंचरे उम्र २ वर्ष की नाले के गड्ढे में भरे पानी में डूबने से मौत हो गई है । मौके पर जाकर देखा गया है नाले में बच्चों के पैर के निशान हैं। वह अपने पापा और दादा को खेत जाता देख उनके पीछे निकला था मामले में आवश्यक कार्यवाही कर मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा और उसी के आधार पर जांच की जायेगी।

धनेन्द्र वल्के
सहायक उपनिरीक्षक
थाना वारासिवनी

हाई स्कूल हायर सेकेंडरी स्कूल की पूरक परीक्षा प्रारंभ

११९ परीक्षार्थियों के द्वारा किया हिंदी का पेपर हल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल मध्य प्रदेश के द्वारा हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल की पूरक वार्षिक परीक्षा द्वितीय के नाम से प्रारंभ की गई। इसी कड़ी में नगर के दो शासकीय स्कूल को परीक्षा केंद्र बनाया गया। जिसमें कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय एवं सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में यह परीक्षा १७ जून २०२५ से आयोजित की गई। जहां प्रथम दिन हिंदी विषय के पेपर को परीक्षार्थियों के द्वारा हल किया गया। इस दौरान दोनों विद्यालयों में दर्ज १९३ परीक्षार्थियों में से ११९ परीक्षार्थियों के द्वारा पेपर हल किया गया जहां ७४ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह परीक्षा शासन के द्वारा फरवरी ,मार्च महीने में हुई वार्षिक परीक्षा में असफल हो गए परीक्षार्थियों के लिए आयोजित कर उन्हें एक मौका देने का प्रयास किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में वारासिवनी विकासखंड के परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। यह परीक्षा सुबह ९ से दोपहर १२ बजे तक आयोजित की गई जहां सभी परीक्षार्थियों ने शांति पूर्वक पेपर हल किया।

कमला नेहरू में एक परीक्षार्थी रहा अनुपस्थित

कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय को जिला शिक्षा कार्यालय के द्वारा परीक्षा केंद्र निर्धारित किया गया हैं। जहां पर कक्षा दसवीं में ६ परीक्षार्थी तो कक्षा १२ वीं में १३ परीक्षार्थी इस प्रकार कल १९ परीक्षार्थी दर्ज थे। जिसमें कक्षा दसवीं में ६ में से ५ परीक्षार्थी उपस्थित रहे एक परीक्षार्थी अनुपस्थित रहा। वहीं कक्षा १२ वीं में १३ में से १३ परीक्षार्थी उपस्थित हुए जिनके द्वारा प्रथम पेपर हिंदी का हल किया गया। जहां पर कुल दर्ज १९ परीक्षार्थियों में से १८ परीक्षार्थियों के द्वारा उपस्थिति दर्ज कराई गई।

सांदीपनि विद्यालय में ७३ परीक्षार्थी रहे अनुपस्थित

वारासिवनी बालाघाट रोड़ स्थित सांदीपनि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में भी हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल पूरक परीक्षा आयोजित की गई। जिसमें कक्षा दसवीं में ९३ परीक्षार्थी दर्ज थे जिसमें ३८ परीक्षार्थियों ने उपस्थित होकर पेपर हल किया ५५ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। तो वहीं कक्षा १२ वीं में ८१ परीक्षार्थी दर्ज थे जिसमें ६३ परीक्षार्थियों के द्वारा पेपर हल किया गया एवं १८ परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार कुल १७४ में से १०१ परीक्षार्थियों ने उपस्थिति दर्ज कराई वहीं कल ७३ परीक्षार्थी परीक्षा में अनुपस्थित रहे।

२६ जून को १० वीं एवं ५ जुलाई को १२ वीं की परीक्षा होगी संपन्न

फरवरी मार्च २०२५ में कक्षा १० वीं और कक्षा १२ वीं की बोर्ड परीक्षा आयोजित की गई थी जिसके बाद वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया था। जिसमें कक्षा १० वीं एवं १२ वीं में एक या दो विषय में अनुत्तीर्ण हुए छात्र छात्राओं को पूरक आई थी। जिन्हे उत्तीर्ण होने के लिए शिक्षा विभाग के द्वारा एक अवसर प्रदान किया गया है। जिनके लिए द्वितीय चरण पुरक परीक्षा आयोजित की जा रही है जो प्रारंभ हो चुकी है। १७ जून को कक्षा १० वीं और १२ वीं की हिन्दी विषय के प्रश्नपत्र के साथ परीक्षा शुरू हो चुकी है। जिसमें कक्षा दसवीं की परीक्षा २६ जून को और कक्षा १२ वीं की परीक्षा ५ जुलाई को संपन्न हो जायेगी। जिसके बाद उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन कर परीक्षा परिणाम घोषित किया जायेगा।

विधायक पटेल ने सड़क निर्माण कार्य का किया निरीक्षण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। ग्राम पंचायत साकड़ी के पांचोटोला से डांगोरली घाट तक हो रही सड़क के निर्माण कार्य का विधायक विवेक पटेल ने निरीक्षण किया। साथ ही ठेकेदार को निर्देशित किया कि सड़क पर मटेरियल डालने से पहले सड़क की अच्छी तरह से सफाई कर ले । वहीं सड़क के मरम्मत कार्य पर किसी भी तरह की कोताही ना बरते अगर मुझे किसी तरह की ग्रामीणों के द्वारा शिकायत मिली तो फिर मैं फिर तत्काल निरीक्षण करने आऊंगा। वहीं उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि निर्माण कार्य आपको घटिया लगे तो आप लोग निर्माण कार्य तत्काल रुकवा दे। यह सड़क बनने के बाद बालाघाट, वारासिवनी और ग्रामीण क्षेत्रो में निवास कर रहें लोगो को महाराष्ट्र गोंदिया जाने में परेशानी नही होंगी वहीं उन्हें गोंदिया पहुंचने में भी कम समय लगेगा। साकड़ी.पांचोटोला से डांगोंरली घाट तक सड़क बनने के बाद ग्रामीण क्षेत्रो के हजारों लोगो को अपने गंतव्य तक पहुंचने पर परेशानी नही होंगी। वहीं किसानो को अपनी फसल मंडियो तक पहुंचने में सुविधा होंगी और मरीजों को सीधे गोंदिया हॉस्पिटल तक पहुंचने पर ज्यादा समय नही लगेगा। इस दौरान राजकुमार चौधरी, विवेक भाऊदास मानेश्वर, मनीष देवारे,जयचंद ठाकरे, उद्देश्य डहाके,प्रवीण डाटे,राजकुमार दांद्रे,भाऊलाल जुझार, पंचेश्वर, मुन्नालाल डहाके सहित ग्रामीणजन मौजूद

प्रसिद्धि से दूर रहने की वृत्ति बाला साहब देवरस

बाला साहब देवरस का बाला साहब नाम उन्हें उनके परिवार और करीबी लोगों द्वारा प्यार से दिया गया एक उपनाम था, जो उनके वास्तविक नाम मधुकर दत्तात्रेय देवरस के साथ जुड़ या। बाला साहब एक लोकप्रिय मराठी शब्द है जिसका उपयोग छोटे लड़कों या प्रियजनों के लिए किया जाता है। यह उनके मिलनसार और स्नेही स्वभाव को दर्शाता है। 11 दिसम्बर 1915 को नागपुर में जन्मे बाला साहब देवरस पार्वती बाई- कृष्णराव देवरस की आठवीं संतान थे। 1925 में बालसाहेब ने शाखा जाना प्रारम्भ कर दिया। स्थायी रूप से उनका परिवार मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के आमगांव के निकटवर्ती ग्राम कारंजा का था। अभीष्ट, बाला साहब की स्मृतियां, सेवा और आयाम से प्रतिबद्ध पावन भूमि में बाल-भाऊ देवरस न्यास संचालित है। न्यास आर्थिक विकास, खेती प्रचार व प्रशिक्षण, महिला बचत गट प्रशिक्षण केंद्र, फलोद्यान प्रशिक्षण कार्यक्रम, दुग्ध व्यवसाय प्रशिक्षण कार्यक्रम, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में अरोग्य चिकित्सा शिविरों का आयोजन जनकल्याण के निहितार्थ करता है। दौरान, उनकी सम्पूर्ण शिक्षा नागपुर में ही हुई। न्यू इंगलिश स्कूल मे उनकी प्रारम्भिक शिक्षा हुई। संस्कृत और दर्शनशास्त्र विषय लेकर मौरिस कालेज से बालसाहेब ने 1935 में बीए किया। दो वर्ष बाद उन्होंने विधि की परीक्षा उत्तीर्ण की।

विधि स्नातक बनने के बाद बालसाहेब ने दो वर्ष तक अनाथ विद्यार्थी बस्ती गृह मे अध्यापन कार्य किया। इसके बाद उन्हें नागपुर मे नगर कार्यवाह का दायित्व सौंपा गया। 1965 में उन्हें सरकार्यवाह का दायित्व सौंपा गया जो 6 जून 1973 तक उनके पास रहा। श्री गुरूजी के स्वर्गवास के बाद 6 जून 1973 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय सर संघचालक के दायित्व को ग्रहण किया। उनके कार्यकाल में संघ कार्य को नई दिशा मिली। उन्होंने सेवाकार्य पर बल दिया परिणाम स्वरूप उत्तर पूर्वांचल सहित देश के वनवासी क्षेत्रों के हजारों की संख्या में सेवाकार्य आरम्भ हुए। बालासाहब देवरस ने अपना जीवन समाज एवं देशसेवा को समर्पित कर दिया था। शिक्षा क्षेत्र में सबसे अग्रणी सरस्वती शिशु मंदिर योजना भाऊराव देवरस की ही देन है। समर्पित, डाक्टर जी का स्वास्थ्य अधिक खराब होने के चलते बालासाहब को 1940 में कलकत्ता से वापस बुला लिया गया । देशभर के विभिन्न स्थानों पर प्रचारक भेजने की जिम्मेदारी नागपुर शाखा की ही सर्वाधिक रहती थी।

स्वयंसेवक को उस हेतु गणना, किसे कहाँ भेजना यह जिम्मेदारी बाला साहब उत्तम रीति से संभालते थे। डाक्टर जी के निर्देश पर 1937 से 1940 के बीच गुरूजी संघ कार्य में पूरी तरह डूब गए थे। शाखा पर होने वाले गणगीत, प्रश्नोत्तर आदि की उन्होंने ही शुरुआत की। संघ के कार्यक्रमों में मां भारती, डां हेडगेवार तथा श्री गुरुजी के चित्र लगते हैं। बालासाहब के सर संघचालक बनने पर कुछ लोग उनका चित्र भी लगाने लगे; पर उन्होंने इसे रोक दिया। यह उनकी प्रसिद्धि से दूर रहने की वृत्ति का ज्वलन्त उदाहरण है। साहसं, 1975 में संघ पर लगे प्रतिबन्ध का सामना उन्होंने धैर्य से किया। वे आपातकाल के पूरे समय पुणे की जेल में रहे; पर सत्याग्रह और फिर चुनाव के माध्यम से देश को इन्दिरा गांधी की तानाशाही से मुक्त कराने की इस चुनौती में संघ सफल हुआ। मधुमेह रोग के बावजूद 1994 तक उन्होंने यह दायित्व निभाया। इस दौरान उन्होंने संघ कार्य में अनेक नये आयाम जोड़े। इनमें सबसे महत्वपूर्ण निर्धन बस्तियों में चलने वाले सेवा के कार्य हैं। इससे वहाँ चल रही धर्मान्तरण की प्रक्रिया पर रोक लगी। स्वयंसेवकों द्वारा प्रान्तीय स्तर पर अनेक संगठनों की स्थापना की गई।

ईरान-इजरायल युद्ध से दुनिया के सामने नई चुनौती

इजरायल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है?

इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। एक भयानक संशय का वातावरण बना हुआ है। पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमाम, कुछ समय भारत-पाक और अब इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है।

जिसने परमाणु-शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है? अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव कर तीसरी दुनिया को विकास के समुचित अवसर और साधन देने की संभावनाएं कैसे बलशाली बन सकती है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की बड़ी जरूरत है। क्योंकि वर्तमान युद्ध की जटिल से जटिलतर होती परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। भारत के लिए बेहतर यही होगा कि शांति एवं कूटनीतिक विकल्पों की वकालत करता रहे, लेकिन उसे खुद भी किसी भी प्रकार की स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा।

दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे। ऐसे में इजरायल का सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वह लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध को जारी रख सकता है। इसके लिए ईरान की सत्ता में बदलाव या राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करना होगा। यहां अमेरिका का समर्थन अहम होगा। बेहतर होगा दुनिया को भारी नुकसान से बचाने के लिये पूतिन एवं ट्रंप युद्ध की आग बुझाने की कोशिश करें। उनका आपस का दोस्ताना संवाद फिलहाल दुनिया के लिये अकेली उम्मीद की किरण है, हालांकि यूरोपीय संघ को और विशेषत: चीन कुछ हद तक यह अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन युद्ध के अंधेरों एवं शांति के उजालों के लिये यही एक रास्ता है।

ईरान पर इजरायल के हमले ने पहले से युद्धरत एवं अस्थिर दुनिया को अधिक वैश्विक संघर्ष की ओर ढकेल दिया है। ईरान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ इजरायल पर मिसाइलों से हमला कर रहा है। उधर, इजरायल इस बात पर अड़ा है कि जब तक वह ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और मिसाइलों के जखीरे को खत्म नहीं कर देता है तब तक हमले जारी रहेंगे। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चलकर इसमें अमेरिका, चीन और रूस जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हो सकती हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनिया पहले ही दो खेमों में बंटी दिख रही है। ईरान ऐसी जगह पर हैं, जहां से वह बहुत सीमित संसाधनों के साथ समुद्र से होने वाले वैश्विक व्यापार को बाधित कर सकता है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन चरमरा सकती है, विश्व व्यापार ठप्प हो सकता है और विश्व में तेल आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है।

इजरायल ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। खासकर उसे लगता है कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो उसके लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। यह खतरा इजरायल के साथ अन्य देशों के लिये भी होगा। इसलिए इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू कह रहे हैं कि हम ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे। जो आपरेशन शुरु किया है, उसे लक्ष्य हासिल होने तक जारी रखेंगे। ईरान का परमाणु शक्ति बनना एक बड़ा खतरा है, इस बड़े खतरे को समाप्त करना ही ऑपरेशन राइजिंग लायन का लक्ष्य है। इसी समय अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का आना भी इजरायल के बेहतर मौका लेकर आया और यहां अमेरिका का समर्थन अहम हो गया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिये कहा है कि ईरान ने परमाणु कार्यक्रम पर समझौते के लिये अंतर्राष्ट्रीय प्रस्ताव को बार-बार खारिज किया है। बहरहाल, इस घटनाक्रम से मध्यपूर्व में इजरायल-ईरान के बीच सीधे युद्ध की आशंका बढ़ गई है। कहा जा रहा है कि इजरायल और हमास, हिजबुल्ला व हूती विद्रोहियों के बीच पहले से जारी संघर्ष से संवेदनशील बने इलाके में पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

इजरायल और ईरान के बीच सैन्य तनाव बढ़ने से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बड़ी हैं, तेल की कीमतें बड़ती हैं तो इसके जटिल परिणाम सामने आते हैं और सभी जीवन-निर्वाह की चीजों के दाम बढ़ जाते हैं।

-संजय गोस्वामी

आतंकवाद पर नियंत्रण- एक जटिल कवायद

पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया हुई और पाकिस्तान में आंतकी अड्डों को निशाना बनाया गया. अब, संघर्षविराम लागू हो चुका है, इसलिए यह इस बात पर विचार करने के लिए उचित समय है कि समाज में व्याप्त इस कैंसर जैसी प्रवृत्ति का मुकाबला कैसे किया जाए. 9/11/2011 को टि्वन टावर्स पर हुए आतंकी हमले में 2000 से अधिक लोगों की मौत के बाद से यह मुद्दा अधिक चर्चा में है. 'इस्लामिक आतंकवाद' शब्द अमरीकी मीडिया ने गढ़ा था और बाद में दुनिया भर में इसका इस्तेमाल इस्लाम को आतंकवाद से जोड़ने के लिए किया जाने लगा।

वैसे आतंकी घटनाओं को तो परिभाषित किया गया है, लेकिन आतंकवाद को परिभाषित करना आसान नहीं है और इस प्रवृत्ति से संबंधित क्रियाकलापों से जुड़ी संयुक्त राष्ट्रसंघ की संस्थाएं भी अब तक इसे परिभाषित नहीं कर सकी हैं. जहां तक भारत का सवाल है, यहां ब्रेनवाश किए गए मुस्लिम युवकों द्वारा हत्यायों का विक्षिप्तपूर्ण कार्य लंबे समय से चल रहा है. भारत में 26/11/2008 को मुंबई पर हमला हुआ जिसमें करीब 200 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी. इसका सबसे दिलचस्प पहलू यह था कि महाराष्ट्र एटीएस के प्रमुख हेमंत करकरे भी इस हमले में मारे गए थे। इसके समानांतर हमने पहले नांदेड़ (2006) और उसके बाद चार आतंकी हमले देखे - मालेगांव, अजमेर, मक्का मस्जिद और समझौता एक्सप्रेस. मालेगांव के मामले में एनआईए ने पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को मौत की सजा दिए जाने की मांग की है, जिनकी मोटरसाईकिल का इस हमले के लिए इस्तेमाल किया गया था. इसके अलाव ले. कर्नल पुरोहित पर भी मुकदमा चल रहा है और इसमें स्वामी असीमानंद, मेजर (सेवानिवृत्त) उपाध्याय और हिन्दुत्व राजनीति से जुड़े कई अन्य लोगों का नाम भी सामने आया। भारत इन आतंकी घटनाओं का सामना कर रहा है और यह जरूरी है कि हम वैश्विक आतंकवाद की जड़ों और उसके भारत पर पड़े प्रभाव पर गहन चिंतन करें. आतंकी हमलों से निपटने के लिए की गई सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाए जा रहे हैं. पहले पुलवामा और अब पहलगाम के आतंकी हमलों ने हमारी कमियों को उजागर किया है, और कुछ ऐसे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिनके संबंध में वैश्विक संस्थाओं से तालमेल करके इनमें से कई कमियों को दूर किया जा सकता है। एक बात तो यह है भारत में आतंकी हमले करने वाले संगठन पाकिस्तान केन्द्रित हैं. पाकिस्तान की दयनीय दशा है, क्योंकि वह न केवल आतंकी हमलों का केन्द्र है बल्कि स्वयं भी इस नीचतापूर्ण प्रवृत्ति का शिकार है. वर्तमान में कश्मीर आतंकी हमलों के निशाने पर है. कश्मीर में इस समय जारी इस त्रासदी की प्रमुख कर्ताधर्ता उन आतंकी समूहों की शाखाएं हैं जो अफगानिस्तान पर सोवियत संघ द्वारा कब्जा किए जाने के बाद इसकी खिलाफत के लिए अमरीका द्वारा खड़ी की गई थीं। चूंकि अमेरिका अफगानिस्तान पर काबिज सोवियत सेना का सीधा सामना करने की स्थिति में नहीं था, इसलिए उसने पाकिस्तान में मदरसों की मदद की, उन्हें ब ?ावा दिया, जिनमें मुस्लिम युवकों को प्रशिक्षण दिया जाने लगा. इसके नतीजे में तालिबान और उसके जैसे संगठन अस्तित्व में आए. महमूद ममदानी गहन शोध पर आधारित अपनी पुस्तक 'गुड मुस्लिम बेड मुस्लिम' में बताते हैं कि इन मदरसों का पाठ्यक्रम किस प्रकार अमरीका में तैयार किया गया था जिसमें कम्युनिस्टों को काफिर बताया गया था. काफिरों का कत्ल करना एक लक्ष्य और एक उपलब्धि बताया गया था, और ऐसा करने में यदि जान से हाथ धोना पड़े, तब भी यह चिंताजनक नहीं माना गया था क्योंकि इसके बाद जन्नत मिलना निश्चित था. अमेरिका ने इन मदरसों पर 8 अरब डालर खर्च किए और आतंकियों को 7000 टन हथियार और गोला-बारूद मुहैया कराए, जिनमें आधुनिकतम स्ट्रिंगर मिसाइल भी शामिल थीं। इस आतंकी प्रवृत्ति को बढ़ावा देकर अमरीका पश्चिम एशिया के तेल के कुओं पर नियंत्रण करना चाहता था, जिसके कारण भयावह हालात उत्पन्न हुए और इस इलाके में तबाही आई. स्मरणीय है कि इसी दौर में हटिंगटन के 'सभ्यताओं के टकराव' के सिद्धांत ने जोर पकड़ा. यह तो दुनिया की खुशकिस्मती थी कि तत्कालीन संयुक्त राष्ट्र महासचिव कोफी अन्नान ने एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया जिसे 'सभ्यताओं के टकराव' के विचार के अध्ययन का कार्य विशेष तौर पर सौंपा गया। समिति ने 'सभ्यताओं के गठबंधन' के विचार पर केन्द्रित रपट पेश की जिसका यह निष्कर्ष था कि सभ्यताओं के गठबंधन से दुनिया में तरक्की हुई है. विभिन्न पक्षों ने इस रपट को पर्याप्त महत्व नहीं दिया. आतंकी घटनाओं से उत्पन्न हुआ इस्लामोफोबिया और अमरीकी मीडिया की नकारात्मक भूमिका का इतना प्रबल प्रभाव हुआ कि कई जगहों पर कुरान की प्रतियां जलाईं गईं। इस आतंकी प्रवृत्ति ने भस्मासुर का स्वरूप ले लिया. इसने कई स्तरों पर नकारात्मक भूमिका अदा की. उसके कारण भयावह विनाश हुआ और पाकिस्तान भी इसका शिकार हुआ. हमें याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान की पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो ऐसे ही एक आतंकी संगठन द्वारा किए गए हमले में मारी गईं थीं. जीटीई (वैश्विक आतंक सूचकांक) चार आंकड़ों - घटनाओं, मौतों, घायलों की संख्या और बंधक बनाए जाने वालों की संख्या - पर आधारित होता है. आतंकवाद के प्रभाव को मापने के लिए पांच वर्षों के भारित औसत का प्रयोग किया जाता है. इस सूचकांक पर पाकिस्तान का स्थान दूसरा और भारत का 14वां है. इसका अर्थ यह है कि पाकिस्तान को भारत से अधिक आतंकी घटनाओं की पीड़ा झेलनी पड़ी है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि आतंकवाद के शिकारों की सबसे बड़ी संख्या पाकिस्तान में ही है, क्योंकि पाकिस्तान में स्थित मदरसों में ही आतंकियों को प्रशिक्षण दिया गया. जहां भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि उस पर कोई आतंकी हमला न हो, वहीं यह समझना भी आवश्यक है कि आतंक के इस कैंसर के बीज साम्राज्यवादी शक्तियों द्वारा तेल भंडारों पर नियंत्रण रखने की अपनी महत्वाकांक्षा को पूरा करने के लिए बोए गए थे और इसे वैश्विक सहयोग से ही जड़ से उखाड़ा जा सकता है। ''पाकिस्तान - जिसके बारे में कहा जाता है कि वह 'आतंक का वैश्विक निर्यातक हैं' - को 2025 के लिए गठित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की तालिबान पर प्रतिबंधों संबंधी समिति का अध्यक्ष बनाया गया है. साथ ही उसे परिषद की आतंक-विरोधी समिति का उपाध्यक्ष भी बनाया गया हैं''. इसी से साफ है कि यह मसला कितना जटिल है। पाकिस्तान की नीतियों को प्रभावित करने वाले कई कारक हैं, जिनमें एक उभरता हुआ कारक है चीन. जहां पाकिस्तान जवाबदेह है, वहीं यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि इस मुसीबत से छुटकारा पाने के लिए उसे बातचीत की मेज तक लाया जाए. भारत में आतंकी हमले रोकने के लिए कश्मीर में लोकतंत्र को सशक्त करने के सभी संभव कदम उठाया जाना भी आज की जरूरत है।

- राम पुनियानी

प्लेन हादसा जानबूझ कर नहीं होता

भारत के अहमदाबाद एयरपोर्ट से प्लेन के टेक ऑफ करने के तुरंत बाद मेघानीनगर इलाके में यह हादसा हुआ है। विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था, प्लेन में 12 क्रू मेंम्बर्स (दो पायलट समेत) और 230 यात्रियों सहित कुल 242 लोग सवार थे मौत का आकड़ा ब? कर 285 तक हो गई यह याद रखना ज़रूरी है कि अगर आप हवाई यात्रा कर रहे हैं तो विमान दुर्घटना की संभावना बेहद कम है। फिर भी, कई सालों बाद भी ऐसी घटनाएँ होती रहती हैं। ब्लैक बॉक्स को वापस लाने के बाद पता चला कि टेकऑफ़ के दौरान, एक निश्चित ऊँचाई पर पहुँचने के बाद विमान के सिस्टम फेल हो गए थे और पायलट ने इस समस्या के बारे में एयर ट्रैफ़िक कंट्रोल को सूचित किया था। दुर्घटनाओं पर शोध करने वाले जांचकर्ताओं को अभी तक इस घटना को किसी विशिष्ट कारण से जोड़ने वाले प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले हैं। इस रहस्य को वैज्ञानिक रूप से समझाने के लिए, हम समझते हैं कि जब किसी विमान में कोई समस्या आती है, तो पायलट आमतौर पर एयर ट्रैफ़िक कंट्रोल से सहायता माँगता है। हालाँकि, यह दुर्घटना इतनी अचानक हुई कि प्रमुख देशों के विशेषज्ञ अब इसे सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं। एक ही समाधान के बजाय, जाँच के कई रास्ते अपनाए जा रहे हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि विमान में उड़ान भरने से दुर्घटनाओं का जोखिम बहुत कम होता है, लेकिन कई सालों बाद भी घटनाएँ हो सकती हैं। सभी वस्तुएँ गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में चलती हैं, जबकि हवाई जहाज लगभग शून्य गुरुत्वाकर्षण वातावरण में काम करते हैं। एक विमान में टर्बाइन ब्लेड होते हैं जो हवा को काटते हैं और पंख जो दिशा और स्थिरता प्रदान करते हैं। टर्बाइन एक ऐसी मशीन है जो ऊर्जा के एक रूप को दूसरे में परिवर्तित करती है, जैसे गतिज ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में या भाप ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलना। टर्बाइन घूर्णी गति के माध्यम से यांत्रिक ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। परिवहन दुर्घटना आग पर सबसे शुरुआती अमेरिकी अध्ययनों में से एक ने संकेत दिया कि 1946 में लगभग 15 प्रतिशत अमेरिकी वाणिज्यिक एयरलाइन दुर्घटनाओं में दुर्घटना के बाद आग लग गई थी। इस रिपोर्ट ने उड़ान के दौरान और दुर्घटना के बाद की आग से संबंधित ईंधन गुणों और प्रज्वलन स्रोतों की जांच की।1951 में एसएई (सोसाइटी ऑफ ऑटोमोटिव इंजीनियर्स, एक अमेरिकी संगठन है) की एक बैठक में नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (ष्ट) के इंजीनियर द्वारा प्रस्तुत एक रिपोर्ट में कहा गया था कि 1938 और 1951 के बीच, आग न लगने वाली दुर्घटनाओं के कारण 60.8 प्रतिशत यात्रियों की मृत्यु हुई, जबकि आग से जुड़ी दुर्घटनाओं में मृत्यु दर 84.6 प्रतिशत थी। इस पत्र में दुर्घटना जांच के निष्कर्षों के साथ-साथ ब्लैडर टैंक और सेल्फ-सीलिंग फिटिंग के परीक्षण पर चर्चा की गई थी। 1966 में किए गए सिविल एरोनॉटिक्स बोर्ड (ष्टक्च) के एक अध्ययन में 1955 से 1964 के बीच हुई 153 दुर्घटनाओं की जाँच की गई, जो या तो आग के कारण हुई थीं या आग के परिणामस्वरूप हुई थीं। इसमें शामिल 4,559 यात्रियों और चालक दल में से 1,955 गंभीर रूप से घायल हुए, कुल मिलाकर, इन घटनाओं में 1,161 लोग शामिल थे, जिनमें 488 (42त्न) ने अपनी जान गंवाई। मौतों में से 294 (60त्न) आग के कारण हुईं और अन्य 57 व्यक्ति गंभीर रूप से जल गए। 79 दुर्घटनाएं जो घातक थीं या जिनमें आंशिक रूप से बचने की संभावना थी, उनमें 294 (15त्न) की मौत आग के कारण हुई। रिपोर्ट में कुछ दुर्घटनाओं का विस्तृत विवरण शामिल था जिसमें मृत्यु और जीवित बचे दोनों शामिल थे, जिससे विमान डिजाइन में आग की रोकथाम पर आगे के शोध की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया, क्योंकि प्रभाव के बाद संक्षिप्त निकासी अवधि के दौरान अग्निशमन संसाधन शायद ही उपलब्ध हों। 1975 में, स्टैनफोर्ड रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा किए गए नासा अध्ययन ने 1963 से 1975 तक अमेरिकी वाणिज्यिक विमानों से जुड़ी दुर्घटनाओं की समीक्षा की ध्यान इस बात पर केंद्रित था कि किस हद तक बेहतर अग्नि प्रतिरोध और/या कम विषाक्तता वाली सामग्री चोटों, मौतों और आग से होने वाले नुकसान को कम कर सकती है। इस अवधि के दौरान, 545 गैर-अशांति दुर्घटनाएँ हुईं, जिनमें से 122 (22त्न) में एयरफ्रेम में आग लग गई थी। न दुर्घटनाओं को छोड़कर जिनमें एयरफ्रेम को कोई नुकसान नहीं हुआ था और वे दुर्घटनाएं जिनमें आग इंजन और/या पहिये के वेल तक ही सीमित थी, केवल 22प्रति. दुर्घटनाओं में आग शामिल थी; हालांकि, 75प्रति. घातक दुर्घटनाओं में आग शामिल थी। आग से संबंधित 122 दुर्घटनाओं में से कम से कम 21 में, प्रभाव क्षति अपेक्षाकृत कम थी, फिर भी आग से क्षति गंभीर थी। आग की लगभग आधी दुर्घटनाएं लैंडिंग के दौरान हुईं। कुल मिलाकर, लगभग 15प्रति. मौतें आग के कारण हुईं, यह आंकड़ा 1966 के एक अध्ययन में पाए गए आंकड़े में आग से जुड़ी 71 घातक दुर्घटनाओं में से 39 में प्रभाव के कारण जान बच नहीं सकी, 13 में कुछ मौतें सीधे आग के कारण हुईं, और 19 को प्रभाव के बाद जान बच पाने या न बच पाने की सूचना मिली। विडमेयर और ब्रेंडे द्वारा किए गए इस व्यापक अध्ययन में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों और कंपनी के अभिलेखों का विश्लेषण किया गया, तथा 1959 और 1979 के बीच घटित 583 घटनाओं के प्रारंभिक डेटाबेस से 153 संभावित रूप से जीवित रहने योग्य दुर्घटनाओं से विस्तृत जानकारी संकलित की गई। जबकि इनमें से 67त्न मामले आग से संबंधित थे और 37त्न मामले आग से संबंधित मौतों से संबंधित थे, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह डेटाबेस सभी प्रकार की दुर्घटनाओं को शामिल नहीं की गई , बल्कि उन दुर्घटनाओं को शामिल की गई जो एक विशिष्ट अवधि के दौरान घटित होती, जब दुर्घटना-प्रूफिंग का सुधार करने के लिए विश्वसनीय डेटा उपलब्ध था। केवल चयनित अवधि के दौरान होने वाली शामिल दुर्घटनाओं की गई। आग के खतरों की जांच करते समय, इंजन और पिछले हिस्से की ईंधन लाइनों के टूटने, जमीन के संपर्क या बाधाओं और जड़त्वीय बलों के कारण पंख और तोरण के अलग होने, साथ ही पंख के ईंधन टैंकों के टूटने पर विशेष ध्यान दिया गया। 103 दुर्घटनाओं में आग लग गई, जबकि 22 दुर्घटनाओं में बिना आग लगे ईंधन रिसाव हुआ। बोइंग अध्ययन के लेखकों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि उत्तरजीविता में सुधार के लिए सबसे महत्वपूर्ण अवसर आग से संबंधित मुद्दों को संबोधित करने में निहित है। बोइंग विमान दुर्घटना पर रिपोर्ट में आगे की क्रैशवर्थनेस अनुसंधान और विकास के लिए कई अवलोकन और सिफारिशें शामिल हैं। इनमें तकनीकी सुधार, विशेष रूप से प्रशिक्षित क्रैशवर्थनेस जांच टीमों द्वारा दुर्घटना स्थलों पर उन्नत डेटा संग्रह, कंप्यूटर सिमुलेशन का उपयोग और परिशोधन, परीक्षण सुविधाओं का रखरखाव और उन्नयन, अतिरिक्त पूर्ण-पैमाने पर विमान परीक्षण और उन्नत क्रैशवर्थनेस अवधारणाओं की खोज शामिल हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि, वर्ष 2000 तक, इन क्षेत्रों में नागरिक परिवहन विमान सुरक्षा प्रयास विकसित होते रहे हैं। दुर्घटनाओं पर क्रैश फायर जांचकर्ताओं की कोई पर्याप्त रूप से नहीं है। नासा ने परीक्षण सुविधा को बंद करने पर विचार किया , और 1984 में सीआईडी के बाद से, परिवहन विमान का कोई कोई ठोस सबूत नहीं मिले पूर्ण पैमाने पर क्रैश परीक्षण नहीं किया गया है। रिपोर्ट के डेटा का उपयोग क्रैश स्थितियों की एक श्रृंखला को परिभाषित करने के लिए किया गया था, जो बेहतर क्रैशवर्थनेस डिज़ाइन तकनीकों को विकसित करने के लिए एक आधार के रूप में कार्य करता है। यह रिपोर्ट उपलब्ध प्रभाव परिदृश्यों पर सबसे व्यापक अध्ययनों में से एक है और इसे डिज़ाइन अनुसंधान के लिए संदर्भित किया जाना चाहिए। बोइंग अध्ययन के अलावा, लॉकहीड और मैकडॉनेल डगलस दोनों को समान अनुसंधान करने के लिए अनुबंधित किया गया था। तीनों रिपोर्टों को एक संयुक्त एनएएसएनएफएए रिपोर्ट में संक्षेपित किया गया था। थॉमसन और कैयाफा ने भविष्य के परीक्षण के लिए संभावित क्रैश परिदृश्यों को स्थापित करने के लिए इन अध्ययनों के डेटाबेस को मिलाया। उन्होंने यह भी पहचाना कि दुर्घटना क्रम में सबसे महत्वपूर्ण घटना - जिसके परिणामस्वरूप सबसे अधिक मौतें हुईं - ईंधन का रिसाव और प्रज्वलन था, जिससे आग लग गई। दुर्घटना के बारे में जानने के बाद भी, हमें यह स्वीकार करना चाहिए कि जो होना था, वह हो चुका है। यह घटना बहुत दुखद और भयावह है, और ऐसा कुछ होना ही था। उन्होंने जिस दूसरे मुद्दे पर प्रकाश डाला, वह था फ़्लोर डिसरप्शन, जिससे आघात की चोटें बढ़ सकती हैं। यह समस्या कार्गो कम्पार्टमेंट में सहायक ईंधन टैंक से उत्पन्न हो सकती है, जो निचली त्वचा से सीधे फ़्लोर बीम तक प्रभाव भार संचारित करती है। यह चिंता परीक्षण ड्रॉप के दौरान देखी गई थी और रेंज एक्सटेंशन ईंधन भंडारण प्रणालियों के डिजाइन में विचार किया गया था, जिसे तब से वर्तमान डिज़ाइनों में सुधारा गया है। उसके बाद भी यदि दुर्घटना को जान भी गए तो क्या होगा जो होना था वो हो गया घटना घटनी थी जो अत्यंत दु:खद व भयाभव था वहीं, अहमदाबाद विमान हादसे में एक चमत्कारी घटना सामने आई है, जहां सीट नंबर 11ए पर यात्रा कर रहा एक यात्री जिंदा बचा उसे होना था भारत का अब तक का सबसे बड़ा प्लेन हादसा 12 नवम्बर 1996 को हुआ, जिसे चरखी दादरी विमान हादसा कहा जाता है। यह हादसा हरियाणा के चर्खी दादरी के पास उस समय हुआ, जब दो प्लेन एक-दूसरे से टकरा गए। इस टक्कर में दोनों विमानों में सवार सभी 349 लोग मारे गए थे। यह दुर्घटना पायलट और एयर ट्रैफिक कंट्रोल के बीच गलतफहमी और ऊंचाई की जानकारी सही से न समझ पाने के कारण हुई थी। अत: इसपर खामी को गिनाने से गलत मैसेज जाता है।

-संजय गोस्वामी

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। कमजोर आवक के बीच सावन पूर्व की लेवाली से मंगलवार को किराना जिंसों में नारियल बाजार उछल गये। शक्कर में टिकाव रहा। मोरधन व साबूदाने में पूछपरख शुरू हुई। खाद्य तेलों में बाजार बने रहे। तिलहन बाजार बने रहे। दलहनों में चना बड़त पर रहा। मूंग में बाजार नरमी के रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मंगलवार को किराना बाजार में ग्राहकी अच्छी रही। नारियलों में आवक 4 गाड़ी की रही। बाजार तेजी के रहे। साबूदाने व मोरधन में भी सुर्खी बनी। खाद्य तेलों में व्यापार कमजोर ही रहा। दलहनों में मूंग बाजार मॉंग अटकने से 100-200 रू. क्विंटल टूट गये। चना मजबूत रहा। व इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4150, खोपरा गोला 255-285, खोपरा बूरा 4200-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 6900-7100, सौंफ मोटी 100-130, बेस्ट 185-285, एस्ट्रा बेस्ट 340-450, सौंफ बारिक 290-350, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1200, क्लीन 1350-1600, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-2950, (160) 3450-3500, (200) 4000-4050, (250) 4000-4050

तेल- सींगदाना 1350-1360, मुम्बई 1380, राजकोट तेलिया 2170, सोया साल्वेंट 1060, सोया रिफाइंड 1140, कपास्या 1170-1180, धूलिया 1180, कड़ी 1180,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1360, मुम्बई पाम 1160, मुम्बई सोया 1170,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300, रायडा 5600, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4300-4400, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5750-5800, एवरेज 5000-5100, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशा?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 6000-6050, मूंग देशी 6600-6700, पाला 6700-6800, चमकी 7000-7100, नायलोन 7100-7200, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7500-8500, मीडियम 7400-7600, बेस्ट 7700-7800, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7700-7800, बेस्ट 7900-8000, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में कामकाज की मात्रा कम ही रही। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार कमोवेश मजबूत देखे गये। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 105000, चॉंदी (99) 104500, टंच 104100, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 99100,

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज सुबह रुपया कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और मजबूत डॉलर के दबाव को दरकिनार करते हुए रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.96 पर खुला। फिर 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.04 पर बंद हुआ था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए खर्चों से भरा रहने वाला है। आपको अपने कामों को थोड़ा संयम रखकर सुलझाने की आवश्यकता है। आप अपने मनमाने व्यवहार के कारण कुछ परेशान रहेंगे। आप बेवजह क्रोध करने से बचें। आपकी सेहत पहले से बेहतर रहेगी। आपका कोई जरूरी काम पूरा होने में यदि समस्या आ रही रही थी, तो वह भी दूर होता दिख रही है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आप जीवनसाथी के साथ मौज मस्ती भरे पलों का आनंद लेंगे। आपकी किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होगी। प्रॉपर्टी को लेकर आप कोई लेनदेन थोड़ा सोच समझकर करें। सरकारी कामों में आपको थोड़ा ध्यान देना होगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है, जो आपको खुशी देगी। आपको किसी विरोधी की बातों में आने से बचाना है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए भाग्य के दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आप टीमवर्क के जरिए किसी काम को आसानी से पूरा कर सकेंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी हो सकती है। आपके पिताजी आपसे काम को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं। बिजनेस कर रहे लोग यदि किसी योजना को लेकर परेशान थे, तो आज वह फाइनल हो सकती है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। आप दोस्तों के साथ कुछ समय बातचीत करने में व्यतीत करेंगे। यदि आपको किसी काम को लेकर कोई समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। आप किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी। बिजनेस कर रहे लोगों का धन यदि कहीं फंसा हुआ था, तो वह भी आपको प्राप्त हो सकता है।

सिंह- आज का दिन आपके लिए खुशियों से सराबोर रहने वाला है। आपको किसी से उधार का लेन-देन करने से बचना होगा। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर जिम्मेदारियां अधिक रहेगी। बैंकिंग क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को उनके कामों से एक नई पहचान मिलेगी। आपको अपने किसी काम को लेकर लापरवाही करने से बचना होगा। विद्यार्थी पढ़ाई-लिखाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और उन्हें कोई पुरस्कार भी मिल सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए मिलाजुला रहने वाला है। आपका कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ेगा। बिजनेस की नई योजनाएं शुरू हो सकती है, जो आपको बेहतर लाभ देगी। आपको किसी पुराने मित्र से लंबे समय बाद मिलकर खुशी होगी। आपको जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करना होगा, नहीं तो बेवजह के लड़ाई-झगड़ा बढ़ते रहेंगे। आपको यदि किसी काम को पूरा करने में समस्या आ रही थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है।

तुला- आज का दिन आपके लिए समस्याओं से भरा रहने वाला है। सामाजिक कामों में आप बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। आपको किसी काम को लेकर लापरवाही करने से बचना होगा। आपकी अपने सगे संबंधियों से मुलाकात होगी। आपको अपने पारिवारिक मामलो में किसी बाहरी व्यक्ति से सलाह लेने से बचना होगा। बच्चों की सेहत के प्रति आप थोड़ा ध्यान दें।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए सुखमय रहने वाला है। पारिवारिक जीवन में खुशियां भरपूर रहेंगी। संतान को आप किसी नए कोर्स में काफिला दिला सकते हैं। आपके घर किसी अतिथि का आगमन होने से आपके खर्चों में वृद्धि होगी। आपकी किसी नए साथी से मुलाकात हो सकती है, जिससे आपके दिल में उथल-पुथल रहेगी। आप अपनी शौक और मौज की चीजों पर भी अच्छा खासा खर्च कर सकते हैं। आप बेवजह खर्च करने से बचें, नहीं तो बाद में आपको धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है।

धनु- आज का दिन आपके लिए कुछ विशेषकर दिखाने के लिए रहेगा। आज का दिन आपकी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रहेगा, क्योंकि आप अपने कामों को आसानी से पूरा कर सकते हैं। बिजनेस में आप किसी के साथ कोई पार्टनरशिप करने से बचें। आपको किसी काम में थोड़ा सोच समझ कर आगे बढ़ना होगा। यदि आपने किसी से कोई वादा किया था, तो उसे भी आपको पूरा करने की आवश्यकता है। अब दूसरों के मामले में बेवजह ना बोले।

मकर- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आपका कोई जमीन-जायदाद से जुड़ा मुद्दा सुलझ सकता है। आप अपने पेंडिंग कामों को भी पूरा करने के पूरी कोशिश करेंगे। कोर्ट-कचहरी से संबंधित मामले आपको बेहतर लाभ देंगे। आप जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से बचें, नहीं तो समस्याएं बढ़ सकती हैं। वैवाहिक जीवन में आपको थोड़ा तालमेल बनाकर चलना होगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए इनकम को बढ़ाने वाला रहेगा। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को साथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। आपको अपने पारिवारिक मामलों को घर में रहकर ही निपटना बेहतर रहेगा। आपको वाणी पर थोड़ा संयम रखना होगा, नहीं तो आपकी कोई बात बनते-बनते बिगड़ सकती हैं। आप किसी विरोधी की बातों में ना आए।

मीन- आज का दिन नौकरी में कार्यरत लोगों के लिए अच्छा रहने वाला है। आपको किसी पुरानी छोड़ी हुई नौकरी से बुलावा आ सकता है। आप घूमने-फिरने में अच्छा खासा खर्च करेंगे, लेकिन आपको इन सबके साथ-साथ अपने कामों पर भी पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही आपकी किसी पुरानी समस्या को बढ़ा सकती है। आपको कार्यक्षेत्र में अपने सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। आपकी कुछ नया करने की इच्छा जागृत हो सकती है।

शब्दजाल - 7933

शब्दजाल में देश के दस राज्यों की राजधानियां ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

जयपुर,गांधीनगर,बैंगलोर,हैदराबाद, भोपाल, श्रीनगर, पटना, कोलकाता, मुंबई,भुवनेश्वर

गां	धी	न	ग	र	मा	ज	वा	ज	पे	यी
द	ह	ल	प्रे	व	जी	य	द	ह	कां	रा
वि	स	मा	म	को	ह	पु	म	ल	ख	म
मि	बैं	ग	लो	र	वा	र	ध	श्री	श	दु
श	आ	र	ग	बा	ज	ना	तू	न	झ	प
है	ल	ला	र	दि	द	मुं	ती	ग	घ	ट
द	व	भो	पा	ल	प	ब	ज	र	व	ना
रा	एं	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	न्हा
बा	ड	ल	को	ल	का	ता	आ	ग	शी	आ
द	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	भु	व	ने	श्व	र	त	ब	प	म

शब्दजाल - 7932 का हल

भा	क	ल	पा	कि	स्ता	न	धी	द	ल	ज
र	र	ल	दे	श्री	लं	का	इं	क्षि	ट	वा
त	स	त	ल	र्म	छ	रा	रा	ण	ख	द
आ	स्ट्रे	लि	या	पु	र	न्यू	प	अ	ली	ब
म	गा	दो	ग	ल्ला	लं	जी	तू	फ्री	झ	र्निं
बां	ग	ला	दे	श	न	लैं	ना	का	घ	हा
ल	अ	स	त	या	प	ड	श	ज	ला	लैं
पे	ता	दा	ई	ह	ब	सा	फ	रा	श	ड
स	बा	चे	न	ब्रा	जी	ई	री	ल	प	रु
त्ता	पा	ला	ल	के	न्या	दु	र	शा	स्त्री	ता
ह	रा	जी	व	गां	धी	रा	इं	ग्लैं	ड	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6877

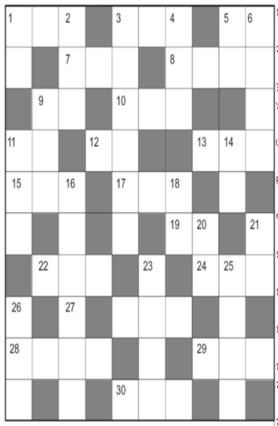

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6876

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

18 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

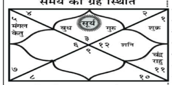

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.02 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कर्क	07.20 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.36 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.48 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	13.59 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.13 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.29 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.34 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.21 बजे से
		मीन	23.54 बजे से
		मेष	01.24 बजे से
		वृष	03.04 बजे से

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

बुधवार 2025 वर्ष का 169 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि सप्तमी 13.35 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 00.23 बजे रात्र को समाप्त। **योग** प्रीति 07.40 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.35 बजे तदनन्तर बालव 00.49 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 21.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872379
जूलियन दिन 2460844.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 21
विशेष कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7186

★☆☆☆☆ सरल

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7185 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

प्रसंगतः सबसे सुंदर कौन

एक व्यक्ति जिज्ञासु प्रवृत्ति का था। एक बार उसके मन में सवाल उठा कि सर्वोत्तम सौंदर्य क्या है? वह इसके उत्तर की खोज में चल पड़ा। उसने एक तपस्वी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी। तपस्वी बोले, 'श्रद्धा ही सबसे सुंदर है, जो मिट्टी को भी ईश्वर में परिवर्तित कर देती है।' वह व्यक्ति इस जवाब से संतुष्ट नहीं हुआ और आगे बढ़ गया। आगे उसे एक प्रेमी मिला जिसने कहा, 'इस दुनिया में सबसे सवोर्त्तम सौंदर्य सिर्फ प्रेम है। प्रेम के बल पर इंसान दुनिया की बड़ी से बड़ी ताकत को पराजित कर सकता है।' व्यक्ति को इससे भी संतुष्टि नहीं हुई। उस समय एक योद्धा रक्तरंजित, हताश लौट रहा था। उस व्यक्ति ने योद्धा से वह प्रश्न पूछा तो योद्धा बोला, 'शांति ही सबसे सर्वोत्तम है, क्योंकि युद्ध की विनाश लीला मैं स्वयं देखकर आ रहा हूं। मैंने देखा कि किस कदर ईर्ष्या और लोभ के वशीभूत लड़ा गया युद्ध अनेक जिंदगियां बरबाद कर देता है, कई घर उजाड़ देता है।' तभी एक स्त्री विलाप करती नजर आई। उस व्यक्ति ने उस स्त्री से इसका कारण जानना चाहा तो वह बोली, 'मेरी बेटी खेलते-खेलते जाने कहां चली गई है। मैं उसे ढूंढ रही हूं।' तभी स्त्री की पुत्री खेलते-खेलते उसके पास पहुंच गई। स्त्री ने उसे बांहों में भर लिया। युवक ने उससे भी वही प्रश्न किया। स्त्री बोली, 'मेरी नजर में तो ममता में ही सर्वोत्तम सौंदर्य छिपा हुआ है।' स्त्री की बातों से उस व्यक्ति को अपने घर की याद आ गई। उसे अहसास हुआ कि पिछले कई दिनों से वह अपने घर से बाहर है। वह घर के लिए चल पड़ा। घर पहुंचने पर उसकी पत्नी और उसके बच्चे उससे लिपट गए। उन्हें देखकर उसे असीम शांति की प्राप्ति हुई। उसे लगा उसका परिवार ही सर्वोत्तम सौंदर्य है। लेकिन फिर उसने सोचा कि वास्तव में सर्वोत्तम सौंदर्य के प्रत्येक व्यक्ति के लिए अलग-अलग अर्थ हैं और जिसके पास उनमें से जो अर्थ मौजूद है उसकी नजरों में वही सबसे महत्वपूर्ण है।

शब्द पहेली - 8401

बाएँ से दाएँ

1. रमण योग्य-4
4. साल,वर्ष-3
6. बांया-2
7. राय,वोट-2
9. तकरार,कहासुनी-4
11. अंधकार,अंधेरा-3
12. सरल,आसान-3
13. चील,ईगल-2
14. देवदास की प्रेमिका-2
15. सूली,क्रूस-3
17. कारण-3
19. मन को हरने वाला-4
21. कार्य,काज-2
23. बाण,तीर-2
24. दबाना,कुचलना-3
25. हाथी चलाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. परंपरा,रीति-रिवाज-4
2. संस्कृत में 'मेरा'-2
3. भरोसा,विश्वास-3
4. दीदी,भगिनी-3
5. समान,एक जैसा-2
8. अंधेरा,अंधकार-3
9. बोरिया बिस्तर-4
10. रिहा-2
12. तालाब,जलाशय-4
15. तमीज,शिष्टता-3
16. मछली,एक राशि-2
18. ज्वरताप-4
19. चिंतन,विचार-3
20. रनिवास (उर्दू-3)
22. नशा,अभिमान-2
23. पार्थिव देह,लाश-2

शब्द पहेली -8400 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई । बीएसई सेंसेक्स 212.85 अंक तकरीबन (0.26 फीसदी) की गिरावट के साथ ही 81,583.30 अंकों पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 93.10 अंकों (0.37फीसदी) नीचे आकर 24,853.40 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ पर आज आज बाजार ने ये तेजी गंवा दी। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से केवल 9 कंपनियों के शेयरों में ही बढ़त रही जबकि बाकी की 21 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए और बाकी की सभी 39 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा

1.71 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि सनफार्मा के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.18 फीसदी की गिरावट रही। वहीं सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज , इंफोसिस 0.92, मारुति सुजुकी 0.60, एनटीपीसी 0.48, टीसीएस 0.46, एचसीएल टेक 0.40, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.18 और पावरग्रिड के शेयर 0.12 फीसदी की बढ़त पर बंद हुए जबकि एटरनल (जोमेटो) के शेयर 1.92 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.70 फीसदी , बजाज फाइनेंस 1.58 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.40फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.28फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.28फीसदी, टाटा स्टील 0.97फीसदी, टाइटन 0.88फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.87फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.62फीसदी, रिलायंस 0.50फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.45फीसदी, भारती एयरटेल 0.40फीसदी, एक्सिस बैंक 0.37फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.28फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.20फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो 0.18फीसदी, आईटीसी 0.12फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.11फीसदी की गिरावट पर बंद हुए।

सड़कों पर आ रही हाइड्रोजन क्रांति

नई दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर इकाई से लेकर लेह के ठंडे इलाकों अथवा नई दिल्ली की भीड़भाड़ वाली सड़कों तक भारत का वाणिज्यिक वाहन उद्योग हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों के जरिये ईंधन में बदलाव को रफ्तार दे रहा है। ईंधन में बदलाव की इस क्रांति का नेतृत्व अशोक लीलैंड और टाटा मोटर्स जैसी प्रमुख वाहन कंपनियां कर रही हैं। कई उद्योग के दिग्गज भी इस ओर छलांग लगाने की तैयारी कर रहे हैं। कुछ कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के विस्तार हैं, लेकिन मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) भी भविष्य के लिए रणनीतिक तौर पर कदम बढ़ा रहे हैं। उदाहरण के लिए अशोक लीलैंड ने 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज से साझेदारी के तहत हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाला देश का पहला ट्रक उतारा था। फिलहाल 20 से अधिक ऐसे वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं और दो साल में ही इन वाहनों ने करीब 2.5 लाख किलोमीटर नाप लिए हैं। हाइड्रोजन से चलने वाले ये वाहन दक्षता के मामले में भी डीजल वाहनों के बराबर हैं। इतना ही नहीं, कंपनी ने दिल्ली, लेह एवं लद्दाख में हाइड्रोजन फ्यूल सेल वाली बसें तैनात करने के लिए एनटीपीसी ग्रीन के साथ करार भी किया है। टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन इंजन और फ्यूल सेल वाले दो ट्रकों का परीक्षण शुरू कर दिया है। परीक्षण मार्च में शुरू हुआ था जो अगले 24 महीनों तक चलेगा। इसमें विभिन्न भार क्षमता वाले 16 हाइड्रोजन ईंधन वाले वाहनों को शामिल किया जाएगा। इन ट्रकों का परीक्षण प्रमुख मार्गों पर किया जाएगा जिनमें मुंबई, पुणे, दिल्ली एनसीआर, सूरत, वडोदरा, जमशेदपुर और कलिंगनगर शामिल हैं। टाटा मोटर्स के ग्रुप सीएफओ पीबी बालाजी ने हाल में कहा था, 'हमने अपने पहले हाइड्रोजन ट्रकों की शिपिंग भी शुरू कर दी है।

आने वाले हफ्तों में खाद्य तेलों की कीमतों में आएगी गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू खुदरा बाजार में आने वाले हफ्तों में खाद्य तेलों की कीमतों में गिरावट होगी है। इसकी वजह रिफाइनर्स की ओर से लागत में कमी को ग्राहकों को हस्तांतरित करना है। रिपोर्ट में कहा गया कि खाद्य तेलों की कीमतों में कमी आने की संभावना की वजह केंद्र सरकार द्वारा 30 मई को कस्टम ड्यूटी में कटौती करना है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने खाद्य तेल कंपनियों को अपने अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में कमी करने और वितरक को मूल्य (पीटीडी) दरों पर साप्ताहिक अपडेट करने के निर्देश दिए हैं। मई में खाद्य मुद्रास्फीति घटकर 2.8 प्रतिशत पर आ गई और भारतीय मौसम विभाग ने सामान्य से अधिक मजबूत मानसून का अनुमान जाहिर किया है, इन घटनाक्रमों से सामूहिक रूप से खाद्य तेल की खुदरा कीमतों में गिरावट के ट्रेंड को रफ्तार मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में बताया गया कि कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच शुल्क अंतर में वृद्धि से घरेलू रिफाइनरों की प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ेगी। कच्चे पाम तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को अब घटाकर 10 प्रतिशत की गई है और रिफाइंड खाद्य तेलों पर कस्टम ड्यूटी 32.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित है, जिससे कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच कस्टम ड्यूटी अंतर 8.25 प्रतिशत से बढ़कर 19.25 प्रतिशत हो गया है। संशोधित कस्टम ड्यूटी स्ट्रक्चर से प्रमुख खिलाड़ियों को लाभ मिलने की उम्मीद है क्योंकि इससे रिफाइनर रिफाइंड तेलों के बजाय कच्चे खाद्य तेल के आयात को प्राथमिकता देगा। भारत खाद्य तेलों में दुनिया का सबसे बड़ा आयातक है। देश अपनी जरूरतों का 55-60 प्रतिशत इंडोनेशिया और मलेशिया से आयात करता है। ऑयल साल 2023-24 में भारत ने 15.96 मिलियन टन (एमटी) खाद्य तेलों का आयात किया है। इसमें पाम ऑयल की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत थी, जबकि बाकी की हिस्सेदारी सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल की थी।

विकास कार्यों की अनदेखी से नाराज़ नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर आज से देंगे धरना

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर में विकास कार्यों की धीमी गति और अधूरे प्रोजेक्टों को लेकर जनता और जनप्रतिनिधियों में भारी नाराज़गी है। नगर परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारियों की निष्क्रियता के चलते वार्ड क्रमांक 01 से 15 तक कई महत्वपूर्ण कार्य अभी तक शुरू नहीं हो पाए हैं। कुछ कार्य तो समय-सीमा पूरी होने के बाद भी अधूरे पड़े हैं। इस संबंध में नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप कुमार रामटेक्कर ने बताया कि उनके द्वारा कई बार लिखित और मौखिक रूप से अधिकारियों को इन कार्यों के बारे में अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। 09 जून 2025 को उन्होंने एक पत्र भेजकर निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी मांगी थी, लेकिन आज दिनांक तक उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। इसी के चलते आज 18 जून 2025 से नगर परिषद प्रांगण में उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर के द्वारा धरना प्रदर्शन शुरू किया जाएगा।

उनके द्वारा उठाए गए प्रमुख मुद्दे इस प्रकार हैं - मुख्य मार्गों की जल निकासी और नालियों की सफाई अभी तक नहीं हो सकी, जबकि वर्षाकाल शुरू हो चुका है।जल आवर्धन योजना का कार्य 2018 से चल रहा है, जिसकी समय-सीमा 18 माह थी, लेकिन 2025 तक भी नगरवासियों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पाया है।सालेटेकरी रोड डिवाइडर निर्माण कार्य की समय-सीमा 30 मार्च 2025 को समाप्त हो चुकी, फिर भी कार्य अधूरा है। सुभाष चौक से बालाघाट एवं आमगांव रोड मॉडल रोड योजना की लागत करीब 1.88 करोड़ रुपये है, लेकिन विद्युत पोल शिफ्टिंग की गलती के कारण कार्य अभी तक पूरा नहीं हो सका। गणेशी तालाब सौंदर्यीकरण कार्य की डेडलाइन 30 जून 2025 थी, लेकिन कार्य बहुत धीमी गति से चल रहा है। वार्ड क्रमांक 10 से 15 तक नाली निर्माण, जिसका भूमिपूजन मार्च में हो चुका है, आज तक शुरू नहीं हुआ।वार्ड क्रमांक 03 की नाली, जिसका भूमिपूजन 6 माह पहले हुआ था, अब भी अधूरी है। वार्डवासियों को गंदगी से जूझना पड़ रहा है। वार्ड क्रमांक 08 में लंजकाई मंदिर से किले तक पेवर ब्लॉक का कार्य लगभग 1 वर्ष से अधूरा है। वार्ड क्रमांक 01 में कायाकल्प 2.0 योजना के अंतर्गत कार्य 18 माह पूर्व भूमिपूजन के बावजूद शुरू नहीं हुआ। नगर परिषद के मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं उपयंत्री अमित नगपुरे की लापरवाही और उदासीनता के कारण ये कार्य समय पर पूरे नहीं हो पा रहे हैं। नगर परिषद उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर का कहना है कि यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो विरोध और तेज़ किया जाएगा।

देवरबेली के ग्राम बरगुड, टेमनी, सायर हर्राडेही में जनजातीय शिविर का हुआ आयोजन

शिविर में 103 आधार कार्ड एवं 89 आयुष्मान कार्ड बनाये गये

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने तथा शासन की विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाने के लिए प्रधानमंत्री जनजाति न्याय अभियान एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत 15 जून से 30 जून तक जिले में विशेष शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर जिले के विभिन्न जनजातीय की

तहसीलों की ग्राम पंचायतों में आयोजित किये जा रहें है। इन शिविरों के माध्यम से जिला अंतर्गत विभिन्न ग्रामों के जनजातीय क्षेत्रों के समुदायों के आधार कार्ड, आयुष्मान कॉर्ड व शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ जनजातीय क्षेत्र के समुदायों तक सुनिश्चित कराना 15 जून से प्रारम्भ हो गया है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में आयोजित इन शिविरों में पटवारी, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक, एएनएम, सीएचओ, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं आशा के द्वारा शिविरों की मॉनिटरिंग की जाएगी। इसी कड़ी में 16 एवं 17 जून को जनपद पंचायत लांजी अन्तर्गत ग्राम पंचायत देवरबेली के ग्राम बरगुड, टेमनी, सायर हर्राडेही में जनजातिय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हितग्राही मूलक योजनाओं से लाभान्वित किया गया। शिविर में 103 आधार कार्ड एवं 89 आयुष्मान कार्ड बनाये गये तथा अन्य योजनाओं के तहत भी हितग्राहियों को लाभान्वित किया गय। संपूर्ण शिविर जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, एसडीएम कमलचंद सिंहसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी लांजी रामगोपाल यादव के मार्गदर्शन व निर्देशन में आयोजित किया गया जिसमें प्रमुख रूप से प्रचांयत एवं ग्रामीण विकास विभाग से पंचायत समन्वयक अधिकारी लेखराम रामटेक्कर, सचिव बरसाती परते, रोजसा राजेन्द्र सिंह धुर्वे, सरपंच सुरेन्द्र मड़ावी, राजस्व विभाग से संदीप मरकाम पटवारी, राजू बिलगौर विक्रेता राशन, एकता पन्द्रे कृषि विस्तार अधिकारी, सुरेन्द्र धुर्वे जनजाति विभाग, नामबती यादव महिला बाल विकास, साहिद अली मेट, बैंक मित्र हिरेश यादव उपस्थित रहे।

विधायक राजकुमार कर्राहे के जन्मदिन पर लोगों ने पुष्पगुच्छ भेंट देकर दी बधाईयां

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी किरनापुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे का 48वॉं जन्म दिवस 17 जून को भाजपा कार्यकर्ताओं, ईष्ट मित्रों एवं परिवार द्वारा मनाया गया। सुबह से ही श्री कर्राहे के निवास स्थान पर जन्म दिवस की शुभकामनाऐं प्रेषित करने के लिये पार्टी कार्यकर्ताओं एवं ईष्ट मित्रो की भीड़ नजर आई जहां उनके द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर, मिष्ठान खिलाकर राजकुमार कर्राहे को जन्म दिवस की शुभकामनाऐं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

भगवान कोटेश्वर नाथ का पूजन अर्चन कर क्षेत्र के खुशहाली की कामना

विधायक राजकुमार कर्राहे अपने जन्म दिवस के अवसर पर परिवार एवं ईष्ट मित्रों के साथ कोटेश्वर धाम पंहुचे जहां उन्होने भगवान कोटेश्वर नाथ का रूद्राभिषेक पूजन अर्चन कर श्री कोटेश्वर नाथ से देश प्रदेश एवं क्षेत्र के खुशहाली के लिये प्रार्थना की है।

सरल स्वभाव के राजकुमार का छात्र राजनीति से विधायक तक का सफर

लांजी किरनापुर क्षेत्र के विधायक राजकुमार कर्राहे 17 जुन 2025 को अपना 48वॉं जन्म दिवस मना रहे। विधायक राजकुमार कर्राहे अपने सरल और मिलनसभा व्यक्तित्व संपूर्ण क्षेत्र एवं प्रदेश में जाने जाते है। आपने अपने राजनैतिक जीवन की शुरूवात छात्र राजनीति से प्रारंभ की थी। मध्यप्रदेश विधानसभा 2023 के चुनाव में भाजपा ने राजकुमार कर्राहे पर विश्वास जताया जहां वे उस विश्वास पर खरे उतरे तथा लांजी किरनापुर विधासभा क्षेत्र को विधायक के रूप में एक सरल मिलनसार व्यक्तित्व का धनी राजकुमार कर्राहे के रूप में मिला। बतादे कि बहुत छोटी उम्र से राजकुमार कर्राहे क्षेत्र की सेवा कर रहे है। सन 1996 में लांजी में कोई छात्र संगठन नहीं था। बी.ए. की पढाई शासकीय कला महाविद्यालय लांजी से करते हुए अपने साथीयों के साथ मिलकर एकता विद्यार्थी परिषद का गठन किया

तथा महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए दो बार आंदोलन कर स्थानीय प्रतिनिधि एवं राज्य सरकार से मांग करते रहे एवं छात्रो के हितों के लिए हमेशा लडते रहे। 15 जुलाई 1998 में भाजपा युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष बने। 07 जुलाई 1999 को युवा मोर्चा लांजी के मण्डल अध्यक्ष बन भाजपा के संगठन को मजबूत बनाने का कार्य लगातार करते रहे। जनवरी 2005 में पंचायत का चुनाव होना था। लांजी क्षेत्र के जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 09 जंहा से भाजपा के उम्मीदवार अब तक चुनाव नहीं लडते थे उसे अपनी कर्म भूमि बनाकर जिला पंचायत का चुनाव लड जीत दर्ज कर भाजपा का परचम लहराया। भाजपा ने आपकी प्रतिभा को देखकर 22 अगस्त 2005 को भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद का दायित्व सौंपा। अपने दायित्व व पार्टी के प्रति निष्ठा के कारण ही आप जनपद सदस्य के चुनाव में विजयी श्री हासिल की। जनवरी 2010 में जनपद पंचायत के अध्यक्ष पद के लिए हुए मतदान में 24 में से 19 मत लेकर जनपद अध्यक्ष नियुक्त हुए। और 5 वर्षो तक उत्कृष्टता के साथ जनपद अध्यक्ष पद का संपूर्ण कर्तव्यों एवं दायित्वों के साथ निर्वहन किया। 2004 से 2009 तक सांसद प्रतिनिधि एवं 2011 में शासकीय कला महाविद्यालय लांजी के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष पद पर आसीन रहे। सन 2014 में किसान मोर्चा बालाघाट के जिला अध्यक्ष बने अपने युवा वर्ग में लोकप्रियता के कारण लोधी युवा महासभा के संभागीय अध्यक्ष का कार्य का भी दायित्व निभाया। राजनीति के साथ-साथ पढ़ाई की ओर ध्यान होने के कारण बी.ए., एम.ए. राजनीति शास्त्र, एल.एल.बी. की भी शिक्षा प्राप्त किया। अपने सरल स्वभाव व ईमानदार छवि के कारण ही हर वर्ग में आप एक लोकप्रिय नेता के रूप में पहचाने जाते है। समय आया 2023 विधानसभा आम चुनाव का जहां भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेतृत्व ने राजकुमार कर्राहे के नाम को केन्द्रीय नेतृत्व के सामने रखा और प्रत्याशी के रूप में राजकुमार के नाम पर मोहर लगी। यह बात तो सामने थी ही कि राजकुमार कर्राहे आज तक जीन भी चुनावी प्रक्रिया में हिस्सा लिया है वे सभी चुनाव में विजयश्री हासिल की है। आपका सरल और सहज स्वभाव इस बात का परिचय देता है। 3 दिसंबर को जब लांजी किरनापुर क्षेत्र का परिणाम सामने आया तो एक बार फिर उस बात पर मोहर लग गई की राजकुमार कर्राहे आज तक जिन चुनावी रण मे हिस्सा लिया है उस रण को हमेशा जीते है। आज राजकुमार भैया उसी सरल एवं सहज स्वभाव के साथ कार्य करते नजर आ रहे है। लांजी विधानसभा क्षेत्र के चंहुओर विकास का प्रण लेते हुये करोड़ो रूपये के कार्य आज लांजी विधानसभा क्षेत्र में चल रहे है। अपने प्रत्येक कार्यकर्ताओ एवं जो भी श्री कर्राहे के पास अपनी समस्या लेकर पंहुचते है वे उन्हे सुन त्वरित निराकरण के लिये प्रयास भी करते है। इसके अलावा आप क्षेत्र के युवाओ, छात्र छात्राओं एवं जनता को मार्गदर्शित भी करते है। खेल के प्रति आपकी पहले से ही रूचि रही है क्रिकेट, व्हॉलीबाल, फुटबॉल, बैडमिंटन खेल के आप उत्कृष्ट खिलाड़ी रहे तथा युवाओ को खेल के प्रति प्रोत्साहित करते है। श्री कर्राहे ने अपने जन्म दिवस पर मिली बधाईयों को लेकर आभार व्यक्त करते हुये कहा है कि आप सभी अपने जन्म दिवस पर एक पेड़ अवश्य लगाये और पर्यावरण संरक्षण में सहायता करे।

ग्रीष्म कालीन खेल शिविर का हुआ समापन

खेलो से होता शरीर का सर्वांगीण विकास-विधायक कर्राहे

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स एकेडमी लांजी में 1 मई से 15 जून तक ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा चलाया गया, जिसमें वाल्लीबॉल और कबड्डी का प्रशिक्षण दिया गया। लगभग 120 बच्चों ने 45 दिनों तक इस प्रशिक्षण में भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को खेल के प्रति जागरूक करने के लिए समय-समय पर वरिष्ठजनों को आमंत्रित किया गया। शिविर के अंत में विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जनपद पंचायत लांजी के सीईओ रामगोपाल यादव, भाजपा युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष गौरव बैस और शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय लांजी के प्रभारी प्राचार्य श्री बनोठे ने शहीद भगत सिंह की तस्वीर पर माल्यार्पण कर की। प्रतियोगिता में 15 टीमों ने हिस्सा लिया। कबड्डी प्रतियोगिता में पहला स्थान भगत सिंह स्पोर्ट्स एकेडमी लांजी एवं दूसरा स्थान यूथ क्लब पौसेरा रहा। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में पहला स्थान चिखली एवं दूसरा स्थान डोंगरगांव का रहा। विजेता और उपविजेता टीमों को थाना प्रभारी वीभेन्द्रु व्यंकट टांडिया, वन विभाग के रेंजर लक्ष्मण सिंह मीणा और डॉ. रोहित ठाकुर (आयुष विभाग) ने शील्ड देकर सम्मानित किया। उक्त संपूर्ण शिविर का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग से प्रज्ञात वासनिक के सफल मार्गदर्शन् एवं निर्देशन में आयोजित किया गया।

विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्यातिथ्य में हुआ समापन

17 जून को समापन समारो लांजी-किरनापुर विधायक राजकुमार कर्राहे के मुख्यातिथ्य में तथा जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे और गौरव बैस के विशिष्ट आतिथ्य में संप्रन्न हुआ। बतादे की 17 जून को विधायक राजकुमार कर्राहे जी का जन्म दिवस था जहां सभी खिलाडि?ों एवं प्रशिक्षको तथा अतिथि गणों के द्वारा केक काटकर राजकुमार कर्राहे जी का जन्म दिवस हर्षोल्हास के साथ मनाया गया। वहीं समापन समारोह के अन्तर्गत विधायक कर्राहे के हस्ते प्रशिक्षकों को ट्रैकसूट भेंट किए गए और सभी खिलाडि?ों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समापन समारोह में स्पोर्ट्स एकेडमी के सीनियर खिलाड़ी राकेश मर्सकोले, साहिल पांडे, यस वानखेडे, वरुण बड़मे, भगवन्ति, रितेश आमाडारे, कैश खान, शुभम रामटेके, राजू चोरवाड़े, अमोल सोनवाने, मंशा घोंगड़े, कशिश बरसागड़े, क्रिष्टि कोठारे, कीर्ति उपराड़े सहित सभी खिलाड़ी मौजूद रहे।

गायत्री शक्तिपीठ में 21 जून को मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर के बस स्टैंड भिलाई रोड स्थित गायत्री शक्तिपीठ लांजी में प्रति वर्ष अनुसार इस वर्ष भी 21 जून दिन शनिवार को प्रात: 6 बजे से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया है। इस संबंध में गायत्री

शक्तिपीठ के परिव्राजक विनोद तिड़के ने जानकारी बताया कि शक्ति पीठ में आगामी 21 जून के कार्यक्रम की तैयारी प्रारंभ कर दी गई है। कार्यक्रम के पूर्व से ही प्रात: 6 से 7 तक गायत्री शक्तिपीठ के योग प्रभारी पी एल जैतवार एवं एस एल पांडे द्वारा योग कराया जा रहा है। नगर के सभी भाई बहनों एवं युवाओं से निवेदन किया गया है कि वे गायत्री शक्तिपीठ लांजी में जारी योग शिविर में शामिल होकर योग को अपने प्रतिदिन के जीवन में उतारें एवं स्वस्थ रहें।

एसडीएम ने अनाधिकृत कॉलोनी में रजिस्ट्री पर लगाई रोक

बालाघाट (पद्मेश न्यूज)। एसडीएम वारासिवनी श्री आरआर पांडे द्वारा अनाधिकृत कॉलोनी में रजिस्ट्री पर रोक लगायी है। उन्होंने वारासिवनी तहसील अंतर्गत ग्राम कटंगटोला प.ह.नं. 39, रानिमं स्थित भूमि खसरा नंबर 240 रकबा 0.283 हेक्टे, पर भूमिस्वामी अजय मेहरचंदानी/ करमचंद,नन्दलाल/ अर्जुनदास, विजय बचवानी/ मोहनलाल, महेश जीवतानी/ प्रतापराय व कालोनाइजर नितिन पारधी, प्रताप पटले के द्वारा बिना अनुमति के 2025-26 में अवैध प्लाटिंग/कालोनी विकसित करने पर भूमि के भू-खण्ड के क्रय विक्रय एवं पंजीयन (रजिस्ट्री) पर रोक लगाने के आदेश दिए गए है।

अवैध अतिक्रमण की शिकायत पर पटवारी ने की पंचनामा कार्यवाही

किरनापुर(पद्मेश न्यूज)। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत बिनोरा शासकीय भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण कर भेजा कब्जा किए जाने की शिकायत पर हल्का पटवारी द्वारा मौका स्थल का निरीक्षण करते हुए पंचनामा कार्यवाही कर प्रतिवेदन तैयार किया गया है। इस संबंध मे प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रामीण शिकायतकर्ताओं ने तहसील कार्यालय किरनापुर मे ग्राम मे शासकीय भूमि पर भेजा कब्जा करते हुए अतिक्रमण किए जाने की शिकायत कर अतिक्रमण हटाने की मांग को गई थी। जिस पर हल्का पटवारी प्रतीक्षा बिहोने तहसीलदार से मिले निर्देश पर मौका स्थल पर पहुंचकर नाप जोक किया गया। जिस पर उन्हे ग्राम पंचायत बिनोरा के समीप ही तीन लोगों जिनमे ईठा बाई पति बुधराम हाथीमारे जाति कुनबी अवैध रूप से कब्जा कर पक्का निर्माण कार्य किए जाने,यादोराव पिता धनीराम कावरे जाति मरार बिनोरा निवासी द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर अवैध रूप से शराब बिक्री किए जाने,उदाराम पिता कुलपथ बाहे जाति मरार द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर टीन शेड बनाए जाने का पंचनामा तैयार किया गया। तथा प्रतिवेदन तहसील

कार्यालय किरनापुर मे जमा किए जाने की बात कही गई। उल्लेखनीय है कि अतिक्रमण कारियो द्वारा इतने वर्षो से अतिक्रमण कर पहले कच्चा फिर पक्का निर्माण कार्य किया गया तब तक ग्राम पंचायत द्वारा किसी प्रकार से कोई कार्यवाही नहीं की गई जिसे ग्रामीणों द्वारा अतिक्रमण कर्ताओं को ग्राम पंचायत की मौन स्वीकृति मिली होना बताया जा रहा है। वही इस संबंध मे ग्राम के नागरिकों द्वारा तहसील कार्यालय मे इस बाबद शिकायत की गई है जिसके चलते उक्त कार्यवाही की गई। बहरहाल इस कार्यवाही के दौरान ग्राम पंचायत सरपंच नेहा हाथीमारे, ग्राम स्थाई पुलिस पटेल यशवंत राव हाथीमारे, प्रेमलाल हाथीमारे, प्रेमलाल पाँचे, लक्ष्मण पंचशील, रवि शंकर हाथीमारे सहित अनेक ग्रामीण नागरिक मौजूद रहे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मंत्रि-परिषद ने म.प्र. लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 का किया अनुमोदन

2 लाख नवीन पद होंगे निर्मित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद का

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 का अनुमोदन किया गया है। अनुमोदन अनुसार आरक्षित वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर उनके हितों को संरक्षित किया गया है। अनुसूचित जनजाति के लिये 20त्न एवं अनुसूचित जाति के लिये 16त्न आरक्षण का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोकसेवकों को भी मेरिट के आधार पर पदोन्नति प्राप्त करने का अवसर दिया गया है।

वर्तमान वर्ष में ही आगामी वर्ष की रिक्तियों के लिए पदोन्नति समिति की बैठक कर चयन सूची बनाये जाने का प्रावधान किया गया है, अर्थात अग्रिम डी.पी.सी. के प्रावधान किये गये है। पदोन्नति के सूत्र में वरिष्ठता का पर्याप्त ध्यान रखा गया है। वरिष्ठ लोक सेवकों में से मेरिट के अनुसार न्यूनतम अंक लाने वाले लोक सेवक पदोन्नति के लिए पात्र होंगे, प्रथम श्रेणी के लोक सेवकों के लिए द्वद्दह्लद्बह्ल ष्द्घ ह्यद्गठ्ठद्बश्रह्लद्बह्ल4 का प्रावधान किया गया है।

पदोन्नति के सूत्र में कार्यदक्षता को प्रोत्साहित किया जाना लक्षित है, पदोन्नति के लिए अपात्रता का स्पष्ट निर्धारण किया गया है। किन परिस्थितियों में कोई लोक सेवक अपात्र होगा एवं दण्ड का क्या प्रभाव होगा यह स्पष्ट रूप से लेख किया गया है। किसी भी विभागीय पदोन्नति समिति बैठक के सन्दर्भ में निर्णय के पुनर्विलोकन के लिए रिव्यू डी.पी.सी. की बैठक आयोजित किये जाने के लिये स्पष्ट प्रावधान किये गये है। नवीन पदोन्नति नियमो में परिभ्रमण की व्यवस्था समाप्त की गई है। इससे पदोन्नति के लिए अधिक पद हो सकेंगे। पदोन्नति समिति

को शासकीय सेवक की उपयुक्तता निर्धारण करने का अधिकार दिया गया है

चतुर्थ श्रेणी के लिये अंक व्यवस्था नहीं होगी, केवल पदोन्नति के लिए उपयुक्त होने पर ही पदोन्नति प्राप्त हो सकेगी। अर्हकारी सेवा के लिए किसी वर्ष में की गई आंशिक सेवा को भी पूर्ण वर्ष की सेवा माना जायेगा, यदि वर्ष के एक भाग की सेवा भी की गई है तो उसे पूर्ण वर्ष की सेवा माना जाएगा। यदि किसी वर्ष में 6 माह का ही गोपनीय प्रतिवेदन उपलब्ध है तो उसे पूर्ण वर्ष के लिये मान्य किया जा सकेगा। यदि गोपनीय प्रतिवेदन उपलब्ध नहीं होने के कारण किसी की पदोन्नति रुकती है तो उसे पदोन्नति प्राप्त होने पर पूरी वरिष्ठता दी जायेगी। अप्रत्याशित रिक्तियों को चयन सूची/प्रतीक्षा सूची से भरे जाने का स्पष्ट प्रावधान किया गया है।

प्रतिनियुक्ति पर भेजे गए शासकीय सेवक (जो आगामी वर्ष अर्थात पदोन्नति वर्ष में उपलब्ध नहीं होंगे) के पद के विरुद्ध पदोन्नति का प्रावधान किया गया है। गोपनीय प्रतिवेदनों में से यदि कोई गोपनीय प्रतिवेदन एन.आर.सी (नो रिपोर्ट सर्टिफिकेट), सक्षम स्तर से स्वीकृत अवकाश, पदग्रहण काल अथवा प्रशिक्षण के कारण है अथवा गोपनीय प्रतिवेदन में निर्धारित समय पर स्वमूल्यांकन के साक्ष्य है तो ऐसी स्थिति में गोपनीय प्रतिवेदन की अनुपलब्धता के आधार पर पदोन्नति नहीं रोकी जायेगी।

विभागीय पदोन्नति समिति के बैठक से पूर्व केवल कारण बताओ सूचना पत्र के आधार पर बंद लिफाफा की कार्यवाही नहीं की जायेगी, जिससे अधिक लोक सेवकों को पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। कुल मिलाकर पदोन्नति के पद जिस दिन उपलब्ध हो उसी दिन उपयुक्त योग्य एवं आरक्षित वर्गों के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखकर भरे जा सके। इस तरह से लगभग 2 लाख नए पद निर्मित होंगे। इससे प्रशासन में सुधार एवं कार्यक्षमता बढ़ेगी।

459 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना, संचालन तथा भवन निर्माण के लिए 143 करोड़ 46 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 योजना अंतर्गत विशेष जनजाति क्षेत्रों में क्क-छ्वहृरूह्र कार्यक्रम के लिए 459 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना, संचालन तथा भवन निर्माण की स्वीकृति दी गयी।स्वीकृति अनुसार 459 आंगनवाडी केन्द्रों के संचालन के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 459 पद (मानसेवी), आंगनवाड़ी सहायिका के 459 पद (मानसेवी) तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों के पर्यवेक्षण के लिए पर्यवेक्षक के 26 पद (नियमित शासकीय सेवक पद वेतनमान 25,300-80,500) के सृजन की स्वीकृति दी गयी है। वर्ष 2025-26 से 2030-31 तक योजना पर राशि का व्यय भारत सरकार ?द्वारा प्राप्त स्वीकृति के अनुसार किया जायेगा। योजना पर 143 करोड़ 46 लाख रूपये का व्यय अनुमानित है। इसमें केन्द्रांश राशि 72 करोड़ 78 लाख रूपये और राज्यांश राशि 70 करोड़ 68 लाख रूपये होगा ।

म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए 5 हजार 163 करोड़ रुपये का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश की विद्युत पारेषण कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-30 के लिए प्रचलित/निर्माणाधीन पूंजीगत योजनाओं और अनुमानित लागत राशि 5 हजार 163 करोड़ रूपये का अनुमोदन दिया गया। निर्णय अनुसार म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के लिए योजना लागत राशि 5 हजार 163 करोड़ रुपये का अनुमोदन प्रदान किया गया। योजना के लिए 20 प्रतिशत अंशपूंजी राज्य शासन के द्वारा तथा शेष 80 प्रतिशत ऋण वित्तीय संस्थाओं/बैंकों से प्राप्त किया जाएगा।

योजनान्तर्गत आगामी वर्षों में अति उच्चदाब पारेषण परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए यथा केंद्रीय पारेषण इकाई से स्वीकृत पारेषण प्रणाली सुदृढीकरण के लिए आवश्यक निर्माण और उन्नयन कार्य के लिए 1 हजार 154 करोड़ रूपये, सिंहस्थ-2028 के लिए आवश्यक कार्य के लिए 185 करोड़ रूपये, प्रदेश में नवीन अति उच्चदाब उपकेन्द्रों का निर्माण के लिए 1 हजार 15 करोड़ रूपये, मुरैना संभागीय मुख्यालय और ग्वालियर शहर के उत्तरी भाग को अनवरत विद्युत् आपूर्ति के लिए नवीन अति उच्चदाब लाइनों के निर्माण के लिए 54 करोड़ रूपये, प्रदेश में विद्यमान अति उच्दाब ट्रांसफार्मरों की क्षमता संवर्धन/वृद्धि के लिए 1280 करोड़ रूपये, आरडीएसएस योजना के अंतर्गत वितरण कंपनियों के लिए 184 नग नवीन 33 केव्ही बे निर्माण के लिए 81 करोड़ रूपये, डीपी / एफपी लाइन (डबल पोल/फोर पोल) लाईन को डीसीडीएस /डीसीएसएस (डबल सर्किट डबल स्ट्रन्ग/डबल सर्किट सिंगल स्ट्रन्ग) टॉवर लाइन में रुपांतरण के लिए 662 करोड़, अति उच्चदाब टेप लाइनों के स्थान पर लाईनों का लूप-इन लूप-आउट (एलआईएलओ) किया जाना एवं एकल स्त्रोत से प्रदायित उपकेंद्रों के लिए नई लाइनों का निर्माण के लिए 451 करोड़ रूपये तथा अन्य कार्य जिसमें स्ष्टष्ठ प्रणाली का प्रतिस्थापन, 132 केवी ?द्वितीय मुख्य बस तथा 132/33 केवी बस कपलर का निर्माण, 33 केवी कैपेसिटर बैंक की स्थापना एवं अन्य कार्य) के लिए 281 करोड़ रूपये स्वीकृत किये गये है।

पांढुर्णा, मैहर और मउगंज में जिला कोषालय की स्थापना का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा नव गठित जिलों पांढुर्णा, मैहर और मउगंज में जिला कोषालय की स्थापना का अनुमोदन किया। मंत्रि-परिषद की बैठक वंदे-मातरम गान के साथ प्रारंभ हुई।

साइबर पुलिस ने लड़कियों के लिए जारी की एडवाइजरी

फर्जी प्रेमजाल में फंसाकर युवतियों को बनाते हैं शिकार

भोपाल। मध्य प्रदेश में बढ़ रहे लव जिहाद के मामलों के बाद राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय प्रदेश ने छात्राओं और महिलाओं के लिए एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में बताया गया है कि कैसे फर्जी प्रेमजाल में फंसाकर युवतियों को नशा, यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग का शिकार बनाया जा रहा है। खासकर सोशल मीडिया के जरिए लड़कियों को अपराधी अपने जाल में फंसा रहे हैं।

साइबर पुलिस की एडवाइजरी के मुताबिक अपराधी स्कूल, कॉलेज या कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाली छात्राओं से सोशल मीडिया पर दोस्ती करते हैं। कई बार वे पर्सनली भी मिलकर कनेक्ट होने की कोशिश करते हैं। ऐसे लोग खुद को रईस और फैशनेबल दिखाते हैं। लग्जरी कार, महंगे मोबाइल और अच्छी लाइफस्टाइल दिखाकर लड़कियों को झांसे में लेते हैं

एडवाइजरी के मुख्य बिंदु

साइबर पुलिस की एडवाइजरी में कहा गया है कि आपत्तिजनक फोटो/वीडियो मोबाइल में न रखें। अनजान से सोशल मीडिया पर दोस्ती न करें। दिखावटी लक्जरी लाइफस्टाइल के झांसे में न आएं। ऑनलाइन दोस्त से अकेले न मिलें। घटना होते ही 1930 पर थाने या में शिकायत करें।

महिलाएं भी गिरोह में रहती हैं शामिल

इन फर्जी प्रेमियों के साथ कई बार गिरोह की महिलाएं भी होती हैं। पीड़िता का भरोसा जीतने में ये महिलाएं ही मदद करती हैं। शुरुआत में उनका व्यवहार हेल्पिंग होता है। यही कारण है कि लड़कियां उनपर जल्दी विश्वास कर लेती हैं। अपराधी युवतियों को पब, होटल या ढाबों में लेकर जाते हैं, जहां नशे की लत लगाने की कोशिश की जाती है। नशे की हालत में उनके साथ यौन शोषण किया जाता है। यह भी बताया गया है कि इन जगहों पर छिपाकर कैमरे लगाए जाते हैं। कैमरों से लड़कियों के वीडियो रिकॉर्ड किए जाते हैं।

वीडियो से ब्लैकमेलिंग कर बनाते हैं दबाव

वीडियो और अश्लील फोटो के जरिए युवतियों को ब्लैकमेल किया जाता है। अपराधी दूसरी लड़कियों को भी साथ लाने का दबाव बनाती है। इसके बाद उन पर भी यही दोहराया जाता है। कई मामलों में महिलाओं पर शादी और धर्मांतरण का दबाव भी बनाया गया है। यहां तक कि उन्हें देह व्यापार में भी धकेला जा सकता है। राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय भोपाल ने साफ कहा है कि इस तरह के मामलों में डरें नहीं। अगर किसी छात्रा या महिला को किसी ने ब्लैकमेल किया है तो तुरंत शिकायत करें। समय पर जानकारी देने से बड़े अपराध रोके जा सकते हैं।

23 से 25 जून तक घर-घर जाकर जन जागरण करेगी कांग्रेस

ग्वालियर में प्रतिमा विवाद, कांग्रेस बस्तियों में भोज, ग्वालियर में करेगी उपवास

भोपाल। ग्वालियर उच्च न्यायालय परिसर में बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा लगाने पर चल रहे विवाद को लेकर कांग्रेस ने भाजपा पर निशाना साधा है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि भाजपा और आरएसएस बाबा साहब का अपमान करने की साजिश रच रही है। ग्वालियर में पोस्टर जारी कर यह प्रचार किया जा रहा है कि संविधान के निर्माता बाबा साहब नहीं थे। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाया कि इस मामले में भाजपा का मौन और दोहरा चरित्र स्पष्ट दिखाई दे रहा है। उधर अब इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस 23 से 25 जून तक घर-घर जाकर जन जागरण करेगी।

कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, विधायक फूल सिंह बरैया ने संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित

किया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि जब से संसद में गृहमंत्री अमित शाह ने बाबा साहब अंबेडकर को लेकर बयान दिया है, तब से भाजपा बाबा साहब पर निशाना साध रही है। ग्वालियर चंबल संभाग में एक पोस्टर के जरिए यह बताने की कोशिश की जा रही है कि संविधान के निर्माता बाबा साहब अंबेडकर नहीं हैं, बल्कि बीएन राउ थे। इस तरह देश के इतिहास को बदलने की कोशिश की जा रही है। नागपुर का एजेंडा लागू करने की कोशिश हो रही है। देश के संविधान को चुनौती दी जा रही है। इसको लेकर कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। इसके विरोध में कांग्रेस बाबा साहब और संविधान के सम्मान में कांग्रेस व्यापक जन जागरण अभियान चलाने जा रही है। इसके तहत 23 जून को घर-घर जाकर जन जागरण किया जाएगा। 24 जून को गरीब बस्तियों में संविधान पर चर्चा और भोज का आयोजन होगा। 25 जून को कांग्रेस के सभी सीनियर लीडर ग्वालियर में उपवास करेंगे।

दिग्गी बोले यह विचारधारा की लड़ाई

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने कहा कि बाबा साहब को संविधान सभा का अध्यक्ष बनाए जाने का निर्णय गांधीजी की सलाह पर लिया गया था, ताकि उत्पीड़ित वर्ग का प्रतिनिधित्त हो सके। पोस्टर में जिन बीएन राउ का नाम लिया जा रहा है, वह संविधान सभा में शामिल नहीं थे। वकील होने के नाते उन्हें सलाहकार के तौर पर रखा गया था। दिग्विजय सिंह ने कहा कि यह विचारधारा की लड़ाई है। भारतीय स्वयंसेवक संघ ने भारतीय संविधान को जलाया, तिरंगे झंडे का विरोध किया। अब बाबा साहब के योगदान को नकार रही है, जो उनका अपमान है। एक तरफ प्रधानमंत्री मोदी संविधान को अपने सिर माथे पर लगाते हैं और दूसरी तरफ संविधान के जितने भी आर्टिकल हैं, उसका सरकार विरोध करती है। सरकार की कथनी और करनी में हमेशा अंतर रहा है।

भाजपा चुनाव के लिए डाल रही फूट

विधानसभा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि देश में इतिहास बदलने का प्रयास किया जा रहा है। पहले नेहरु को लेकर बहस चली और अब अंबेडकर को लेकर भाजपा काम कर रही है। चंबल में कांग्रेस हमेशा मजबूत रही है और इसलिए कांग्रेस यहां वर्ग संघर्ष की स्थिति पैदा करती है। भाजपा ने अभी से 2028 के चुनाव को लेकर फूट डालो राज करो की नीति पर काम शुरू कर दिया है।

अटक सकता है 50 हजार कर्मचारियों का जून का वेतन

भोपाल । मप्र शासन ने कर्मचारियों का आईएफएमआईएस (इंटीग्रेटेड फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम) से ई-केवाईसी अनिवार्य कर दिया है। वित्त विभाग ने सभी कलेक्टरों से कहा है कि वे अपने जिले के सभी अधिकारियों-कर्मचारियों का फाइनेंस मैनेजमेंट सिस्टम के साथ ईकेवाईसी करा दें। जिन कर्मचारियों और अधिकारियों का ई-केवाईसी 30 जून तक नहीं होगा, उनका जून का वेतन नहीं निकाला जाएगा। विभाग के इस फरमान से प्रदेश के 50 हजार अधिकारी-कर्मचारी प्रभावित हो सकते हैं।

आयुक्त कोष एवं लेखा ने सभी कलेक्टरों को लिखे पत्र में कहा है कि राज्य शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि सभी लोक सेवकों को आईएफएमआईएस के अंतर्गत एम्प्लाई सेल्फ सर्विस प्रोफाइल के माध्यम से अपनी समग्र आईडी को आधार से लिंक करना है। इसे मैप किए जाने के बाद ही अब कर्मचारियों और अधिकारियों का वेतन निकल सकेगा। इसलिए सभी अधिकारी-कर्मचारी ई-केवाईसी सत्यापन का कार्य अभियान के रूप में करें, ताकि जिनका ई-केवाईसी नहीं हो सका है, उनका सत्यापन हो जाए और वेतन निकलने में किसी तरह की दिक्कत न हो।

90 प्रतिशत कर्मचारियों का हुआ ई-केवाईसी

मार्च 2024 की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 6 लाख 6 हजार नियमित कर्मचारी हैं। संविदा एवं स्थायी कर्मी समेत अन्य कर्मचारियों को जोड़ने पर यह आंकड़ा 7 लाख के पार होता है। ऐसे में जबकि सरकार का पहला फोकस नियमित अधिकारी-कर्मचारी हैं तो भी अभियान के दस माह में 90 फीसदी का ही सत्यापन हो सका है। अभी भी 10 प्रतिशत का ई-केवाईसी होना बाकी है। ऐसे में 50 हजार से अधिक कर्मचारियों का 30 जून से पहले ई-केवाईसी किया जाना जरूरी है। इसके मद्देनजर आयुक्त कोष और लेखा ने कहा है कि जिन कर्मचारी-अधिकारी का आईएफएमआईएस के अंतर्गत समग्र आईडी से आधार की लिंकिंग या मैपिंग नहीं हुई है उनका वेरिफिकेशन अगले 14 दिनों में पूरा करा लिया जाए। ऐसा न होने पर ट्रेजरी से वेतन नहीं निकाला जा सकेगा।

सितंबर 2024 से शुरू हुई है प्रक्रिया

आईएफएमआईएस से समग्र और आधार की लिंक प्रक्रिया सितंबर से शुरू हुई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने इसको लेकर 2 सितंबर 2024 को पहल पत्र वित्त विभाग को लिखा। इसके बाद 14 सितंबर 2024 को वित्त विभाग ने जिलों को इसके निर्देश जारी किए हैं। आयुक्त कोष और लेखा ने इसको लेकर 23 मई को भी पत्र लिखकर समग्र और आधार को आईएफएमएस से लिंक कराने के लिए रिमाइंडर भेजा था।

कोर्ट को लगाया 64 लाख का चूना

इंदौर। जिला कोर्ट के खाते में सेंध लगाकर 64 लाख रुपये निकालने वाले पिता-पुत्र को अपराध शाखा ने गुजरात से पकड़ लिया है। आरोपितों ने विदेश यात्रा, खरीदारी, उपचार, रिनोवेशन और कार में लाखों रुपये खर्च करना स्वीकारा है। पुलिस आरोपितों से पूछताछ कर रही है। एडिशनल डीसीपी(अपराध) राजेश दंडोतिया के मुताबिक जिला कोर्ट का 17वें एडीजे के नाम से एसबीआइ (कोर्ट परिसर) में खाता है।

आरोपितों ने 64 लाख रुपये निकाल लिए

5 मार्च से 11 जून के बीच में इस खाते से अज्ञात आरोपितों ने 64 लाख रुपये निकाल लिए। बैंक मैनेजर पुनीत तिवारी ने मामले की शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने सोमवार को सूरत से आरोपित साजीद रंगरेज और उसके बेटे साहिल रंगरेज को पकड़ लिया। एडीसीपी के मुताबिक साहिल बीएससी कर चुका है। उसने पुलिस को बताया कि बैंक में रजिस्टर्ड सिमकार्ड उसको आवंटित हो गया था।

भारत को अरब नहीं बनने देंगे, अरब को यहां के मुसलमानों से लेना-देना नहीं

आईएएस नियाज खान का अरब को लेकर विवादित ट्वीट, एक्स पर लिखा

भोपाल। आईएएस अफसर और लोक निर्माण विभाग के उप सचिव नियाज खान ने अरब कंट्री को लेकर विवादित ट्वीट किया है। जिसमें कहा है कि अरब के लोगों को केवल धन से मतलब है यहां (भारत) के मुसलमानों से कुछ लेना देना नहीं है। भारत को अरब नहीं बनने दिया जाएगा। यहां की संस्कृति का सभी मुस्लिम भाई सम्मान करना सीखें।

नॉवेल राइटर और हाल में अपना पहला नॉवेला लिखने वाले एमपी कैडर के आईएएस खान ने मंगलवार सुबह एक्स पर किए ट्वीट में कहा है कि भौतिक सुख और विलासिता में डूबे अरबी हमारे नहीं हैं। यहां के हिंदू हमारे हैं क्योंकि हम सब यहीं से निकले हैं। अरब के लोगों को केवल धन से मतलब है। यहां के मुसलमानों से कुछ लेना देना नहीं है। एक अन्य ट्वीट में खान ने लिखा है कि इस्लाम अरब के लोगों ने फैलाया और परिणाम भारत के तीन हिस्से हो गए। भविष्य में अरब संस्कृति को भारत में घुसने नहीं दिया जाएगा। अभी भी कहीं-कहीं अरब का लिबास, एक लंबा कपड़ा और सर पर रिंग लगा कपड़ा देखने को मिलता है। ऐसे लोग जो सुखभोगी अरब के कपड़े पहनते हैं वे बंद कर दें भारत के लिए।

8000 निजी स्कूल बंद होने का खतरा

स्कूल संचालकों और बच्चों ने किया प्रदर्शन

भोपाल। प्रदेश में निजी शिक्षा व्यवस्था पर संकट मंडरा रहा है। इसके लिए सीधे तौर पर राज्य शिक्षा केंद्र की नीतियां जिम्मेदार हैं। इन आरोपों के साथ, प्रदेश के लगभग 8 हजार निजी स्कूलों का अस्तित्व खतरे में है। इसी को लेकर स्कूल संचालक, शिक्षक, पेरेंट्स और छात्र एकजुट होकर भोपाल आए और राज्य शिक्षा केंद्र के सामने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का अपनी मांगों को लेकर सोमवार रात से ही राजधानी आना शुरू हो गया था। सुबह तक बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जुटे और राज्य शिक्षा केंद्र के सामने नारेबाजी की। उन्होंने इसे कोई आंदोलन नहीं, शिक्षा के अधिकार की पुकार बताया है। प्रदर्शन के बाद स्कूल संचालक, शिक्षक, पेरेंट्स और छात्र राज्य शिक्षा केंद्र के अधिकारियों से मिलने पहुंचे।

प्रदर्शनकारियों ने लगाए आरोप लगाया कि प्रदेश के लगभग 25000 निजी स्कूलों में से राज्य शिक्षा केंद्र ने सिर्फ 16000 को ही मान्यता दी है। शेष 8000 स्कूलों को बंद करने का प्रयास किया जा रहा है। यह कदम न केवल स्कूल संचालकों के हितों के विरुद्ध है, बल्कि लाखों गरीब और मध्यम वर्गीय छात्रों के भविष्य को भी अंधेरे में धकेल रहा है। अनुमान है कि इन स्कूलों के बंद होने से 20000 से 25000 छात्र शिक्षा से वंचित हो जाएंगे।

स्कूल शिक्षा विभाग
मध्य प्रदेश शासन

निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार के अंतर्गत सरकार ने एक लाख से अधिक सीटें कम कर दी हैं। जिससे वंचित वर्ग के बच्चों का मौलिक शिक्षा का अधिकार भी उनसे छीना जा रहा है। आरटीई के अंतर्गत निजी स्कूलों को दी जाने वाली प्रतिपूर्ति राशि का भुगतान सरकार ने 3 साल से नहीं किया है। उनकी शिकायत है कि यह स्थिति न केवल स्कूलों की आर्थिक स्थिति को कमजोर कर रही है, बल्कि शिक्षकों की नौकरियों और छात्रों की पढ़ाई को भी सीधे तौर पर संकट में डाल रही है। निजी स्कूल संचालकों का आरोप है कि राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों के स्कूलों की पूरी तरह उपेक्षा कर दी गई है।

अब तक 10 जिलों में 30 एफआईआर दर्ज...

भोपाल। पुलिस आरक्षक भर्ती में कार्यभार ग्रहण करने (ज्वॉइनिंग) का समय निकलने के एक माह बाद भी 450 से अधिक चयनित अभ्यर्थी ज्वॉइन करने नहीं पहुंचे हैं। अब पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों से यह रिपोर्ट मांगी है कि ये ज्वॉइन क्यों नहीं कर रहे हैं? इसके लिए पुलिस इकाइयों की ओर से चयनित अभ्यर्थियों से पत्राचार किया जा रहा है। संदेह है कि लिखित परीक्षा में फर्जीवाड़ा कर सफल होने वाले अभ्यर्थी भी इसमें शामिल हो सकते हैं।

दो दिन पहले ही ज्वाइनिंग के लिए सतना पहुंचे एक अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में उसने आधार अपडेट कराकर अपने स्थान पर सॉल्वर को बैठाने की बात स्वीकारी है। फर्जीवाड़ा में अभी तक 10 जिलों में 30 एफआइआर पंजीकृत की गई हैं। ज्वाइनिंग के लिए 23 अप्रैल को अभ्यर्थियों को पत्र भेजकर 15 दिन में ज्वाइन करने के लिए कहा गया था। 15 दिन बीतने के बाद भी आ रहे अभ्यर्थियों की पुलिस इकाइयों में ज्वाइनिंग कराई जा रही है। अभी तक 450 से अधिक अभ्यर्थियों के ज्वाइन नहीं करने के प्रश्न पर पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों का यह भी कहना है कि कई अभ्यर्थियों का अर्धसैनिक बल या अन्य केंद्रीय एजेंसियों में चयन होने पर वे ज्वॉइन करने नहीं आते। पारिवारिक परेशानी व अन्य कारण भी होते हैं। ऐसे में उनसे बातचीत के बाद ही सच्चाई सामने आएगी।

अभ्यर्थियों की कराई जाएगी जांच

इसके साथ ही उन्होंने बताया कि अभी भी जो आ रहे हैं उन्हें ज्वॉइन कराया जा रहा है। फर्जीवाड़ा सामने आने के चलते जो अभ्यर्थी ज्वाइन करने नहीं आएंगे उन्हें भी जांच की परिधि में लिया जाएगा। उनकी सहमति लेकर बायोमैट्रिक अपडेट कराने की जानकारी यूआइडीएआई के पोर्टल से निकाली जाएगी। इसके पहले भी फर्जीवाड़ा करने वाले अभ्यर्थियों को इसी तरीके से पकड़ा गया है।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 चक्र शुरु

मुम्बई। बांग्लादेश की टीम आजकल श्रीलंका के दौरे पर है। दोनो के बीच आज से यहां के गाले में पहला क्रिकेट टेस्ट मैच शुरु हुआ। इसी के साथ ही विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025-27 चक्र की भी शुरुआत हो गयी। इसमें कुल 9 टीमें फाइनल की रेस में शामिल होंगी। ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, साउथ अफ्रीका, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के बीच ये मुकाबला देखने को मिलेगा। वहीं भारतीय टीम को ये नया चक्र 20 जून से इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट से शुरु होगा। भारतीय टीम अभी इंग्लैंड दौरे पर है और उसे वह पांच टेस्ट मैच खेलने हैं। इस नये सत्र में भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल कर रहे हैं। आईससी चैंपियनशिप में 2025-27 चक्र के दौरान नौ टीमों के बीच दो साल में 71 मैच होंगे। इसके बाद फाइनल के जरिये विजेता का फैसला होगा। इस बार विश्व वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल हारने वाली ऑस्ट्रेलिया को नए सत्र में सबसे ज्यादा 22 टेस्ट मैच खेलने हैं जबकि इंग्लैंड को 21 मैच खेलने हैं जबकि भारत भारतीय टीम 18 टेस्ट मैच खेलेगी। भारतीय टीम को इस दौरान वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में खेलना है जबकि इंग्लैंड, श्रीलंका और न्यूजीलैंड के साथ उनकी धरती पर खेलना होगा।

2025-27 का पूरा कार्यक्रम इस प्रकार है

श्रीलंका दो साल में खेलेगी 12 मैच

श्रीलंका को अपनी धरती पर बांग्लादेश से (2), भारत से (2), और दक्षिण अफ्रीक से (2) जबकि विदेशी धरती पर वेस्टइंडीज से (2), पाकिस्तान से (2) और न्यूजीलैंड से भी (2) टेस्ट खेलने हैं।

बांग्लादेश दो साल में 12 मैच खेलेगी

बांग्लादेश की टीम पाकिस्तान (2), वेस्टइंडीज (2), इंग्लैंड (2) के साथ घरेल सीरीज खेलगी जबकि उसे विदेशी दौरों में श्रीलंका में (2), दक्षिण अफ्रीका में (2), ऑस्ट्रेलिया में (2) मैच खेलने होंगे।

भारत 2 साल में खेलेगा 18 मुकाबले

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के नए सर्किल में भारतीय टीम कुल 6 टीमों के खिलाफ 18 टेस्ट मैच खेलेगी। इसमें वेस्टइंडीज के साथ (2), दक्षिण अफ्रीका के साथ (2), ऑस्ट्रेलिया के साथ (5), इंग्लैंड के साथ (5), श्रीलंका के साथ (2) और न्यूजीलैंड के साथ (2) मैच उसे खेलने हैं। इसमें से वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत का दौरा करेगी जबकि भारतीय टीम इंग्लैंड, श्रीलंका और न्यूजीलैंड के दौरे पर जाएगी!

ऑस्ट्रेलिया 22 मैच खेलेगी

ऑस्ट्रेलिया टीम दो साल में इंग्लैंड के खिलाफ 5, न्यूजीलैंड के खिलाफ 4, बांग्लादेश से 2, वेस्टइंडीज से 3, दक्षिण अफ्रीका से 3 और भारत से 5 मैच खेलेगी। इसमें ऑस्ट्रेलियाई टीम वेस्टइंडीज दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी।

इंग्लैंड 21 मैच खेलेगी

उसे घरेलू धरती पर भारत (5), न्यूजीलैंड (3), पाकिस्तान (3) से खेलना है जबकि उसे ऑस्ट्रेलिया दौरे में (5), दक्षिण अफ्रीका में (3) और बांग्लादेश में (2) मैच खेलने हैं।

न्यूजीलैंड 16

उसे वेस्टइंडीज (3), भारत (2), श्रीलंका (2) से धरेलू सीरीज खेलनी है जबकि वह इंग्लैंड दौरे में (3), ऑस्ट्रेलिया में (4) व पाकिस्तान में (2) मैच खेलेगा।

पाकिस्तान 13

पाकिस्तान को घरेलू सीरीज में दक्षिण अफ्रीका (2), श्रीलंका (2), न्यूजीलैंड से भी (2) मैच खेलने हैं जबकि उसे विदेशी धरती पर बांग्लादेश से (2), वेस्टइंडीज से (2), और इंग्लैंड से (3) मैच खेलने हैं।

दक्षिण अफ्रीका 14

दक्षिण अफ्रीका को अपनी धरती पर ऑस्ट्रेलिया (3), बांग्लादेश (2), इंग्लैंड से (3) जबकि विदेशी धरती पर पाकिस्तान से (2), भारत से (2), श्रीलंका से (2) मैच-खेलने हैं।

वेस्टइंडीज 14

वेस्टइंडीज को ऑस्ट्रेलिया से (3), श्रीलंका से (2) और पाकिस्तान से (2) मैच खेलने हैं। वहीं उसे विदेशी धरती पर भारतीय टीम से (2), न्यूजीलैंड से (3) और बांग्लादेश से (2) मैच खेलने हैं।

आईसीसी ने छोटे देशों के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों के प्रारुप को मंजूरी दी

भारत , ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पर लागू नहीं होगा ये नियम

दुबई। आने वाले दिनों में टेस्ट क्रिकेट बदला बदला सा नजर आयेगा। खेल के प्रति आकर्षण बनाये रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027-29 के सत्र से विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र में छोटे देशों के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों के प्रारुप को मंजूरी दी है। वहीं भारत , ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पर ये नियम लागू नहीं होगा और ये पांच दिवसीय मैच खेल सकते हैं। आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार मैचों की संख्या एक दिन घटाने से अहम बदलाव होगा और इससे छोटे देश अधिक टेस्ट के साथ ही लंबी अवधि की सीरीज खेल सकेंगे। इस रिपोर्ट में कहा गया है, "पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में डब्ल्यूटीसी फाइनल के दौरान आईसीसी अध्यक्ष जय शाह 2027-29 के डब्ल्यूटीसी चक्र के लिए चार दिवसीय टेस्ट के लिए सहमत हो गये थे।" इसमें कहा गया है कि 'इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत को एशेज, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए पांच दिवसीय मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने की अनुमति रहेगी। आईसीसी ने पहली बार साल 2017 में द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए चार दिवसीय टेस्ट को मंजूरी दी थी। इंग्लैंड ने 2019 और 2023 में आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट के बाद पिछले महीने ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ भी चार दिवसीय टेस्ट मैच खेला था। इस रिपोर्ट के अनुसार, "कई छोटे देश समय और लागत के कारण टेस्ट मैचों की मेजबानी करने में रुचि नहीं ले रहे हैं पर चार दिवसीय टेस्ट मैच शुरू होने से तीन टेस्ट मैचों की पूरी सीरीज तीन सप्ताह से भी कम समय में खेली जा सकेगी।" इसमें कहा गया है, "समय को बर्बाद करने से बचने के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों में खेल के समय को 90 ओवर प्रतिदिन से घटाकर 98 ओवर कर दिया गया है।"

इस बार भारतीय टीम के पास इंग्लैंड में सीरीज जीतने का अच्छा अवसर - हेडन

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर मैथ्यू हेडन ने कहा है कि शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम युवा है। इसके बाद भी उसके पास इंग्लैंड में सीरीज जीतने का अच्छा अवसर है क्योंकि मेजबाज टीम का गेंदबाजी आक्रामक इस बार अच्छा नहीं है। हेडन के अनुसार इंग्लैंड के प्रमुख गेंदबाज चोटिल होने के कारण बाहर हैं। ऐसे में अगर भारतीय टीम लीड्स और मैनचेस्टर में मैच जीतने में सफल रहती है तो उसके पास इंग्लैंड के खिलाफ दबाव बनाकर सीरीज जीतने का अवसर होगा।

भारत और इंग्लैंड पांच मैचों की इस सीरीज के साथ ही अपने नए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करेंगे। इस श्रृंखला का पहला मैच शुक्रवार से लीड्स में खेला जाएगा। वहीं मैनचेस्टर में 23 जुलाई से चौथा टेस्ट होगा। हेडन ने कहा, "मुझे नहीं लगता कि इंग्लैंड के गेंदबाज इस बार अधिक अच्छे हैं। उसके कई गेंदबाज चोटिल हैं वहीं कई खिलाड़ी संन्यास ले चुके हैं। उसके लिए यही बड़ी चुनौती होगी।" उन्होंने कहा, "उत्तरी इंग्लैंड में होने वाले टेस्ट मैच काफी अहम होंगे। भारत अगर इन मैच में जीत हासिल कर लेता है तो वह सीरीज पर कब्जा कर सकता है।" भारत के इंग्लैंड के पिछले दौरे के बाद से मेजबान टीम के दो सबसे अनुभवी गेंदबाजों जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्रॉड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। यही नहीं इंग्लैंड के कुछ प्रमुख तेज लिया है। वहीं तेज गेंदबाज मार्क वुड चोट के कारण कम से कम पहले तीन टेस्ट मैचों से बाहर हो गए हैं। इसके अलावा तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी शुरुआती मैच में नहीं खेल पाएंगे और गस एटकिंसन हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबर रहे हैं।

दूसरी ओर भारतीय टीम नए कप्तान शुभमन के नेतृत्व में मैदान पर उतरेगा। इस तरह से भारत रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन जैसे दिग्गजों के संन्यास के बाद युवा खिलाड़ियों के साथ उतरेगा। इसी को देखते हुए दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा, "भारतीय टीम काफी युवा है। इसलिए यह कहा जा सकता है कि इंग्लैंड सीरीज जीतने जा रहा है, पर यह आसान नहीं होगा। मुझे लगता है कि एक या दो टेस्ट ऐसे होंगे जिन्हें भारतीय टीम जीत सकती है अपने नाम कर सकता है।"

वहीं भारत के पूर्व क्रिकेटरों दीप दासगुप्ता और संजय मांजरेकर ने भी इंग्लैंड को सीरीज में जीत का दावेदार बताया लेकिन साथ ही कहा कि मुकाबला काफी करीबी होगा। दासगुप्ता ने कहा, "भारतीय टीम काफी युवा है और उसका कप्तान भी युवा है। टीम बदलाव के दौर से गुजर रही है, जिससे इंग्लैंड को थोड़ा फायदा मिलेगा।

एकदिवसीय विश्वकप के बाद खेल को अलविदा कह देगीं सोफी डिवाइन

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा कि आगामी महिला विश्व कप क्रिकेट के बाद वह एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी हालांकि वह टी20 क्रिकेट खेलती रहेंगी। एकदिवसीय विश्वकप इस साल के अंत में भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से खेला जाएगा। आयोजित किया जाएगा। अपने 19 साल के शानदार करियर के दौरान डिवाइन महिला क्रिकेट में सबसे अच्छे ऑलराउंडरों में से एक मानी जाती हैं। साल 2006 में 17 साल की उम्र में डिवाइन ने न्यूजीलैंड की महिला टीम के लिए एकदिवसीय में डेब्यू किया था। वह सबसे अधिक एकदिवीसय खेलने के मामले में सूजी बेट्स के बाद दूसरे स्थान पर हैं। एकदिवसीय प्रारूप में उनके नाम 3990 रन हैं और वह सबसे अधिक रन बनाने वाले चौथी खिलाड़ी हैं। उन्हें डेबी हॉकले के 4000 रन के रिकार्ड को तोड़ने की उम्मीद है। डिवाइन के नाम 107 विकेट हैं और वह न्यूजीलैंड की ओर से सबसे अधिक एकदिवसीय विकेट लेने वालों में दूसरे स्थान पर हैं। वह 2020 में कप्तान बनीं और उनकी कप्तानी में टीम साल 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतने के साथ ही पहली बार आईसीसी महिला टीम 20 विश्व कप जीतने में सफल रही। डिवाइन ने कहा, मुझे लगता है कि एकदिवसीय से मेरे लिए संन्यास की घोषणा का यहसही समय है। मैं बहुत भाग्यशाली महसूस करती हूं कि मुझे टीम का समर्थन मिला है, जिसका मतलब है कि मैं अभी भी टी20 टीम को कुछ दे सकती हूं। हर कोई जानता हो कि मैं इस समूह को अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए समर्पित हूं। मैं मैं अगले छह से 9 महीनों में अपनी भूमिका निभाने के लिए उत्सुक हूं।

टी20 इंटरनेशनल ट्राई सीरीज में तीन सुपरओवर के बाद नीदरलैंड्स ने नेपाल को हराया

ग्लासगो। यहां नीदरलैंड्स और नेपाल के बीच हुआ टी20 इंटरनेशनल ट्राई सीरीज को दूसरा मैच बेहद रोमांचक रहा। इसमें तीन सुपरओवर के बाद मैच का परिणाम निकला। नीदरलैंड्स की टीम ने हालांकि अंत में जीत दर्ज की। इस मैच में तीन सुपर ओवर टाई ब्रेकर्स हुए जो कि क्रिकेट के इतिहास में पहली बार हुआ है। इससे प्रशंसकों की भी परिणाम देखने सांसे रुकी रहीं।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नीदरलैंड्स की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 152 रन बनाये थे। टीम की ओर से तेजा निडामनुरु ने सबसे अधिक 35 रन जबकि विक्रमजीत सिंह ने 30 रन बनाये। वहीं नेपाल की ओर से संदीप लामिछाने ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लिए। जीत के लिए मिले क्ष्य का पीछा करते हुए नेपाल ने कप्तान रोहित पौडेल ने 48 रन बनाये जिससे टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 152 रन बनाकर स्कोर बराबर कर दिया। ऐसे में मैच टाई हो गया। नीदरलैंड्स की ओर से डेनियल डोरम ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए। ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर मुकाबले को रोमांचक मोड़ पर पहुंचा दिया.

जब दोनों ही टीम के 20-20 ओवर पूरे हुए तो दोनों टीमों का स्कोर बराबर था। इसके बाद नियम के अनुसार सुपर ओवर हुआ। इसमें पहले बल्लेबाजी करते हुए नेपाल ने एक विकेट पर 19 रन बनाये। नीदरलैंड्स के मैक्स ओ'डॉड और माइकल लेविट ने भी 19 रन बना दिये जिससे पहला सुपर ओवर टाई रहा।

दूसरे सुपर ओवर में स्पिनर ललित राजवंशी ने ओ'डॉड और स्कॉट एडवर्ड्स के खिलाफ 17 रन दिए। नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी और रोहित पौडेल ने मिलकर 17 रन बना दिये और ये सुपर ओवर भी टाई रहा। एक और सुपर ओवर की तरफ बढ़ गया.

तीसरे सुपर ओवर में नीदरलैंड्स की ओर से ऑफ स्पिनर जैक लायन कैचेट उतरे। कैचेट की सधी हुई गेंदों पर उन बनाने में नेपाल के बल्लेबाज विफल रहे।

हर्षित अभी भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड में ही रहेंगे

मुम्बई। तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्षित राणा को भारत और इंग्लैंड के बीच होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अवसर मिल सकता है। इसका संकेत इससे मिलता है कि भारत ए टीम के साथ दौरे पर गये राणा को इंग्लैंड में ही भारतीय टीम के साथ रुकने को कहा गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार राणा अभी इंग्लैंड में ही रहेंगे। उन्होंने इस दौरे में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो चार-दिवसीय मैचों के साथ ही बेकेनहैम में टेस्ट टीम के खिलाफ एक इंट्रा-स्क्वाड मैच खेला था। अभी तक उन्हें 20 जून से शुरू होने वाली सीरीज के लिए टेस्ट टीम में शामिल करने जैसी बात सामने नहीं आई है।

वहीं इंडिया 'ए' के जो खिलाड़ी काउंटी नहीं खेल रहे वे आज स्वदेश लौट जाएंगे। इंग्लैंड में राणा ने कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले गेम में 99 रन देकर एक विकेट लेने के अलावा 16 रन बनाए।

राणा ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट डेब्यू में अच्छा प्रदर्शन किया था, यहां उन्होंने 50.75 की औसत से चार विकेट लिए थे। वहीं पर्थ में 3-48 का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन रहा। उन्हें हालांकि पांच मैचों की सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया है। चयन समिति ने तेज गेंदबाजी के लिए जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ ही आकाश दीप, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा को टीम में शामिल किया है। राणा ने अब तक अपने करियर में 13 फर्स्ट क्लास मैचों में 27.79 की औसत से 48 विकेट लिए हैं।

बटलर बोले, विराट ने की थी मेरी सहायता

लंदन। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की गिनती विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में होती है और उनका सामना करना किसी भी गेंदबाज के लिए बेहद मुश्किल होता है। इसके बाद भी विराट को जरा भी घमंड नहीं है। यहां तक कि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जोस बटलर ने खुलासा किया है कि के एक बार कोहली ने उनसे कहा था कि कभी-कभी जब वह बल्ला उठाते हैं तो उन्हें लगता है कि उन्हें खेलना ही नहीं आता।

पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड से बातचीत में बटलर ने कहा विराट ने एक बार मेरी सहायता की थी। उस दौरान उन्होंने एक बल्लेबाज के तौर पर अपनी असुरक्षाओं को भी साझा किया था और कहा था कि कभी-कभी बल्ला उठाते हैं तो लगता है कि मुझे खेलना आता ही नहीं है। साल 2023 की बात है। एक साल पहले ही बटलर ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए 863 रन बनाए थे। वह किसी एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने थे। आईपीएल के किसी एक सत्र में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है, जिन्होंने 973 रन बनाए हैं। 890 रन के साथ शुभमन गिल दूसरे नंबर पर हैं। 2022 में रनों का अंबार खड़ा करने के बाद भी बटलर दबाव में थे। उन्होंने बताया, 2022 के सत्र में मैंने 868 रन बनाए पर किसी एक सत्र में सबसे ज्यादा 973 रन का रिकॉर्ड कोहली नाम है। मैं अगले सत्र में बहुत परेशान था कि आखिर अपेक्षाओं पर कैसे खरा उतरूं। तब मैंने विराट से बात की थी। इस दौरान उन्होंने कोहली से पूछा कि आप अपेक्षाओं को कैसे संभालते हैं। विश्व क्रिकेट में आपसे ज्यादा भला किससे अपेक्षाएं होती होंगी। तब कोहली ने कहा, हो सकता है कि आपका केवल यह एक सत्र ख्रराब रहा हो। उसे स्वीकार कीजिए। उसे दोहराने की कोशिश मत कीजिए। यह सब चलता है। जिंदगी अच्छी रहेगी। बटलर ने बताया कि कैसे कोहली ने उनके लिए अपना समय निकालकर उनकी मदद की। बातचीत के दौरान कोहली ने अपने अनुभवों के बारे में भी बताया।

ऋ्षभ से अपने स्वभाविक अंदाज में खेलने को कहें गंभीर = बदानी

नई दिल्ली। पूर्व बल्लेबाज हेमंग बदानी ने कहा है कि भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को उपकप्तान ऋ्षभ पंत से बात कर उनका हौंसला बढ़ाना चाहिये क्योंकि हाल में आईपीएल में उनका प्रदर्शन खराब रहा था जिससे वह दबाव में होंगे। इसलिए गंभीर को उन्हें ये बताना चाहिए कि वह अपने खेल पर ध्यान दें और उपकप्तानी को लेकर दबाव में न आयें। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर ऋ्षभ पंत अपनी टीम को सफलता नहीं दिला पाये। इसके बाद भी भारतीय बोर्ड ने उनपर भरोसा जताते हुए उपकप्तानी सौंपी है। बदानी ने कहा कि भारतीय टीम शुभमन गिल के नेतृत्व में नए दौर की शुरुआत करने वाली है। ऐसे में ऋ्षभ पर भी बड़ी जिम्मेदारी होगी पर उन्हें जिम्मेदारी और अपेक्षाओं में दबने की जगह पर अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहिये। बदानी ने कहा, मैं वास्तव में उम्मीद कर रहा हूं, कि इसमें थोड़ा भी बदलाव नहीं होगा। मुझे लगता है कि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस क्रिकेट में आक्रामक और रक्षात्मक स्ट्रोक बनाने का सही संतुलन बना लिया है। उन्होंने आगे कहा, ये जरूरी है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर उसके साथ बात करे और उससे बोले, ऋ्षभ अपना खेल खेलें, उपकप्तानी को लेकर दबाव न लेंग। पिछले कुछ सालों से एक निश्चित तरीके से खेला है और वह आपके लिए अच्छा रहा है।इससे टीम को भी लाभ होगा क्योंकि वह अपनी बल्लेबाजी से मैच पलटने में सक्षम हैं।

शुभमन में रहेगी विराट और रोहित की कप्तानी की झलक

लंदन। इंग्लैंड के क्रिकेटरों ने पहला टेस्ट शुरु होने से पहले ही भारतीय टीम के युवा कप्तान शुभमन गिल पर दबाव बनाना शुरु कर दिया है। बटलर ने कहा है कि भारतीय टेस्ट टीम का कप्तान होना देश में प्रधानमंत्री के बाद 'तीसरे या चौथे सबसे प्रभावशाली व्यक्ति' होने जैसा है ,इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। ऐसे में सभी भारतीय प्रशंसकों का दबाव शुभमन पर रहेगा। बटलर ने कहा कि शुभमन की कप्तानी में रोहित शर्मा और विराट कोहली दोनो की ही झलग देखी जाएगी। बटलर ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शुभमन की कप्तानी में खेला है। इसलिए वह उनका तरीका जानते हैं। उन्होंने कहा कि इस युवा को कप्तानी की भूमिका और अपनी बल्लेबाजी के बीच संतुलन बनाना होगा। बटलर ने इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ बातचीत के दौरान कहा, "वह वास्तव में प्रभावशाली खिलाड़ी है। जब वह बोलते हैं तो काफी शांत और संतुलित रहते हैं। मुझे लगता है कि वह मैदान पर अपने लिए चुनौती पेश करते हैं। उनमें काफी जुनून होता है। मुझे लगता है कि कप्तान के रूप में वह कोहली और रोहित का मिश्रण होंगे। "उन्होंने कहा, "कोहली बहुत आक्रामक थे। उन्होंने भारतीय टीम को पूरी तरह बदल दिया। वहीं रोहित थोड़े शांत और संयमित, लेकिन उनमें गजब का जुनून और जुझारूपन था।" बटलर ने कहा, "गिल ने इन दोनों से काफी कुछ सीखा है हालांकि वह मैदान पर पूरी तरह से अलग नजर आएंगे।

अंडर-19 क्रिकेट टीम के दो चोटिल खिलाड़ियो की जगह दीपेश और नमन शामिल

लंदन। आयुष म्हात्रे की कप्तानी में इंग्लैंड दौरे पर गयी भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम को सीरीज शुरु होने से पहले ही झटका लगा है। टीम के दो खिलाड़ी चोटिल होकर बाहर हो गये हैं। ऐसे में जूनियर क्रिकेट कमेटी ने आदित्य राणा और खिलन पटेल की जगह डी. दीपेश और नमन पुष्पक को टीम में शामिल किया है।

दीपेश और नमन दोनों ही इस दौरे के लिए स्टैंडबाय खिलाड़ियों में शामिल थे। बीसीसीआई ने कहा कि आदित्य को पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेस फ्रैक्चर हुआ है। वहीं खिलन के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में चल रहे हाई-परफॉर्मेंस कैंप के दौरान दाहिने पैर में स्ट्रेस रिएक्शन हुआ है। अंडर-19 टीम इंग्लैंड के खिलाफ 24 जून से 23 जुलाई के बीच एक 50 ओवर का वार्म-अप मैच, पांच यूथ वनडे और दो मल्टी-डे मैच खेलेगी। म्हात्रे को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए आईपीएल 2025 में शानदार प्रदर्शन के बाद इस सीरीज के लिए कप्तान बनाया गया है। म्हात्रे सीएसके के तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने छह पारियों में 34.33 की औसत से 206 रन बनाए हैं। म्हात्रे के अलावा आईपीएल से हीरो बने वैभव सूर्यवंशी भी इस टीम में हैं। वैभव ने केवल सात पारियों में 36 की औसत से 252 रन बनाए हैं। गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ आईपीएल इतिहास का सबसे तेज शतक वैभव के नाम है।

दौरे का कार्यक्रम

भारतीय टीम 24 जून को लफबरो यूनिवर्सिटी में 50 ओवर का वार्म-अप मैच खेलेगी। इसके बाद पहला यूथ वनडे 27 जून को होव में खेला जाएगा। वहीं अगले दो वनडे मैच 30 जून और 2 जुलाई को नॉर्थम्प्टन में खेले जाएंगे। वहीं पांच मैचों की सीरीज के बाकी मैच 5 और 7 जुलाई को वॉर्सेस्टर में खेले जाएंगे जबकि -डे रेड-बॉल गेम 12 जुलाई को बेकनहैम में होगा। इस दौरे का अंतिम मल्टी-डे गेम 20 जुलाई को चेल्म्सफोर्ड में होगा।

टीम इस प्रकार है :-

आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा, मौल्यराजसिंह चावड़ा, राहुल कुमार, अभिज्ञान कुंडू (उप-कप्तान और विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), आर. एस. अम्बरीश, कनिष्क चौहान, हेनिल पटेल, युधाजीत गुहा, प्रणव राघवेंद्र, मोहम्मद एनान, अनमोलजीत सिंह, डी. दीपेश, नमन पुष्पक।

अवैध सट्टेबाजी ऐप्स प्रमोशन मामले में हरभजन, सहित इन तीन क्रिकेटरों पर ईडी ने शिकंजा कसा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह , हरभजन सिंह और सुरेश रैना के लिए अवैध सट्टेबाजी ऐप्स का प्रमोशन करना महंगा पड़ सकता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इन अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स की जांच तेज कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस जांच में क्रिकेटरों के अलावा अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और अभिनेता सोनू सूद से भी पूछताछ की जा रही है। यह जांच एक प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म के प्रचार से जुड़ी है। ईडी का मानना है कि ये प्लेटफॉर्म भ्रामक विज्ञापन और गलत तरीकों से लोगों से पैसा ऐंठ रहा है।

जांच में पता चला है कि ये प्लेटफॉर्म गलत तरीक का इस्तेमाल कर विज्ञापन करते हैं। ये वेब लिंक और क्यू आर कोड के जरिए यूजर्स को असली अवैध सट्टेबाजी साइटों पर भेजते हैं। ईडी के अनुसार, यह भारतीय कानूनों का उल्लंघन है। वहीं ये ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म खुद को स्किल-आधारित गेम बताते हैं पर ये असल में धोखेबाजी के लिए रिग्ड एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए, ये जुए के दायरे में आते हैं। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार इस प्रकार के प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म सेलिब्रिटीज का सहारा लेकर लोगों को गुमराह करते हैं।

शुरुआती जांच में कई कानूनों सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम धन शोधन निवारण अधिनियम के उल्लंघन की बात सामने आयी है। रिपोर्ट के अनुसार, हरभजन सिंह और सुरेश रैना और उर्वशी रौतेला व सोनू सूद के प्रतिनिधियों ने अब तक इसपर कोई जवाब नहीं दिया है।

मप्र में 9 साल बाद कर्मचारी-अधिकारियों को मिलेगा प्रमोशन

4 लाख लोगों को मिलेगा फायदा; 2 लाख खाली पदों पर भर्ती होगी

भोपाल। मप्र में 9 साल बाद सरकारी कर्मचारी-अधिकारियों को प्रमोशन मिलेगा। मंगलवार को हुई प्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक में इसकी मंजूरी मिल गई है। बैठक के बाद मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि इस फैसले से नई भर्ती के दरवाजे भी खुल जाएंगे। प्रमोशन में आरक्षित वर्ग की हिस्सेदारी को भी इसमें ध्यान में रखा गया है।

प्रमोशन में किसी प्रकार की विधिक तकलीफ नहीं आएगी, इसका भी पूरा ध्यान रखा गया है। अग्रिम डीपीसी के प्रावधान किए गए हैं। वरिष्ठता का ध्यान रखा गया है। किन परिस्थितियों में लोकसेवक अपात्र होगा, इसे भी स्पष्ट किया गया है। निर्णय के पुनर्विलोकन के लिए रिव्यू डीपीसी की व्यवस्था भी की गई है। पदोन्नति समिति को शासकीय सेवक की उपयोगिता निर्धारण करने का अधिकार दिया गया है।

2016 में प्रमोशन पर लगी थी रोक

9 साल पहले 2016 से सरकारी कर्मचारियों की पदोन्नति (प्रमोशन) रुकी हुई थी। इसकी वजह यह थी कि आरक्षण में प्रमोशन को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट में था। सरकार ने वहां एसएलपी दाखिल की थी, जिससे प्रमोशन नहीं हो पा रहा था।

सीएम के सामने फॉर्मूले का

प्रेजेंटेशन हुआ

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कर्मचारियों को पदोन्नति दिए जाने के पक्ष में हैं। इसी कारण तीन महीने पहले उन्होंने सभी पक्षों की सहमति से पदोन्नति प्रक्रिया शुरू करने की बात कही थी। इसके बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने प्रमोशन का फॉर्मूला तैयार करना शुरू किया और दो से ज्यादा बार मुख्यमंत्री के सामने इसका प्रेजेंटेशन पेश किया गया। इस दौरान सपाक्स और अजाक्स के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने सरकार द्वारा तैयार फॉर्मूले का प्रेजेंटेशन दिया। पिछले हफ्ते, 10 जून को हुई कैबिनेट बैठक में मंत्रियों के सामने भी इसका प्रजेंटेशन पेश किया गया था। इसके बाद अब इसे मंजूरी के लिए आज की कैबिनेट बैठक में लाया गया। इसे लेकर सोमवार देर रात तक मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के कार्यालयों के बीच गहन मंथन चलता रहा। आखिरकार इसे कैबिनेट के एजेंडे में शामिल करने का फैसला लिया गया। पदोन्नति में रोक के चलते अब तक एक लाख से अधिक कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं।

कर्मचारियों के प्रमोशन में कई पेंच

9 साल बाद बाद मध्यप्रदेश के अधिकारियों कर्मचारियों को पदोन्नति देने का रास्ता मोहन कैबिनेट ने साफ कर दिया है लेकिन इस फार्मूले में कई पेंच हैं। 2016 से 2025 के बीच पदोन्नति दिए जाने को लेकर सरकार के फार्मूले में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। मोहन कैबिनेट के आज लिए गए फैसले में रिटायर हो चुके अधिकारियों और कर्मचारियों के मामले में कोई फैसला नहीं किया गया है। चार दिन के भीतर इसके आदेश जारी कर पहली डीपीसी जून माह में ही करा दी जाए ताकि समय अधिक लगने पर ज्यादा विरोध की स्थिति न बनने पाए।

मामला सुप्रीम कोर्ट जाता है तो उसकी भी तैयारी

मोहन यादव कैबिनेट ने आज 2016 में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की सरकार द्वारा पदोन्नति में आरक्षण देने के लिए सुप्रीम कोर्ट जाने के बने हालातों से बाहर निकलने का रास्ता तो निकाल लिया है, लेकिन इसकी डगर भी आसान नहीं मानी जा रही है। मंत्रालय के अफसरों के अनुसार, सरकार को पता है कि आज मोहन कैबिनेट द्वारा लिए गए फैसले के विरोध में कई कर्मचारी अधिकारी कोर्ट जाएंगे, इसलिए सरकार ने यह तैयारी कर रखी है कि कोर्ट में मामला जाने पर सरकार कोर्ट से ही पूछेगी कि आखिर किस नियम के अंतर्गत पदोन्नति दी जानी चाहिए। बताया जाता है कि आज जिस फार्मूले को मंजूरी दी गई है वह कर्मचारियों के भविष्य में पदोन्नति को देखते हुए लागू होगा। इसके नियम बनाने के बाद कैबिनेट की मंजूरी मिलने पर अब जल्दी ही सामान्य प्रशासन विभाग इसके आदेश भी जारी करने जा रहा है।

कब मिलेगी पदोन्नति

अफसरों के अनुसार, पदोन्नति का जो फॉर्मूला तैयार किया गया है, उसमें पहली डीपीसी जून माह में ही कराने की तैयारी है। इसके लिए जीएडी के आदेश जारी होने के बाद 30 जून के पहले विभागों की पहली डीपीसी मीटिंग कराने पर फोकस किया जाएगा ताकि कर्मचारियों-अधिकारियों को प्रमोशन मिल सके। इसके बाद दूसरे चरण की डीपीसी मीटिंग सितंबर-अक्टूबर में कराने पर फोकस किया जाएगा। सरकार इसलिए भी जल्दी प्रमोशन देना चाहती है ताकि कर्मचारी ज्यादा विरोध न करें।

कोर्ट में मामला विचाराधीन है तो कैसे लागू होगा फॉर्मूला

पदोन्नति में आरक्षण का यह मामला 2016 से सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। अब सरकार ने इसके नए नियम बनाकर कैबिनेट से मंजूरी दे दी है। इसी आधार पर पदोन्नति देने का काम किया जाएगा। इसके बाद अब कोर्ट में मामला जाएगा तो सरकार कोर्ट से कहेगी कि माननीय न्यायालय उसके लिए उचित रास्ता बताएं ताकि पदोन्नति दी जा सके।

एक लाख कर्मचारी हो चुके पदोन्नति बगैर रिटायर

पदोन्नति में आरक्षण के विवाद के चलते प्रदेश के एक लाख से अधिक अधिकारी कर्मचारी प्रमोशन बगैर रिटायर हो चुके हैं। हालांकि सरकार ने इन्हें क्रमोन्नति और समयमान वेतनमान देकर प्रमोशन के जैसा वेतन देना शुरू कर दिया है, लेकिन प्रमोशन नहीं होने से कर्मचारी अधिकारी को पुराने काम ही करने पड़ रहे हैं। इसलिए कर्मचारियों, अधिकारियों की हताशा को देखते हुए सरकार ने कोर्ट में केस चलने के बावजूद बीच का रास्ता निकालने की कोशिश की है।

अब आईएएस के तबादले की बारी

मंत्रालय से मैदानी स्तर तक होंगे बदलाव

भोपाल। मप्र में बुधवार से तबादलों पर बैन लग है। इसके साथ ही आईएएस और आईपीएस के तबादले शुरू होंगे। जानकारी के अनुसार प्रदेश सरकार जल्द ही प्रशासनिक अमले में फेरबदल करने जा रही है। गृह विभाग द्वारा हाल में किए गए आईपीएस तबादलों के बाद अब आईएएस अधिकारियों के तबादलों की तैयारी अंतिम चरण में है। यह बदलाव मंत्रालय स्तर से लेकर जिलों तक देखने को मिल सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य सचिव अनुराग जैन के साथ बैठक कर तबादलों की सूची पर चर्चा कर सकते हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री बड़े पैमाने पर फेरबदल के मूड में नहीं हैं, लेकिन जिन पदों पर नियुक्तियां बेहद जरूरी हैं, वहां बदलाव जल्द किए जाएंगे। सचिव स्तर के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के दायित्वों में भी फेरबदल संभव है।

दतिया जिले में कलेक्टर संदीप माकिन के सेवानिवृत्त होने के बाद से यह पद रिक्त है। वर्तमान में जिला पंचायत के सीईओ को अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है, लेकिन जल्द ही नियमित नियुक्ति की संभावना है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुखवीर सिंह और वरिष्ठ आईएएस संजीव कुमार झा की नई पदस्थापनाओं को लेकर भी निर्णय जल्द लिया जा सकता है। लोक निर्माण विभाग जैसे बड़े और अहम विभाग में अब तक कोई स्थायी प्रमुख नहीं है। अब पूर्णकालिक अधिकारी को नियुक्त किया जा सकता है। इसके अलावा राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की भी नवीन पदस्थापना की जा सकती है, खासकर उन जिलों में जहां प्रशासनिक गति प्रभावित है या कुशल नेतृत्व की आवश्यकता है।

बदले जाएंगे कई कलेक्टर

कर्मचारियों की तबादला अवधि समाप्त होने के बाद केवल मुख्यमंत्री समन्वय के माध्यम से ही तबादले हो सकेंगे। अब आईएएस और आइपीएस अधिकारियों के तबादले किए जाएंगे। इसमें कलेक्टर से लेकर अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी शामिल रहेंगे। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव सूची को अंतिम रूप देने के लिए एक-दो दिन में मुख्य सचिव अनुराम जैन और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के साथ बैठक करेंगे। सूत्रों के अनुसार डिंडौरी सहित अन्य जिलों के कलेक्टर बदले जा सकते हैं। डिंडौरी कलेक्टर नेहा मराव्या को लेकर स्थानीय स्तर पर असंतोष है। अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों से उनका तालमेल नहीं बन पा रहा है, जिसके कारण काम भी प्रभावित हो रहा है। वहीं, कुछ कलेक्टरों को सरकार बड़ी जिम्मेदारी देना चाहती है इसलिए उन्हें नई पदस्थापना दी जा सकती है। मंत्रालय में भी जिन अधिकारियों के पास अधिक दायित्व हैं, उनसे लेकर दूसरों को दिए जा सकते हैं। लोक निर्माण विभाग में अभी कोई पूर्णकालिक अधिकारी नहीं है। ऊर्जा विभाग के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई के पास अतिरिक्त प्रभार है। जबकि, यहां हजारों करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट चल रहे हैं। उधर, राज्य सरकार ने अनुरोध करके चुनाव आयोग से सुखवीर सिंह की सेवाएं वापस ले ली हैं। वे प्रदेश में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी थे। उनके स्थान पर संजीव कुमार झा को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बनाए जाने पर आयोग ने सहमति दी है। इसी तरह पुलिस अधिकारियों के भी तबादले होने हैं। नर्मदापुरम पुलिस अधीक्षक गुरुकरण सिंह वर्ष 2021 से पदस्थ हैं। कुछ अन्य अधिकारियों को एक स्थान पर पदस्थ रहते दो वर्ष या उससे अधिक समय हो चुका है। इन सभी को शामिल करते हुए सूची को अंतिम रूप दिया जाएगा।

वरिष्ठ अधिकारियों का बदलेगा प्रभार

मंत्रालयीन सूत्रों का कहना है कि नई तबादला सूची में अतिरिक्त प्रभार वाले अफसरों को राहत दी गई है। यानी जिन अफसरों के पास एक से अधिक विभाग हैं, उनसे अन्य विभाग लेकर दूसरे अफसरों को जिम्मेदारी दी जाएगी। वर्तमान समय में कई अफसरों के पास अतिरिक्त प्रभार है। अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा के पास एसीएस जल संसाधन विभाग का अतिरिक्त प्रभार है। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मंडलोई के पास लोक निर्माण जैसे बड़े विभाग का अपर मुख्य सचिव का अतिरिक्त प्रभार है। मंडलोई की लोक निर्माण विभाग में बहुत ज्यादा रुचि नहीं है। वे सिर्फ रुटीन की फाइलें ही आगे बढ़ाते है। अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल के पास सहकारिता का अतिरिक्त प्रभार, अपर मुख्य सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मनू श्रीवास्तव के पास खेल एवं युवा कल्याण का अतिरिक्त प्रभार, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन संजय दुबे के पास साइंस एवं टेक्नोलॉजी का अतिरिक्त प्रभार, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन के पास संसदीय कार्य व उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग का अतिरिक्त प्रभार है। ऐसे ही अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास एवं आवास संजय शुक्ला के पास विमानन का अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव वाणिज्यिक कर अमित राठौर के पास कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग का अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव खाद्य रश्मि अरुण शमी के पास महिला-बाल विकास का अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग दीपाली रस्तोगी के पास आयुक्त विकास का अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन शिव शेखर शुक्ला के पास प्रमुख सचिव धर्मस्व विभाग का अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव मत्स्य विभाग डीपी आहुजा के पास प्रमुख सचिव आयुष विभाग अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव उद्योग व एमएसएमई राघवेंद्र कुमार सिंह के पास आनंद विभाग का अतिरिक्त प्रभार, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव के पास आयुक्त खाद्य सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार है। उमाकांत उमराव के पास पीएस पशुपालन एवं डेयरी विभाग, विवेक पोरवाल के पास आयुक्त राहत एवं पुनर्वास, नवनीत मोहन कोठारी के महानिदेशक एप्को का अतिरिक्त प्रभार है। इसके अलावा कुछ सचिव व अपर सचिव स्तर के अधिकारियों के पास दूसरे विभागों का अतिरिक्त प्रभार है। पिछले दिनों में कई अधिकारी सचिव और प्रमुख सचिव के पद पर पदोन्नत हो चुके हैं। उनकी जिम्मेदारियों में भी परिवर्तन किया जा सकता है।

पाकिस्तान की ओर बहती नदियों का पानी पंजाब, हरियाणा, राजस्थान में होगा डायवर्ट

नई दिल्ली। भारत 113 किलोमीटर लंबी नहर के निर्माण की संभावना पर गौर कर रहा है, जिससे सिंधु जल का पानी रोककर भारत के 3 राज्यों पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भेजा जा सके। यह कदम सिंधु जल संधि के तहत भारत के हिस्से के जल का बेहतर इस्तेमाल के लिए उठाया गया है। साल 1960 में यह संधि हुई, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच 6 नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज) के पानी के बंटवारे का प्रावधान है। भारत अब पश्चिमी नदियों (झेलम, चिनाब और सिंधु) के अतिरिक्त जल को नहरों के जरिए उपयोगी क्षेत्रों में ले जाना चाहता है, जो फिलहाल पाकिस्तान की ओर बहती हैं।

सूत्रों के अनुसार, यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती चरण में है। इसकी संभावना को लेकर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इस परियोजना के तहत चिनाब को रावी-ब्यास-सतलुज से जोड़ने वाली नई नहर बनाई जाएगी, जिसके अगले तीन वर्षों में पूरा होने की उम्मीद है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मध्य प्रदेश में भाजपा प्रशिक्षण सत्र के दौरान अहम बयान दिया था। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में सिंधु का जल राजस्थान के गंगानगर तक नहरों के जरिए पहुंचाया जाएगा, जिससे पाकिस्तान पानी की हर बूंद के लिए तरसेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित नहर को यमुना से जोडने का भी प्लान है। इससे नहर की लंबाई 200 किलोमीटर हो सकती है। इसके बाद, यमुना के जरिए जल को गंगासागर तक पहुंचाया जा सकता है। इससे दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान जैसे राज्यों को काफी लाभ होगा। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था।

चारधाम यात्रा में हेलिकॉप्टर सेवा बहाल

देहरादून। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हेलिकॉप्टर सेवा को बहाल कर दिया गया है। इसके पहले हेलिकॉप्टर सेवा को हादसे के बाद कुछ समय के लिए स्थगित हुआ था। अब इस हेलीकॉप्टर सेवा को फिर से बहाल किया गया है। उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथॉरिटी की सीईओ सोनिका ने ये जानकारी दी है। गौरतलब है कि केदारनाथ घाटी में एक प्राइवेट हेलीकॉप्टर का एक्सीडेंट हो गया था। इसमें पांच श्रद्धालुओं सहित सात लोगों की मौत हुई थी। इस घटना के बाद उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवाओं कुछ दिनों के लिए रोक दिया था।

कांग्रेस ने जातिगत जनगणना पर उठाए सवाल, बीजेपी का पलटवार कांग्रेस झूठ की फैक्ट्री

नई दिल्ली। कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने केंद्र की तरफ से जातिगत जनगणना के संबंध में जारी अधिसूचना पर सवाल उठा दिए है। उन्होंने इस संबंध में पोस्ट भी किया है। साथ ही, उन्होंने तेलंगाना सरकार की ओर से जातिगत जनगणना के संबंध में जारी अधिसूचना भी साझा कर इसकी केंद्र की अधिसूचना से तुलना की।

कांग्रेस नेता खेड़ा ने कहा कि जब तेलंगाना सरकार की तरफ से जातिगत जनगणना के संबंध में अधिसूचना जारी हुई थी, तब उसमें तीन बार जाति शब्द का जिक्र था। लेकिन, विडंबना देखिए कि आज जब केंद्र ने अधिसूचना जारी की है, तब एक बार भी जाति शब्द का इस्तेमाल नहीं किया गया है। कांग्रेस नेता ने पोस्ट केंद्र की ओर से जातिगत जनगणना के संबंध में अधिसूचना जारी करने के बाद किया है। वहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस पार्टी को आड़े हाथों लेकर झूठ की फैक्ट्री करार दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठ की फैक्ट्री है, जो लगातार देश को गुमराह करती रहती है। बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने दावा किया कि कांग्रेस ने हाल ही में यह झूठ फैलाया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना नहीं होगी, जबकि भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि जाति आधारित जनगणना की जाएगी।

पूनावाला ने प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्तियों का हवाला देकर कहा कि 30 अप्रैल, 4 और 15 जून को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई बैठकों के बाद यह स्पष्ट था कि जनगणना में जाति गणना शामिल होगी। कांग्रेस का काम ही झूठ फैलाना है।

हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं? - जगदीप धनखड़

पुडुचेरी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में सवाल किया कि हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं।अपने सम्बोधन में धनखड़ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अक्षरश: लागू करने की वकालत की है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत के शिक्षा क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाएगी और इससे देश के विकास को भी गति मिलेगी। उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को न लागू करने वाले राज्यों से अपील करते हुए कहा कि वे इसे लागू करें। ये नीति महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पांडिचेरी विश्वविद्यालय में कहा कि पिछले दशक में अभूतपूर्व विकास के कारण भारत दुनिया का सबसे महत्वाकांक्षी राष्ट्र है। उपराष्ट्रपति ने सवाल किया कि हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि दुनिया में मौजूद कोई भी देश भाषाओं के मामले में भारत की तरह समृद्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि संसद में भी सदस्यों को 22 भाषाओं में बोलने की इजाजत है। भारत की भाषाएं समावेशिता का संकेत देती हैं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि हमें गंतव्य को देखना चाहिए, भविष्य को ध्यान में रखना चाहिए और तूफान से उबरना चाहिए।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को दुनिया की सबसे अच्छी पॉलिसी बताया है।

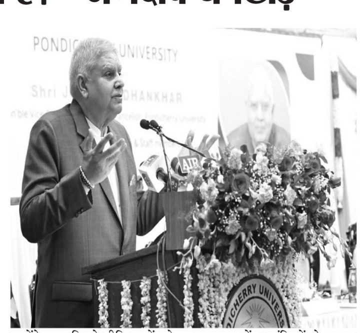

उन्होंने कहा कि ये नीति छात्रों को प्रतिभा और क्षमता का पूरा इस्तेमाल करने के साथ ही आगे बढ़ने और समय का सही इस्तेमाल करने का मौका देती है। उपराष्ट्रपति ने कार्यशालाओं का आयोजन कर के छात्रों को इस नीति के बारे में पूरी तरह से अवगत कराने की भी जरूरत पर जोर दिया है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को विश्व शांति की स्थापना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की प्रगति के लिए शांति आवश्यक है। यह मजबूत स्थिति से आती है। पुडुचेरी में उपराष्ट्रपति ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (जेआईपीएमईआर) के छात्रों और कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्र सर्वप्रथम है और राष्ट्रीय सुरक्षा सभी राजनीतिक पक्षपातपूर्ण हितों से परे है।

ऑपरेशन सिंदूर पर उन्होंने कहा कि दो महीने पहले जब पहलगाम में आतंकियों ने हमला किया था, तब हम सभी चिंतित, चिंतित और सदमे में थे। आतंकवादियों ने हमारे चरित्र को चुनौती दी। धनखड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को वचन दिया कि हम आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे।

उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री के फैसले को सही साबित करने के लिए सशस्त्र बलों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया को यह सबूत मिल गया है कि यह एक अलग भारत है साहसी, आत्मविश्वासी लेकिन गणना करने वाला। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा है कि युद्ध कोई समाधान नहीं है और हमें कूटनीति और वार्ता का सहारा लेना होगा। यह संदेश स्पष्ट रूप से जा चुका है।

मॉनसून ने पकड़ी रफ्तार... दिल्ली-एनसीआर में बारिश, बिहार-झारखंड में भी मौसम बदला

मप्र में 19 जिलों को कवर किया मानसून

नई दिल्ली/भोपाल। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून मंगलवार को फिर आगे बढ़ा है। मॉनसून उत्तरी अरब सागर और गुजरात के अतिरिक्त भागों के साथ-साथ विदर्भ के बचे हुए हिस्सों में आगे बढ़ा है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से, छत्तीसगढ़ के अधिकांश हिस्से, ओडिशा के शेष क्षेत्र, झारखंड के कुछ हिस्से, समूचा गंगा का तटीय क्षेत्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के बचे हुए क्षेत्र और बिहार के कुछ हिस्से भी दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के प्रभाव में आ गए हैं। इसके साथ ही देश की राजधानी दिल्ली के मौसम में भी तब्दीली आई है। दोपहर से दिल्ली-नोएडा समेत इसके आसपास के इलाकों में हल्की बारिश शुरू हुई है।

वहीं इंदौर समेत मध्यप्रदेश के 15 जिलों में मंगलवार को मानसून ने दस्तक दे दी। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम प्रदेश में अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, देवास, हरदा, खंडवा, बैतूल, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला और डिंडौरी जिलों में पहुंच गया। आज 38 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। इससे पहले सोमवार को बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर और खंडवा में मानसून पहुंचा था। इस तरह मानसून ने 2 दिन में प्रदेश के 19 जिलों को कवर कर लिया है। इधर, मंगलवार सुबह करीब 11 बजे छिंदवाड़ा में तेज बारिश हुई। ग्रामीण इलाकों- जुन्नारदेव, बिछुआ, नवेगांव में भी पानी गिरा। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2 दिन में मानसून भोपाल में दस्तक दे सकता है। वहीं, सबसे आखिरी में ग्वालियर-चंबल में पहुंचेगा। मौसम विभाग की मानें तो एक सप्ताह में मानसून पूरे प्रदेश को कवर कर लेगा।

बिहार की 33 सीटों पर चुनाव जीतकर चिराग बनना चाहते हैं किंगमेकर

पटना। बिहार का सत्ताधारी नीतीश-बीजेपी की एनडीए सरकार चुनाव की तैयारियों में जुटी है। नीतीश सरकार ने अनुसूचित जाति आयोग, महिला आयोग समेत तमाम आयोग और बोर्ड का पुनर्गठन कर टिकट के कई दावेदारों को एडजस्ट कर दिया है। इसे चुनाव के समय टिकट न मिलने के कारण बगावत की संभावनाओं को कम करने का प्रयास बताया जा रहा है। वहीं चिराग पासवान ने 243 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान और 70 सीटों के लिए दावेदारी कर सत्ताधारी गठबंधन की टेंशन में डाल दिया है।

पीएम मोदी के हनुमान और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का यह चुनावी गोला किसके लिए घातक साबित हो सकता है? यह अलग विषय है, लेकिन उनकी रणनीति साफ है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान की कोशिश पिछले बिहार चुनाव में बन गई वोट कटवा वाली इमेज से बाहर निकलने की है, अपने पिता के समय का किंगमेकर वाला टैग वापस पाने की है। चर्चा में अब वह 33 सीटें भी आ गई हैं, जिनके दम पर चिराग पासवान बिहार चुनाव में किंगमेकर बनने का सपना देख रहे हैं।

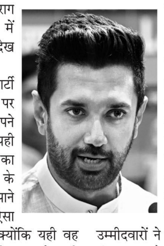

चिराग और उनकी पार्टी बिहार की 33 सीटों के दम पर राज्य में सत्ता की चाबी अपने पास रखना चाहती है। यही सीटें चिराग की बार्गेनिंग का बेस हैं और उनकी पार्टी के लिए अपनी मनचाही सीटें पाने की जादुई छड़ी भी। ऐसा इसलिए कहा जा रहा है, क्योंकि यही वह सीटें हैं, जिन्होंने नीतीश की अगुवाई वाली जनता दल (यूनाइटेड) को 2005 के पहले विधानसभा चुनाव से लेकर अब तक की सबसे खराब टैली पर ला दिया था। नीतीश की पार्टी 43 सीटें जीतकर तीसरे नंबर पर रही। बिहार चुनाव 2020 में चिराग की पार्टी ने एकला चलो का नारा देकर एनडीए में जेडीयू के कोटे वाली सीटों पर उम्मीदवार उतारे थे। चिराग की पार्टी तब 137 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़कर केवल एक सीट ही जीत सकी थी, लेकिन 33 सीटों पर जेडीयू को नुकसान पहुंचाया था। 28 सीटों पर एलजेपी उम्मीदवार को जेडीयू की हार के अंतर से ज्यादा वोट मिले थे। पांच सीटों पर तो एलजेपी उम्मीदवारों ने जेडीयू के कैंडिडेट को तीसरे नंबर पर धकेल दिया था। ऐसी सीटों की लिस्ट में रोहतास जिले की दिनारा से लेकर भागलपुर तक के नाम हैं।

बिहार चुनाव नतीजे आने के बाद खुद नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन के लिए चिराग पासवान को जिम्मेदार ठहराया था। जेडीयू के नेताओं का एक धड़ा इसके पीछे बीजेपी की साजिश बता रहा था और नीतीश के एनडीए से नाता तोड़ महागठबंधन के साथ जाने के पीछे भी यही थ्योरी है, लेकिन इस बार इन सीटों पर तस्वीर दूसरी होगी। चिराग अगर एकला चलो के फॉर्मूले पर बढ़ इन सीटों पर उम्मीदवार उतारते हैं तो सामने आरजेडी और उसकी अगुवाई वाला महागठबंधन होगा। इसे कुछ सीटों के पिछले नतीजे से भी समझा जा सकता है। चिराग अपनी पार्टी के लिए गठबंधन में 70 सीटों के लिए दावेदारी कर रहे हैं। हालांकि, उनका लक्ष्य 40 सीटें प्राप्त करना बताया जा रहा है। चर्चा तो यह भी है कि चिराग 35 सीटों पर भी मान सकते हैं, लेकिन 33 से कम सीटों पर बात आई तो कुछ सीटों पर फ्रेंडली फाइट की नौबत भी आ सकती है।

कोसमी से देवटोला तक बन रहे बायपास मार्ग का काम हुआ बंद

किसान और जनप्रतिनिधियों ने कलेक्टर को सोपा ज्ञापन, मार्ग के रूट को परिवर्तित कर रोड बनाए जाने की चल रही हैं योजना, कलेक्टर ने कहा जहां से हुआ है सर्वे वहीं से बनेगा मार्ग

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कोसमी से देवटोला तक बन रहे 5 किलोमीटर के बायपास मार्ग का काम बीते कुछ दिनों से बंद हो गया है। जिसको लेकर ग्राम पंचायत कोसमी और देवटोला के कुछ किसानों ने जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया और बताया कि जो 5 किलोमीटर का बायपास मार्ग बनाया जा रहा था, उसका काम बंद हो गया है और उन्हें जानकारी लग रही है कि संबंधित विभाग और ठेकेदार द्वारा सर्वे किए गए मार्ग का रूट चेंज किया जा रहा है और अभी मार्ग का काम बंद भी कर दिया गया है। जिससे कई किसानों के आवागमन को लेकर समस्या उत्पन्न होगी तो वही मार्ग भी तय सर्वे अनुसार नहीं बनेगा । इसे लेकर जनसुनवाई में कलेक्टर बालाघाट ने ग्रामीणों को भरोषा दिलाया कि जिस प्रकार से मार्ग का सर्वे और एलाइनमेंट हुआ है उसी प्रकार से बायपास मार्ग बनेगा और वह संबंधित विभाग को इसके लिए निर्देशित करते हैं।

आपको बता दे की मंगलवार को कोसमी से देवटोला तक लगभग 5 किलोमीटर के बन रहे बायपास मार्ग के बीच में काम बंद होने पर कोसमी के क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियो, किसानों और ग्रामीणों ने कलेक्टर को शिकायत की। ग्रामीणों का कहना है कि कोसमी से बगदर्रा प्रधानमंत्री सड़क और दूसरे छोर देवटोला से लगभग एक किलोमीटर तक इस मार्ग में अर्थवर्क हो चुका है, जबकि बीच के लगभग ढाई किलोमीटर, बगदर्रा से गांगुलपारा की बंद नहर पर, टेंडर अनुसार होने वाले कार्य को विभाग और ठेकेदार ने बंद कर दिया है। इस मार्ग के बीच में रोके गए कार्य से ग्रामीण और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि नाराज है। बालाघाट शहर में यातायात के दबाव को कम करने तत्कालीन सांसद डॉ. ढालसिंह बिसेन ने गोदिया रोड के देवटोला तक बंद पड़ी नहर में बायपास सड़क के निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर पास कराया था। जिसमें वर्तमान सांसद, भारती पारधी के कार्यकाल में 631.07 लाख रूपए की लागत से लोक निर्माण विभाग, मेसर्स यशवंती कंस्ट्रक्शन कंपनी के प्रो. प्रीती खजरे के माध्यम से कार्य कराया जा रहा है, जिसे ठेकेदार राजेश खजरे देख रहे है। ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ लोगों को फायदा पहुंचाने, विभाग और ठेकेदार ने काम को रोक दिया है, जबकि टेंडर अनुसार कार्य किया जाता है तो इसका फायदा, क्षेत्र के कोसमी, बघोली, सरेखा और बगदर्रा के, लगभग 500 किसानों को खेतो में जाने के लिए पक्की सड़क मिल जाएगी और बायपास भी सीधा हो जाएगा। जिसके चलते क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, किसान और ग्रामीण, टेंडर अनुसार, सड़क निर्माण कार्य करने की बात कह रहे है। इस मामले में ठेकेदार राजेश खजरे से संपर्क कर उनसे जानकारी चाही तो उन्होंने केवल इतना बताया कि एरिकेशन से अनुमति नहीं मिली है और जो जानकारी देंगे, वह पीडब्ल्युडी ई देंगे। पीडब्ल्युडी ई अडमे, इस मामले में बाद में चर्चा करने की बात कह रहे है। जिससे साफ है कि निर्माण एजेंसी पीडब्ल्युडी विभाग और ठेकेदार, मामले में कुछ छिपाने का प्रयास कर रहे है।

मार्ग को परिवर्तित करने की बात सुनने मिल रही है - दशरथ लिल्हारे

इस मामले में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि पूर्व जनपद सदस्य दशरथ लिल्हारे ने कहा कि स ?क का निर्माण टेंडर प्रक्रिया के अनुसार किया जाए अन्यथा वह आंदोलन करेंगे। क्योंकि बहुत से किसान और आमजन को इस मार्ग से आवागमन के लिए फायदा मिलेगा। किंतु जिस प्रकार से मार्ग को परिवर्तित करने की बात उन्हें सुनने मिल रही है। उससे कहीं ना कहीं बहुत सारे किसान इस मार्ग को परिवर्तित करने से परेशानी में आ जाएंगे। इसलिए उन्होंने मांग की है कि जिस प्रकार से मार्ग का सर्वे हुआ है उसी प्रकार से बायपास मार्ग को बनाया जाए।

दूसरे रूट से रोड बनाई जाएगी तो वह विरोध करेंगे - गगन नगपुरे

ग्राम पंचायत कोसमी के पूर्व सरपंच और वर्तमान सरपंच प्रतिनिधि गगन नगपुरे ने बताया कि जो 5 किलोमीटर का बाईपास बन रहा है इससे क्षेत्र के कई किसानों को लाभ मिलेगा। किन्तु कुछ दिनों से उन्हें जानकारी मिल रही है कि जो वर्क आर्डर और सर्वे हुआ है उस अनुसार मार्ग नहीं बनाया जाएगा । बल्कि मार्ग को दूसरे रूट के अनुसार बनाया जाएगा और इन दिनों काम भी बंद कर दिया गया है । जबकि काम एक साइड से नहीं हो रहा है । कुछ-कुछ दूरी में काम कर, काम को बंद कर दिया गया है और वह चाहते हैं कि काम सर्वे के अनुसार हो और यदि दूसरे रूट के अनुसार रोड बनाई जाएगी तो वह किसानों के साथ इसका विरोध करेंगे और उसके बाद भी नहीं समस्या का समाधान होता तो आंदोलन तक उनके द्वारा किया जाएगा ।

एक व्यक्ति की जहरीली वस्तु के सेवन से मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के मछूरदा पुलिस चौकी क्षेत्र में आने वाले ग्राम नयाटोला (मालिया) इसी ग्राम के एक व्यक्ति विलम सिंह पिता सुंदरसिह धुर्वे 32 वर्ष की जहरील वस्तु के सेवन करने से मौत हो गई । 15 जून की रात्रि में इस व्यक्ति ने अपने ही घर में जहरीले वस्तु का सेवन कर लिया था। जिसकी घर में ही मौत हो गई।। मछुरदा पुलिस ने इस व्यक्ति का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। इस व्यक्ति ने किस वजह से जहरीली वस्तु का सेवन किया। अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है । प्राप्त जानकारी के अनुसार विलम सिंह के परिवार में माता-पिता के अलावा वे चार भाई है। सभी भाई की शादी हो चुकी है और वे अपने परिवार के साथ अलग-अलग रहते हैं और खेती किसानी करते हैं। बताया गया है कि विलम सिह अपनी पत्नी बिराजू बाई के साथ में रहता था और खेती किसानी करता था जिनके बच्चे नहीं है। यह भी बताया गया है की विलम सिंह शराब पीने का आदी था और वह आए दिन शराब पीते रहता था। 15 जून की रात्रि में भी विलम सिंह ने शराब पी थी। 16 जून को सुबह 6:30 बजे करीब विलंमसिंह अपने घर के बिस्तर में मृत पाया गया। इस संबंध में उसके पत्नी बिराजो बाई ने अपने देवर जेठ को बताई। उन्होंने आकर देख विलम सिंह के मुंह से झाग निकली हुई थी। जिसकी रिपोर्ट उसके बड़े भाई कलम सिंह धुर्वे ने मछूरदा पुलिस चौकी में की थी। मछुरदा पुलिस चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक विनोद नागर ने अपने स्टाफ के साथ ग्राम नया टोला मालिया पहुंचकर मृतक विलम सिह का शव बरामद किये और पंचनामा कार्यवाही पश्चात बिरसा के अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। विलम सिंह की किसी जहरीले वस्तु के सेवन से मौत हुई है। किंतु उसने किस वजह से जहरीली वस्तु का सेवन किया। अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है । पुलिस चौकी प्रभारी उप निरीक्षक श्री नागर धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच कर रहे हैं।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेड़ापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

बस स्टैंड समीप धर्मशाला में एक व्यक्ति से तीन लोगों ने की मारपीट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। स्थानीय बस स्टैंड समीप स्थित धर्मशाला में एक व्यक्ति को तीन लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिए। घायल व्यक्ति दीपक पिता इंदर नायक 30 वर्ष ग्राम छोटी खजूरी खुर्द रायसेन रोड भोपाल थाना बिल खेड़िया निवासी है। जिसका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपक नायक बस स्टैंड समीप धर्मशाला में रहकर कुकर गैस रिपेयरिंग का काम करता है। जिसके साथ उसके परिवार के अलावा अन्य लोग भी रहते हैं। 16 जून की रात्रि 9ः00 बजे दीपक नायक धर्मशाला के हाल में खाना बनाकर खाना खाने बैठे थे। इस समय बहादुर नायक, राजकुमार नायक गोलू शराब पीकर आए और दीपक नायक को गालियां देने लगे। दीपक नायक ने उन्हें गालियां देने से मना किया। तभी दीपक नायक को दो लोगों ने पकड़े और राजकुमार नायक ने उसे बेलने हाथ बुक्के से मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद मारपीट में घायल दीपक नायक को उसके भाई विक्रम नायक ने जिला अस्पताल लाकर इलाज करवाया। जिला अस्पताल पुलिस ने दीपक नायक का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

आसमानी बिजली की चपेट में आने से एक कृषक की मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बक्कर में आसमानी बिजली गिरने से एक कृषक की मौत हो गई 15 जून को दोपहर में यह घटना प्राकृतिक घटना उस समय हुई जब यह कृषक अपने मवेशी चराने के लिए खेत गया था किरनापुर पुलिस ने मृतक कृषक हीरामन पिता सहारू बाहे 65 वर्ष ग्राम बक्कर निवासी का। शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हीरामन बाहे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता था। जिसके परिवार में दो बेटे और एक बेटी है सभी की शादी हो चुकी है। एक बेटा नागपुर में काम करता है और एक घर में रहकर खेती किसानी करता है। बताया गया है कि हीरामन बाहे अपने घर के मवेशी चराने के लिए खेत तरह ले जाता था ।रोज की। तरह रविवार को भी दोपहर में हीरामन अपने घर के मवेशी चराने के लिए खेत तरफ गया था। उस समय शाम तेज आंधी तूफान के दौरान आसमानी बिजली गिरी थी। शाम 6:30 बजे तक हीरामन घर नहीं पहुंचा और मवेशी भी घर नहीं आए। परिवार के लोगों को शंका होने पर वे हीरामन को ढूंढने के लिए खेत तरफ गये थे। खेत में तलाश करने के दौरान खेत की बंधी में हीरामन अचेत हालत में पड़ा हुआ था और दूसरे खेत में मवेशी चर रहे थे। हीरामन का एक तरफ का चेहरा गला सीना आसमानी से झुलस गए थे वहा की झाड़ियां भी आसमानी बिजली गिरने से झुलस गई थी । खेत मे अचेत पड़े हीरामन को परिजनों ने घर लाये किंतु कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। जिसकी रिपोर्ट उसके बेटे घासीराम पिता हीरामन बाहे 35 वर्ष ग्राम बक्कर निवासी ने किरनापुर पुलिस थाना में की थी। 16 जून को किरनापुर पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक फूलचंद गजभिए ने ग्राम बक्कर पहुंचकर मृतक हीरामन बाहे का शव पंचनामा। कार्यवाही पश्चात किरनापुर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। संभावना व्यक्त की गई की शाम के समय तेज आंधी तूफान के दौरान आसमानी बिजली गिरने से हीरामन बाहे आसमानी बिजली की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। सहायक उप निरीक्षक श्री गजभिए द्वारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

Kaira
तकनीक जापानी सोच हिन्दुस्तानी
आधुनिक तकनीकी का प्रीमियम काईरा राईस ट्रांसप्लांटर
विश्व की नं. 1 धान रोपाई मशीन एवं हार्वेस्टर पर विशेष अनुदान
शासकीय अनुदान उपलब्ध
फायनेंस सुविधा उपलब्ध
ट्रे. सीडर स्टॉक उपलब्ध
14900/- में सीडर पायें
~~62/-~~ 58/- 4 रु. की बचत
~~18900/-~~ 14900/- 4000 रु. की बचत
पिछले 3 वर्ष में सिवनी, बालाघाट एवं पूरे महाकौशल में 500 से भी ज्यादा संतुष्ट ग्राहक
- रोट्रावेटर मल्टीस्पीड में उपलब्ध
- स्टेनलेश स्टील ब्लेड के साथ जो चले सालों साल
- 6.5 फीट एवं 7.5 फीट में उपलब्ध, जो जुताई में दमदार, दिखने में जोरदार
- 4 गियर में उपलब्ध जो सुखे एवं कीचड़ में आसानी से चले
- मार्केट से कम दाम में उपलब्ध
रोट्रावेटर की हर खरीदी पर रेनकोट फ्री
के.के. इंटरप्राईजेस/ सांई ट्रेक्टर्स (पॉवरट्रेक ट्रेक्टर्स)
सांई ट्रेक्टर्स के बाजू में, मोती तालाब रोड, बालाघाट
के.के. इंटरप्राईजेस
बालाघाट रोड, पटेलटोला, बरघाट
मो. 9425138685, 8770334649, 9669674379

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

BALAGHAT'S MOST TRUSTED
FIBER TO HOME NETWORK
PADMESH X FIBERNET
DO YOU KNOW?
we offer Router | ONT for FREE to Use with new connection...?
for new connection inquiries
GIVE A MISSED CALL NOW 08045777666

JOB VACANCY
आवश्यकता है
PADMESH X FIBERNET में
TECHNICAL ENGINEER
हम देंगे...
★ सम्मानजनक मानदेय ★ पेट्रोल खर्च अतिरिक्त
★ तेजी से विकास का मौका ★ नौकरी की सुरक्षा
पता- पद्मेश सिटी केबल, काली पुतली चौक, बालाघाट 9752771444

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट